खबरों के 67 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें ➡ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, रविवार 08 अक्टूबर 2023 | वर्ष –67 | अंक –329 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ जीवन से विदा लेती... ■ रोचक किस्सों का... 04

■ 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास... ■ कनाडा में विमान दुर्घटना, 2 भारतीय ट्रेनी... 09

■ लगातार चौथे सप्ताह गिरा विदेशी मुद्रा भंडार... ■ जीएम सरसों की उपज जांच के दायरे में 11

■ टीम इंडिया ने मेन्स क्रिकेट... ■ वनडे वर्ल्डकप में टूटा... 10

ICC CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

आज के मैच
भारत विरूद्ध ऑस्ट्रेलिया
समय - 2.00 दोपहर

सार संक्षेप

एशियाई खेलों में भारत के 100 पदक
मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भारत के 100 पदक पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। इसे अहम उपलब्धि बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि- वह भारतीय दल का 10 अक्टूबर को स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, हर अद्भुत प्रदर्शन ने इतिहास रचा और हमारा हृदय गर्व से भर दिया। मैं 10 अक्टूबर को हमारे एशियाई खेलों के दल का स्वागत करूंगा और खिलाड़ियों से बात करूंगा।

(विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ पर)

बिरादरी कीबात

चूहा-सुनती हो- सरकार ने मोटे अनाज के खुले आटे को टैक्स फ्री कर दिया है।
चुहिया- हां प्रिये- तुम तो महंगाई की बात करो, जो हर रोज गरीबी में आटा गीला कर रही है।

हमास ने इजराइल पर दागे 5000 रॉकेट

इजराइल ने किया ऐलान-ए-जंग, गाजा पट्टी पर ताबड़तोड़ जवाबी हमले में 160 की मौत

यरूशलम/ नई दिल्ली। हमास और इजराइल के बीच भारी युद्ध शुरू हो गया है। पहले हमास ने 20 मिनट में गाजापट्टी से इजराइल के तेलअवीव पर 5000 रॉकेट दागे। इजराइल ने इसे आतंकी हमला करार देते हुए युद्ध का ऐलान कर दिया है और जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर रॉकेटों और अन्य अत्याधुनिक हथियारों से ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं।

यूक्रेन-रूस के बाद इस नये युद्ध के आगाज ने भारत सहित पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि- मैं इस आतंकी हमले से हैरान हूं और कठिन वक्त में हम साथ हैं।

हमास की सशस्त्र शाखा ने ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड शुरू किया और शनिवार सुबह मध्य और दक्षिणी इजरायल में लगभग 5,000 मिसाइलें दागीं। मिसाइल हमलों में एक महिला सहित 44 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। इसके बाद इजरायल ने भी युद्ध घोषणा कर दी।

इजरायल स्थित एक समाचार एजेंसी की रिपोर्टों के अनुसार, फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह ने इजरायली रक्षा बल के सैनिकों को भी बंधक बना लिया है। हमास के रॉकेट हमले के जवाब में इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में हमास के कई ठिकानों पर हमला कर जवाब दिया। इजरायल के पायलटों और रिजर्व सैनिकों ने ज्यूडिशियल ओवरहॉल के ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

-44 से ज्यादा इजराइलियों की मौत, 500 से ज्यादा घायल
- गाजा पट्टी के 80 किमी के दायरे में आपातकाल घोषित
-20 मिनट में दागे गए 5000 रॉकेट, सैनिक बंधक बनाए
- भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

मोदी ने कहा-इस आतंकी हमले से हैरान हूं, कठिन वक्त में हम साथ

इजराइली महिला के शव को अर्ध-नग्न कर घुमाया

इसी बीच फिलिस्तीन से एक वीडियो सामने आया है। यहां पर हमास के चरमपंथी एक इजराइली महिला के अर्ध-नग्न शव को ट्रक में घुमा रहे हैं। इस वीडियो में महिला को ट्रक में मृत देखा जा सकता है।

जीएसटी कांउसिल की बैठक

मोटे अनाज से बने आटे पर अब नहीं चुकाना होगा टैक्स

नई दिल्ली। शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी कांउसिल की 52वीं बैठक हुई। जीएसटी की बैठक में फैसला हुआ कि- मिलेट्स से बने आटे पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

पैकेट पर 5 प्रतिशत जीएसटी

निर्मला सीतारमण ने फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि आटे में अगर 70 प्रतिशत तक मिलेट्स होगा, तो उसकी खुली बिक्री होने पर जीएसटी नहीं लगेगा। मिलेट्स के आटे को पैकेट में बेचने पर 5 प्रतिशत तक जीएसटी लगाई जाएगी, जो पहले 18 प्रतिशत तक थी।

मुख्यमंत्री ने रवाना किए चलित दीनदयाल रसोई केन्द्र

चलित रसोई केन्द्र से चार शहरों में 5 रूपए में गरीब और जरूरतमंद लोगों को मिलेगा भरपेट भोजन : शिवराज

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क से चलित दीनदयाल रसोई केंद्र झंडी दिखाकर रवाना किए। ये चलित केंद्र भोपाल और अन्य शहरों के उन स्थानों पर जाकर श्रमिकों और अन्य जरूरतमंद लोगों को पाँच रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध करवाएंगे, जहां ये लोग कार्य करते हैं। प्रदेश के अन्य नगरों में भी चलित केंद्र संचालित किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के प्रारंभ ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

योजना एक नजर में

प्रदेश में 7 फरवरी 2017 में यह योजना जिला मुख्यालयों और 6 प्रमुख धार्मिक स्थानों को मिलाकर 56 स्थानों पर संचालन के साथ प्रारंभ की गई थी। वर्तमान में 166 स्थानों पर योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना में प्रदेश में सवा दो सौ लाख भोजन थालियों का वितरण किया जा चुका है। प्रदेश में 25 चलित रसोई केंद्र प्रारंभ हुए हैं। एक चलित केंद्र की लागत 25 लाख रुपए है। इसमें खाना तैयार करने और गर्म खाना रखने के आधुनिक उपकरण भी रहेंगे। इन केन्द्रों में 5 रूपए थाली की दर से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक भोजन का वितरण किया जाता है।

प्रदेश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले जिन नगरों में चलित केन्द्र शुरू हुए हैं उनमें भोपाल में 3, इंदौर में 4, जबलपुर, ग्वालियर में दो-दो चलित रसोई केंद्र शामिल हैं। शेष 12 नगर निगमों और 2 औद्योगिक नगरों पीथमपुर एवं मंडीदीप में एक-एक चलित रसोई केन्द्र का संचालन शुरू किया गया है। शीघ्र ही 20 हजार से अधिक आबादी वाले 68 नगरीय निकायों में भी इस तरह के रसोई केन्द्र शुरू करने की योजना है।

सिक्किम में बाढ़ से अब तक 56 की मौत, 142 अभी भी लापता

सेना के गोला-बारूद भी बहा ले गई बाढ़

नई दिल्ली। सिक्किम में बादल फटने के कारण अचानक आई भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या शनिवार को 56 तक पहुंच गई है। अब तक सिक्किम से 26 शव बरामद किए गए थे।

30 शव पश्चिम बंगाल में तीस्ता नदी के बेसिन में पाए गए हैं। सिक्किम में सेना के जवानों समेत कम से कम 142 लोगों की तलाश जारी है। पश्चिम बंगाल सरकार के अनुसार, तीस्ता नदी के बेसिन में तीन जिलों सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी और कूच बिहार से 30 शव बरामद किए गए हैं। इस बीच, रक्षा मंत्रालय ने कहा किबाढ़ में गोला-बारूद सहित कई सैन्य उपकरण बह गए।

25,000 से अधिक लोग प्रभावित, 1200 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त, 13 पुल, सड़कें बहीं

देश-विदेश

एशियाई खेल : भारत ने आठवीं बार कबड्डी में जीता सोना

हांगझोउ। एशियाई खेलों में कबड्डी स्पर्धा के फाइनल में भारत ने ईरान को करीबी मुकाबले में 33-29 से परास्त कर आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। 2018 में जकार्ता एशियाई खेल में भारत सेमीफाइनल में ईरान से हार गया था। इससे पहले बीजिंग 1990 में एशियन गेम्स में कबड्डी की शुरुआत के बाद से भारत ने सभी सात स्वर्ण पदक जीते थे। उल्लेखनीय है कि भारत के खिलाड़ियों इस बार उम्दा प्रदर्शन करते हुए पदकों का शतक लगाया है।

मुख्यमंत्री ने मां शारदा को समर्पित किया नवगठित मैहर जिला

मां की कृपा से विकास के कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है- शिवराज

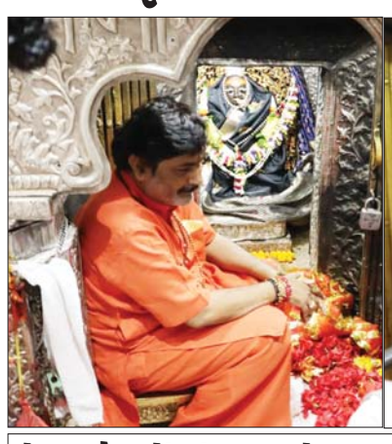

घोषणा मैहर में मां शारदा लोक तथा हर की पौड़ी का होगा भव्य निर्माण- मुख्यमंत्री

सतना, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवगठित मैहर जिला पहुंचकर मां शारदा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर के नीचे बंधा बैरियर में आयोजित कार्यक्रम में विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैहर जिले में विकास के कार्य प्राथमिकता से कराए जाएंगे।

मां शारदा की कृपा और आशीर्वाद से विकास के कार्यों के लिए पैसों की कोई कमीं नहीं है। मैहर में मां शारदा लोक तथा हर की पौड़ी का भव्य निर्माण कराया जाएगा। मां नर्मदा का पानी क्षेत्र के किसानों के खेतों में पहुंचाने के साथ मां गंगा तक ले जाएंगे। मां शारदा लोक के निर्माण के लिये कलेक्टर आवश्यक भूमि का तत्काल चिन्हांकन करें। इसकी डिजाइन बनाई जा रही है। शारदा लोक बनाने के लिए राशि अलग रख दी गई है। निर्वाचन की आचार संहिता लगने से प्रारंभ हुए कार्य में किसी भी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी।

मैहर में बड़े अस्पताल, कॉलेज और महत्वपूर्ण निर्माण के कार्य होंगे। यहां ऐसा भव्य शारदा लोक बनेगा, जिसे पूरी दुनिया देखने आएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने से जो परिवार वंचित हैं। उन्हें लाड़ली बहना आवास योजना से पक्के आवास दिये जायेंगे। सभी भूमिहीन परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टे दिए जाएंगे। आप सबका आशीर्वाद मिलता रहा तो विकास की गंगा सदैव बहती रहेगी।

समारोह में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने मैहर की जनता को जिले का उपहार दिया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश का विभिन्न योजनाओं के माध्यम से चहुंमुखी विकास किया है। प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। समारोह में सांसद गणेश सिंह ने कहा कि आज का दिन मैहर के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए मैहर जिले को उपहार दिया है।

बाणसागर समूह नल जल योजना से रामनगर क्षेत्र के 278 गांवों में आज ही नल से घर-घर में मीठा पानी पहुंच गया है। इससे 40 हजार से अधिक परिवार लाभान्वित हुये हैं। बरगी नहर का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने मैहर को अच्छी सड़को, सीमेंट प्लांट और संत रविदास मंदिर का भी उपहार दिया है।

समारोह में विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोनी, श्रीकांत चतुर्वेदी, गगनेंद्र सिंह, सतीश शर्मा, रघुनंदन मिश्रा, रामकृपाल पटेल, संजय राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कमिश्नर अनिल सुचारी, डीआईजी मिथिलेश शुक्ला, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत डॉ. परीक्षित झाड़े तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंच पर कलेक्टर, एसपी को बुलाकर कराया परिचय

नवगठित जिला मैहर में जिला कलेक्टर के रुप में रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मैहर जिले के प्रथम कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का मैहर की जनता से परिचय कराया तथा उन्हें जनता के लोक कल्याण के कार्यों और कानून व्यवस्था कायम रखने के कर्तव्य निर्वहन के लिये अपनी शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मैहर को नया जिला बनने पर मैहर वासियों को बधाई दी। श्री चौहान ने कहा कि मां शारदा से मैहर के कल्याण के लिए आशीर्वाद लेने आया हूं।

नेशनल मेडिकल कमीशन ने जारी की ई-बुकलेट

डॉक्टर पर्चे पर सिर्फ नाम व डिग्री ही लिखे

नई दिल्ली। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने डॉक्टरों को सलाह दी है कि उन्हें साइनबोर्ड, विजिटिंग कार्ड और प्रचार के जरिए जनता को भ्रमित करने से बचना चाहिए। कमीशन ने कहा कि साइनबोर्ड और डॉक्टरों के पर्चे पर डॉक्टर का नाम, योग्यताएं, टाइटल, विशेषज्ञा और रजिस्ट्रेशन नंबर के अलावा कुछ नहीं होना चाहिए।

एनएमसी ने यह भी कहा है कि डॉक्टरों को केमिस्ट शॉप या ऐसी किसी जगह साइन बोर्ड नहीं लगाना चाहिए, जहां वे ना तो रहते हैं और ना ही काम करते हैं। ये सभी बातें कमीशन के एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड ने अपनी ई-बुक 'प्रोफेशनल कंडक्ट रिव्यू-लेसंस फ्रॉम केस आर्काइव्स' में कही हैं।

- बड़े साइनबोर्ड के जरिए जनता को भ्रमित ना करें डॉक्टर

- दवाईयों की दुकान पर क्लीनिक का पर्चा लगाना भी गलत

डॉक्टर-मरीज के बीच भरोसा जरूरी-इस किताब में यह भी कहा गया है कि डॉक्टर-मरीज के रिश्ते में भरोसा नहीं होता तो इस वजह से डॉक्टरों के ऊपर केस किए जाने का चांस बढ़ता है। डॉक्टरों के खिलाफ शिकायतों का सबसे आम कारण होता है कम्युनिकेशन गैप।

कमीशन ने कहा कि मेडिकल प्रैक्टिसनर्स किसी फील्ड से जुड़े अलग-अलग एरिया में स्किल और ट्रेनिंग हासिल कर सकते हैं, लेकिन कंसल्टेंट या स्पेशलिस्ट का टाइटल सिर्फ उन डॉक्टरों को इस्तेमाल करना चाहिए, जो उस खास फील्ड में क्वॉलिफाइड हैं।

सीख के आधार पर लिखी किताब-ई-बुक के एडिटर और एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड के सदस्य डॉ. योगेन्द्र मलिक के अनुसार बोर्ड डॉक्टरों के खिलाफ दुर्व्यवहार के मामलों की सुनवाई करता रहा है और इनमें फैसले सुनाता रहा है। इन मामलों से जो सीख मिलती है, उसे डॉक्टर्स तक पहुंचाने की जरूरत शुरू से ही महसूस की गई थी। उन्होंने कहा कि इस विचार को बोर्ड के साथ शेयर किया गया और विशेषज्ञों का एक ग्रुप बनाया गया। इन विशेषज्ञों ने बहुत मेहनत से काम किया, हर केस के हजारों पेज पढ़े और उनका सार खोए बिना उन्हें संक्षिप्त में लिखा।

कांग्रेस ने घोषित किये15 और ग्रामीण जिला अध्यक्ष

भोपाल, देशबन्धु। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार एवं सभी प्रकोष्ठ के प्रभारी जेपी धनोपिया की सहमति से परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरिंदर सिंह पांधे ने 15 जिलों के और ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त किए हैं।

जिसमें इंदौर ग्रामीण अध्यक्ष पद पर हरकिरण सिंह झज, जबलपुर (शहपुरा) राम प्रकाश पटेल, देवास गुरमीत सिंह भाटिया, सागर पुष्पेनद्र सिंह बंटी, दमोह कमलेश पटेल, रीवा अतुल पांडे, सतना रितेश कुशवाहा, रतलाम रईस कुरेशी, छिंदवाड़ा विकास चोरगड़े, कटनी सिद्धार्थ दीक्षित, सिंगरोली बालेन्द्र वर्मा, अशोक नगर वरुण जैन, गुना गुनेद्र बेरागी, ग्वालियर मेवा सिंह खंगुरा, शिवपुरी शाहिद खान, बेतूल दिग्विजय सिंह परमार, नियुक्त किया गया है।

सभी नव नियुक्त ग्रामीण जिला अध्यक्ष पूर्व मुख्य मंत्री कमलनाथ पर विश्वास दिखाते हुए और कांग्रेस की मजबूत सरकार मप्र में बनाने और ट्रांसपोर्टर्स की समस्याओं के निवारण हेतु एकजुट होकर प्रत्येक जिले में सक्रियता पूर्वक कार्य करेंगे।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में यह निर्णय भी हुए

एक्स्ट्रा न्यूट्रल एल्कोहल पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी काउंसिल की 52वीं बैठक में जहां बिना ब्रांड के 70 फीसदी मिलेट्स वाले आटे पर जीएसटी नहीं लगेगा का फैसला लिया गया है। वहीं मोलासिस पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है और एक्स्ट्रा लीगल एल्कोहल पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया गया है।

क्रूज शिप्स पर आईजीएसटी हटाया-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्रूज शिप्स पर आईजीएसटी हटाया गया। इस पर पहले 5 फीसदी टैक्स लगता था। वहीं इंडस्ट्रियल इस्तेमाल में आने वाले एक्स्ट्रा न्यूट्रल एल्कोहल पर 18 फीसदी जीएसटी वसूलने का फैसलस लिया गया है।

बैठक में लिए गए अहम फैसले-सभी तरह की जरी वाली चीजों पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा।

सितंबर में जीएसटी से 1.63 लाख करोड़ जुटाए-सरकार ने सितंबर 2023 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। ये एक साल पहले यानी सितंबर 2022 के मुकाबले 10.2 फीसदी ज्यादा है। तब तस्ज्ञ से 1.47 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र ने मणिपुर हिंसा पर चिंता जताई

मानवाधिकार कार्यकर्ता को सुरक्षा देने की अपील

इंफाल,(एजेंसियां)। मणिपुर में दूसरी बार हिंसा भड़कने के बाद संयुक्त राष्ट्र ने राज्य के हालात पर चिंता जताई है। यूनाइटेड नेशंस ह्यूमन राइट्स कमीशन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम मणिपुर हिंसा पर बोलने वाले मानवाधिकार एक्टिविस्ट बबलू लिथोंगबम को मिल रही धमकियों से चिंतित हैं। 5 अक्टूबर को हिंसक भीड़ ने इंफाल पश्चिम के कैथेलमांगबी में बबलू लिथोंगबम के घर पर हमला किया था। यूएन ने इस घटना के पीछे मैतेई लिपुंस और अरामबाई तेंगोल को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही अधिकारियों से बबलू लिथोंगबम, उनके परिवार और घर को सुरक्षा देने की मांग की। मानवाधिकार कार्यकर्ता बबलू लिथोंगबम मैतेई कट्टरपंथी संगठन मैतेई लिपुंस और अरामबाई तेंगोल की आलोचना करते रहे हैं।

पुलिस ने नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिलली पुलिस ने चार करेंसी तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया की आरोपियों के पास से 18.5 लाख रुपए के नकली भारतीय नोट और 46 लाख से अधिक की नेपाल की करेंसी बरामद की गई। आरोपियों की पहचान छवि राम (25), आसिब उर्फ आसिफ (37), इमरान (26) और दिनेश कुमार झा (25) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 28 सितंबर को एक पुलिसकर्मी ने आनंद विहार बस टर्मिनल के अंदर एक व्यक्ति को बैग लेकर संदिग्ध रूप से घूमते देखा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हमास ने गाजा पट्टी.....

खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन को निलंबित कर दिया है और अपने संबंधित स्क्वाड्रनों से जुड़ गए हैं। इजरायल में हमास के हमले पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने हमले में मारे गए लोगों और उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। पीएम ने कहा कि हमारे विचार और प्रार्थनाएं इस हमले में मारे गए मासूमों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमास के हमलों के जवाब में इजराइल ने गाजा पट्टी में उनके 17 सेना परिसरों और 4 सेना मुख्यलयों पर हमले का दावा किया है। इसमें अब तक 160 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है, जबकि 1 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। अलजजीरा के मुताबिक 1000 से ज्यादा फिलिस्तीनी इजराइल में घुस गए हैं। 1948 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। वहीं, सुबह हमास की तरफ से दागे गए 5 हजार रॉकेट से अब तक 44 इजराइलियों की मौत हुई है और 750 घायल हैं। गाजा स्ट्रिप से हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग का ऐलान किया था। कैबिनेट के साथ इमरजेंसी मीटिंग के बाद उन्होंने कहा था- ये जंग है और हम इसे जरूर जीतेंगे। दुश्मनों को इसकी कीमत चुकानी होगी। दूसरी तरफ इजराइल में बिगड़ते हालातों के बीच इंडियन एम्बेसी ने वहां मौजूद अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्हें सतर्क और सुरक्षित रहने को कहा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि मुश्किल घड़ी में भारत इजराइल के लोगों के साथ है।

हमास ने इजराइल के खिलाफ अपने ऑपरेशन को 'अल-अक्सा फ्लड' नाम दिया है। दावा किया है कि कई इजराइली सैनिकों को बंदी बना लिया है। इन्हें छुड़ाने के लिए ओफाकिम इलाके में इजराइली फोर्सेस ने एक घर को घेर लिया है। यहां वो हमास के लड़ाकों से बात कर रहे हैं। येरूशलम पोस्ट के मुताबिक, हमास लड़ाकों ने कई इजराइली कस्बों पर कब्जा कर लिया है।

चलित रसोई केन्द्र से.....

करने के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। एक यह कि रियायती दर पर गरीब व्यक्ति को भोजन मिल सके, दूसरा प्रवासी श्रमिक और अन्य जरूरतमंद नागरिकों को कार्य स्थल के नजदीक भरपेट भोजन की सुविधा मिल सके। इस व्यवस्था से ऐसे मजदूर जो गांव से शहर आकर जीविका चलाते हैं, उन्हें अधिक राशि और समय खर्च किए बिना उनके काम करने की जगह पर ताजा भोजन उपलब्ध हो जाएगा। पूर्व में संचालित केन्द्र एक स्थान पर ही होते थे। चलित रसोई केन्द्र सिर्फ 5 रूपए में भोजन उपलब्ध करवाएंगे।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(सूचना संख्या वरि. निविदा-भंडार आपूर्ति हेतु ई) मं. सा. प्र./ईपीएस/45/2023

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक-पश्चिम मध्य रेल भारत के राष्ट्रपति के ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिये निम्नलिखित विज्ञापन निविदायें आमंत्रित करते हैं। इसमें हस्तलिखित डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये/ जायेंगे। पूर्ण विवरण विनिर्देशन के लिए https://ireps.gov.in पर ई-निविदा की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

Sr. No.	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.	Opening date
1.	94235597	Supply of Relay, DC Polarized 3- position.	50 Nos.	27.10.2023
2.	94235417	Hydraulic Compressor.	5 Nos.	27.10.2023
3.	94235819	Agro Based Briquette.	336 MT	27.10.2023

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, प.म.रे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल,जबलपुर
रा.प्र.क्रं.1612/अ-6/2022-23
जबलपुर, दिनांक 06/10/23

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश प्रसाद विश्वकर्मा पिता श्री गुलाबचंद विश्वकर्मा निवासी चेरीताल जबलपुर के द्वारा ब्लाक 08 न.बं.... प.ह.नं... स्थित भूमि नंबर प्लाट 1/10 में से रकवा 652 वर्गफुट भूमि पर...शांतिबाई विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 26/3/2022 को हो जाने के कारण वसीयत नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 23.10.23 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 06.10.2023
पेशी दिनांक - 23.10.2023

तहसीलदार
र.नं. 1363 अधारताल जबलपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
विजया बैंक VIJAYA BANK देना बैंक DENA BANK

आदर्श नगर शाखा: पोलीपाथर, नर्मदा रोड, जबलपुर- 482008 (म.प्र.) इंडिया
Tel: 0761/2660701,703, 705, Email: adajab@bankofbaroda.com

सूचना

(वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत नोटिस (सरफेसी एक्ट)

बैंक ऑफ बड़ौदा, आदर्श नगर शाखा, जबलपुर के माध्यम से प्राप्त किये गये ऋण जो कि दिनांक 28/09/2023 को एन.पी.ए. हो चुका है व जिसमें निम्न वर्णित दिनांक को निम्न वर्णित बकाया राशि शेष थी, उसकी विस्तृत मांग सूचना निम्न वर्णित ऋणी को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत निम्न वर्णित दिनांक 29/09/2023 को पंजीकृत डाक पावती सहित द्वारा आप सभी को भेजी गई थी। जो कि प्राप्तकर्ता उपलब्ध नहीं होने के कारण/अस्वीकृत कर देने के कारण वापस कर दी गई है। निम्न वर्णित मांग सूचना दिनांक में हमने इस आशय को स्पष्ट कर दिया है, कि आपके द्वारा सूचना में दर्शाई राशि 60 दिनों के अंदर जमा नहीं कराई गई तो उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बैंक में दृष्टिबंधक प्रतिभूति एवं बंधक संपत्ति जो कि निम्नलिखित ऋणी/जमानतदार के नाम है, उसका आधिपत्य ले लिया जाएगा। बकाया राशि का उल्लेख निम्नानुसार है-

ऋणी/जमानतदार का नाम व पता	(₹) मांग सूचना दिनांक बकाया राशि	संपत्ति का विवरण
ऋणी- मेसर्स जबलपुर फूडटेक प्राईवेट लिमिटेड C/o मॉर्डन बुक हाऊस, चंद्रिका टॉवर, नेपियर टाउन, जबलपुर (म.प्र.)- 482001 (1) श्रीमति नीता सुराना पत्नि श्री अरूण सुराना, पताः 1. 1779/ए, राईट टाउन, अरूण डेयरी के पीछे, सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड, जबलपुर (म.प्र.)- 482001 पताः 2. फ्लैट नं. 3201, कृष्णा हाईट सेकेण्ड फ्लोर स्थित गौरी घाट मेन रोड, पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.)- 482008 पताः 3. फ्लैट नं. 3209, सेकेण्ड फ्लोर स्थित गौरी घाट मेन रोड, पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.)- 482008 (2) आशीष बतरा पिता अशोक बतरा, पताः 1. बंगला नं. 50, फेस 1, अनंतारा कॉलोनी, तिलहरी बिलहरी, जबलपुर (म.प्र.)- 482020 पताः 2. बंगला नं. 46, फेस II, अनंतारा कॉलोनी, तिलहरी बिलहरी, जबलपुर (म.प्र.)- 482020 जमानतदार- श्री अरूण सुराना पिता श्री जतन माल सुराना, पताः 1. 1779/ए, राईट टाउन, अरूण डेयरी के पीछे, सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड, जबलपुर (म.प्र.)- 482001 पताः 2. फ्लैट नं. 3201, कृष्णा हाईट सेकेण्ड फ्लोर स्थित गौरी घाट मेन रोड, पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.)- 482008 पताः 3. फ्लैट नं. 3209, सेकेण्ड फ्लोर स्थित गौरी घाट मेन रोड, पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र.)- 482008	29/09/2023 (₹) 5,93,07,850/- + ब्याज + अन्य खर्चे 29/09/2023	(1) बंधक कमर्शियल डायवर्टेड भूमि एवं बिल्डिंग खसरा नं. 449/2 (नामांतरण पश्चात खसरा नं. 449/3) का भाग, एरिया- 0.60 हेक्टेयर या 1.50 एकड़ (डायवर्टेड एरिया 66712 वर्गफुट) कुल एरिया 1.00 हेक्टेयर में से स्थित मौजा- नटवारा, पी.सी. नं. 34, पुराना 50, आर.आई. सर्किल एवं तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर फूडटेक लिमिटेड प्राईवेट लिमिटेड, सम्पत्ति स्वामी- मेसर्स जबलपुर। चतुर्सीमा- पूर्व- L/o बलराम तिवारी, पश्चिम- L/o सुशील कुमार शर्मा, उत्तर- कच्चा रास्ता, दक्षिण- P/o गरीब दास। (2) बंधक कमर्शियल डायवर्टेड भूमि एवं बिल्डिंग खसरा नं. 449/2 का भाग, एरिया- 0.40 हेक्टेयर या 0.98 एकड़ (डायवर्टेड एरिया 43040 वर्गफुट) कुल एरिया 1.00 हेक्टेयर में से स्थित मौजा- नटवारा, पी.सी. नं. 34, पुराना 50, आर.आई. सर्किल एवं तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर, सम्पत्ति स्वामी- मेसर्स जबलपुर फूडटेक लिमिटेड प्राईवेट लिमिटेड। चतुर्सीमा- पूर्व- कच्चा रोड, पश्चिम- P/o श्री संदीप सोनी, उत्तर- कच्चा रास्ता, दक्षिण- L/o सुशील कुमार शर्मा। (3) बंधक प्लाट नं. 81, एरिया 1000 वर्गफुट खसरा नं. 109 (नामांतरण पश्चात डायवर्टेड खसरा नं. 109/2) का भाग स्थित मौजा महाराजपुर, एस.नं. 664, पी.सी.नं. 17/20, आर.आई. सर्किल महाराजपुर, तहसील पनागर (पुरानी) तहसील आधारताल (नई), जिला जबलपुर। सम्पत्ति स्वामी- मेसर्स जबलपुर फूडटेक लिमिटेड प्राईवेट लिमिटेड। चतुर्सीमा- उत्तर- प्लाट नं. 80, दक्षिण- प्लाट नं. 82, पूर्व- साईड रोड, पश्चिम- प्लाट नं. 70 (4) बंधक प्लाट नं. 80, एरिया 1000 वर्गफुट खसरा नं. 109 (नामांतरण पश्चात डायवर्टेड खसरा नं. 109/2) का भाग स्थित मौजा महाराजपुर, एस.नं. 664, पी.सी.नं. 17/20, आर.आई. सर्किल महाराजपुर, तहसील पनागर (पुरानी) तहसील आधारताल (नई), जिला जबलपुर। सम्पत्ति स्वामी- मेसर्स जबलपुर फूडटेक लिमिटेड प्राईवेट लिमिटेड। चतुर्सीमा- उत्तर- प्लाट नं. 79, दक्षिण- प्लाट नं. 81, पूर्व- साईड रोड, पश्चिम- प्लाट नं. 71

अतः आप सभी को सुझाव दिया जाता है कि उक्त मांग सूचना पत्र/लिफाफा जो कि आप को डाक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा, आदर्श नगर शाखा, जिला जबलपुर (म.प्र.) से भेजा गया था। (1) आप नोटिस की कॉपी बैंक से प्राप्त कर लें ताकि आपको सूचना की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये एवं (2) मांग सूचना में दर्शाई गई बकाया राशि ब्याज एवं खर्च आदि सहित मांग सूचना की दिनांक के 60 दिनों के भीतर जमा करें ताकि सरफेसी अधिनियम के तहत कार्यवाही से बच सकें।

स्थानः जबलपुर, दिनांकः 8/10/2023 प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

कार्यालय नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
MUNICIPAL CORPORATION CHHINDWARA
Add. In Frount of Shukla Ground,Guraiya road Ward no. 39 Chhindwara (M.P.) Pin 480001
Tel. - 07162-222346 Email:- commchhindwara@mpurban.gov.in

No.411/W.W./CMC/Chhindwara Date 27/10/292.3

Notice inviting Tender
(Second Call)

Online bids (Lumpsum Tender) are invited from registered contractors/firms of repute for work of Augmentation of Water Supply system of Chhindwara city Under AMRUT 2.0, NIT: 2023_UAD_301353_2 date: 07/10/2023 Probable amount Rs. 5415.26 Lacs, EMD Rs. 27,07,628 Lacs, cost of bid document Rs. 50000/-, Last date and time of submission of bid :07/11/2023 & time: 17:30 Hrs, All other details are published on website www.mptender.gov.in, Further information or clarification (if any) shall be published on website only, and not in Newspaper.

commissioner
Municipal Corporation Chhindwara

कार्यालय नगर पालिका परिषद हिण्डोरिया जिला दमोह

क्रं./न.पं./लो.नि./जैम बिड/2023/1149 डिण्डोरिया, दिनांक 06.10.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु Gem पोर्टल में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों/सप्लायर/फर्मों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	बिड नंबर एवं जारी दिनांक	सामग्री/कार्य का नाम एवं स्थान	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1.	GEM/2023/B/4048002 06.10.2023	10KW SOLAR SYSTEM	1- 01 माह 2- 13.95 लाख	--	दिनांक-16.10.2023 समय-11.00 ए.एम.

नोट- बिड से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://gem.gov.in की वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद हिण्डोरिया जिला दमोह

देश-प्रदेश

उवाच

शिवराज टिकट के लिए भाजपा पर निर्भर नहीं : दिग्विजय

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान टिकट के लिए भाजपा पर निर्भर नहीं हैं। इसीलिए वे सीधे जनता से पूछ रहे हैं कि चुनाव लड़े या न लड़े। उन्होंने यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि- शिवराज सिंह सीधे चुनाव लड़ना चाहते हैं और सीधे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वहीं उन्होंने बयान के दौरान तंज करते हुए कहा कि मोदी जी चीन को आंख दिखाना चाहते थे, वहां तो दिखी नहीं, लेकिन शिवराज जरूर लाल आंखे दिखा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बीते दिन बुधनी में एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जनता से सवाल पूछा था कि मुझे चुनाव लड़ना चाहिए कि नहीं। वहीं मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को डिंडौरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान फिर जनता के सामने अपना सवाल दोहराया और पूछा कि 'मामा को मुख्यमंत्री बनना चाहिए कि नहीं? इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि 'मोदी जी को प्रधानमंत्री बनना चाहिए की नहीं'? इसी से जुड़े सवाल पर पूर्व मुख्यमत्री दिग्विजय सिंह ने प्रतिकिया दी थी।

एशियाई खेल : 72 साल में भारत ने पहली बार सौ से अधिक पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एशियन खेलों में पहली बार 100 से अधिक पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। इन खेलों में उसने 28 स्वर्ण पदक सहित 107 पदक जीते हैं।

भारत की महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर 100वां पदक दिलाया था। इस टीम ने रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम के लिए शनिवार की सुबह अच्छी रही। उसने तीरंदाजी में भी 2 स्वर्ण पदक जीते। इसके साथ ही एक रजत और कांस्य पदक भी हासिल किया। इससे पहले भारत ने क्रिकेट, हॉकी, स्क्वैश, जैवलिन और शूटिंग समेत तमाम खेलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

भारत ने 28 स्वर्ण सहित 107 पदक जीते

एशियाई खेलों में भारत ने 28 स्वर्ण सहित 107 पदक हासिल किए हैं। भारत को ऐश्वर्य तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और दिव्यांश पंवार, 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट (शूटिंग) में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके बाद महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया। दिव्यकीर्ति सिंह, हृदय विपुल छेड़ा, अनुश अग्रवाल और सुदीप्ति हजेला ने ड्रेसेज टीम स्वर्ण पदक जीता। वहीं मनु भाकर, ईशा सिंह, रिदम सांगवान ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। सिफ्त कौर सामरा ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (शूटिंग) में स्वर्ण पदक, अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में और तेजिंदर पाल तूर ने शॉट पुट में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

पदक तालिका में भारत चौथे नंबर पर

पदक तालिका भारत फिलहाल में चौथे नंबर पर है। भारत ने 107 पदक जीते हैं। इस सूची में चीन पहले नंबर पर है। चीन ने 356 पदक हासिल किये हैं। उसने 188 स्वर्ण, 105 रजत और 63 कांस्य पदक जीते हैं। जापान दूसरे नंबर पर है। जापान ने 47 स्वर्ण के साथ 169 पदक जीते हैं। कोरिया तीसरे नंबर पर है। कोरिया ने 36 स्वर्ण, 50 रजत और 86 कांस्य पदक हासिल किए हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में भारत के शानदान प्रदर्शन पर खिलाड़ियों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने इन खेलों में सौ से अधिक पदक हासिल करने पर भारतीय खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने समर्पण और कौशल से जो उपलब्धियां हासिल की हैं उस पर हमें गर्व की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि भारत के लोग इस बात से गौरवान्वित हैं कि हम सौ से अधिक पदक जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। मैं अपने अभूतपूर्व खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

शिवराज ने खिलाड़ियों को दी बधाई, कहा- यह गौरवशाली क्षण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भारतीय खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। श्री चौहान ने कहा कि यह ऐतिहासिक और गौरवमयी क्षण है, भारतीय खिलाड़ियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए इस बार 100 पार की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारतवासियों का यह सपना भारतीय खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और जुनून से साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का यह कीर्तिमान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24 वीं बैठक की केन्द्रीय गृह मंत्री ने की अध्यक्षता

हर गांव में बैंकिंग सुविधा होगी वर्ष 2024 तक : शाह

भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कुपोषण समाप्ति, कृषि और सहकारिता के क्षेत्र में प्रयास बढ़ाए गए हैं। ऐसा प्रयास है कि आने वाले वर्ष में देश के प्रत्येक गांव में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। यह बात उन्होंने उत्तराखंड के नरेंद्र नगर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि नेशनल एग्रीकल्चर को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नाफेड) द्वारा सभी मक्कर उत्पादक राज्यों में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का खरीदी की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए पोर्टल पर पंजीयन करवाया जा सकता है। देश में जैविक ईंधन को बढ़ावा देने, दलहन-तिलहन के निर्यात, वित्तीय समावेश, अंतर्राज्यीय जल मुद्दों के समाधान आदि के कार्यों के लिए परिषद की स्टेंडिंग कमेटी ने प्राथमिकता से कार्य किया है। श्री शाह ने कहा कि कृषि और पशुपालन जैसी गतिविधियों से मध्य क्षेत्र, देश की जीडीपी में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि देश में मातृ शक्ति को सम्मान और सुविधा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य और केन्द्र मिलकर टीम इंडिया की तरह कार्य कर रहे : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों को ताकतवर बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। इसलिए नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद और मध्य क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत उपाय किए गए हैं। श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर भारत की तर्ज पर आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का रोडमैप सबसे पहले मध्यप्रदेश में बना। इस पर अमल भी हुआ। राज्य और केन्द्र मिलकर टीम इंडिया की तरह कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश ने परिषद की गत बैठक के फैसलों का प्रभावी क्रियान्वयन किया है। उन्होंने कहा कि यह बैठक केंद्र, राज्य संबंधों और राज्यों के परस्पर संबंधों की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध हुई है।

सप्रे संग्रहालय की नवकृत वेबसाइट और सौर ऊर्जा पैनल का शुभारंभ आज

भोपाल, देशबन्धु। सप्रे संग्रहालय द्वारा इतिहास की प्रामाणिक कड़ियों को जोड़ने वाले 25 लाख पृष्ठों का डिजिटाइजेशन, सप्रे संग्रहालय की दो लाख प्रविष्टियों वाली नवकृत वेबसाइट और 10 केवी. सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना का शुभारंभ 9 अक्टूबर रविवार को सुबह साढ़े 10 बजे राज्यपाल मंगूभाई पटेल के करकमलों से होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओमप्रकाश रावत करेंगे।

कांग्रेस केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में प्रत्याशियों को लेकर हुआ मंथन

मप्र के लिए 140 नाम तय, नवरात्रि में आएगी पहली सूची

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 140 नाम तय कर लिए हैं। इनमें ज्यादातर मौजूदा विधायकों के अलावा हारी सीटों पर उतारे जाने वाले प्रत्याशी शामिल हैं। लेकिन पार्टी पितृपक्ष के बाद नवरात्रि में सूची जारी करेगी। बताया जाता है कि इससे पहले एक और बैठक होगी। जिसमें बाकी प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की जाएगी।

दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आज मप्र के लिए प्रत्याशी चयन को लेकर केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मध्य प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह और आदिवासी नेता और विधायक ओमकार सिंह मरकाम शामिल हुए। बैठक के बाद कमलनाथ ने कहा कि चुनाव समिति में हमने बहुत सारी नामों पर चर्चा कर ली है। हम अगले 6 से 7 दिन में अंतिम फैसला करेंगे। आज की बैठक में सभी के सुझाव सुन लिए गए हैं। इस आधार पर फैसला लेने के लिए एक और बैठक होगी। वहीं पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में 140 नाम तय कर लिए गए हैं।

कमलनाथ होंगे मुख्यमंत्री का चेहरा

मप्र में कमलनाथ मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इस सवाल पर कहा कि प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष हैं, वह स्वाभाविक रूप से कांग्रेस का चेहरा हैं हालांकि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर अपना मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है, लेकिन अगर पार्टी चुनाव में बहुमत हासिल करने में कामयाब होती है तो कमलनाथ को सबसे आगे माना जा रहा है। वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी मुख्यमंत्री पद के लिए कमलनाथ का समर्थन कर चुके हैं।

मसूद ने की कांग्रेस में वापसी

नई दिल्ली, देशबन्धु। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बड़े मुस्लिम चेहरों में शुमार इमरान मसूद ने आखिरकार फिर से कांग्रेस पार्टी में घर वापसी कर ली है। बसपा से निष्कासित होने के बाद नए राजनीतिक ठिकाने की तलाश में लगे थे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा, वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला व उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय तथा पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी सचिव प्रमोद नरवाल की मौजूदगी में श्री मसूद ने यहां पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इमरान मसूद पिछले साल यूपी विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाव न मिलने के बाद वे बसपा में शामिल हो गए थे। लेकिन हाल ही में मसूद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा था कि वही भाजपा को रोक सकते हैं। जिसे बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी विरोधी गतिविधि करार देते हुए उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया था।

हालांकि मसूद राष्ट्रीय लोकदल में भी अपने लिए संभावना तलाश रहे थे, लेकिन पार्टी मुखिया जयंत चौधरी से उनकी बात बन नहीं पाई तो उन्होंने कांग्रेस में वापसी की फैसला लिया आज वे विधिवत पार्टी में शामिल हो गए। माना जा रहा है कि कांग्रेस उन्हें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बना सकती है।

प्रदेश में सुरक्षित नहीं बेटियां : भारती

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता विभा विदुषी लोधी साधना भारती ने कहा है कि प्रदेश में हालत बेहद खराब हो चुके हैं, दुष्कर्म और महिला अत्याचार की घटनाएं हर रोज सामने आ रही हैं, भाजपा के शासन में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में

मीडिया से चर्चा करते हुए महिला उत्पीड़न की कुछ प्रमुख घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इंदौर में भाजपा नेत्री के पुत्र एक नाबालिग से कुकर्म करते हैं, नाबालिग के गर्भवती होने पर इस दुष्कर्म का खुलासा होता है, इंदौर में ही एक 4 साल की बच्ची के साथ स्कूल वेन का ड्रायवर दरिन्दगी करता है, कुछ ही दिन पहले महाकाल की नगरी उज्जैन में एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार की घटना सामने आई।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में एक दुष्कर्म पीड़िता को मेडिकल के लिए 5 घंटे तक अस्पताल प्रशासन ने यहां से वहां घुमाया गया। कांग्रेस प्रवक्ता भारती ने इन सब मामलों में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य व्यवस्था, कुपोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी भाजपा सरकार पर सवाल उठाए।

सर्वोच्च अदालत ने की अहम टिप्पणी

'महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में संवेदनशील हो अदालतें'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महिला अपराधों से जुड़े मामलों में सुनवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि अदालतों को महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों की सुनवाई के दौरान संवेदनशील होना चाहिए।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने शुक्रवार को मामले में फैसला सुनाया था। साथ ही अदालत ने एक व्यक्ति और उसकी मां द्वारा अपनी पत्नी के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने की सजा के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया। पीड़ित पत्नी की जहर के कारण मृत्यु हो गई थी। अपील खारिज करते हुए शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि अदालतों से यह उम्मीद की जाती है कि अदालतें अपराधियों को प्रक्रियात्मक अपूर्ण जांच या सबूतों में कमियों के कारण सजा से बचने नहीं देंगी। अगर ऐसा होगा तो पीड़ित पूरी तरह हतोत्साहित हो जाएंगे कि अपराधियों को

सजा नहीं मिलेगी।

शीर्ष कोर्ट ने यह फैसला उत्तराखंड हाई कोर्ट के मार्च 2014 के आदेश को चुनौती देने वाली दो दोषियों की अपील पर दिया है। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने इस मामले में निचली अदालत के फैसले को कायम रखा था। निचली अदालत ने 2007 में दर्ज मामले में मृतका के पति और सास को दोषी ठहराया था।

निचली अदालत ने मृतका के पति बलवीर सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 498-ए (एक विवाहित महिला के साथ क्रूरता करना) के तहत अपराध के लिए दोषी ठहराया गया था। साथ ही मृतका की सास को आईपीसी की धारा 498-ए (किसी महिला के पति या पति के रिश्तेदार द्वारा उसके साथ क्रूरता करना) के तहत दोषी ठहराया गया था। शीर्ष अदालत में दी गई दलीलों के मुताबिक, मृतका का विवाह दिसंबर 1997 में बलवीर सिंह से शादी की थी। वहीं, जून 2007 में, उसके पिता ने एक मजिस्ट्रेट अदालत में एक आवेदन दायर किया था जिसमें मई 2007 में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी बेटी की मौत के संबंध में पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

बाद में मामले में एफआईआर दर्ज की गई और महिला के पति और सास को गिरफ्तार कर लिया गया। सुनवाई के दौरान दोनों ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है। ट्रायल कोर्ट में दोषी ठहराए जाने पर दोनों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहीं, हाईकोर्ट ने भी उनकी दोषसिद्धि की पुष्टि की। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मौत का कारण जहर था।

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं Fuleshwari Sahu पत्नी- Makhan Lal Sahu उम्र 71 वर्ष निवासी-Vill - Bhenderwani Post - Kosmarra Tehsil - Kurud, District-Dhamtari, State- Chhattisgarh PIN code - 493770 मेरे पुत्र का आर्मी नंबर - 15684385P Rank-NK Name- Mithalesh Kumar Sahu है मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Fuleshwari Bai एव मेरी जन्मतिथि 01/07/1952 दर्ज है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजो में मेरा नाम Fuleshwari Sahu एव जन्मतिथि 20/03/1952 दर्ज है जो सही है दोनों एक ही व्यक्ति हैं। मेरे पुत्र के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Fuleshwari Bai एव मेरी जन्मतिथि 01/07/1952 के स्थान पर मेरा नाम Fuleshwari Sahu एव मेरी जन्मतिथि 20/03/1952 दर्ज किया जाकर लिखा व पढ़ा जावे।

जबलपुर
दिनांक 07/10/2023

In The Court Of XVI Additional District and Session Judge District Court, Jabalpur Presiding Officer:
अरूण प्रताप सिंह
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC /0000239/2023)
आकाश बाजपेई...वादी
Vs
आम जनता ...प्रतिवादी
Process Id-/ 2023
पेशी दि.:-28/10/2023

प्रेषिती-**(1) आम जनता पता- जबलपुर म.प्र.**

यह कि प्रार्थी आकाश बाजपेई ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र वास्ते वसीयत का प्रोबेट प्राप्त करने बावद अंतर्गत धारा 222 सहपठित धारा 276 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें यह आज तारीख 27 सितम्बर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ आवेदन पत्र वास्ते वसीयत का प्रोबेट प्राप्त करने बावद अंतर्गत धारा 222 सहपठित धारा 276 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 व अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(अरूण प्रताप सिंह)
जिला न्यायाधीश सोलहवें
जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 1364

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक/ सं. क्र.-03/एम/2023-24/125
दिनांक 25/09/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विकास बर्मन पिता जगदीश प्रसाद बर्मन, गीता बर्मन पति विकास बर्मन ने भवन क्रमांक पी-47 वार्ड ग्वारीघाट वार्ड प्लाट 1050 विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पी-47 वार्ड ग्वारीघाट गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टी अनुसार) जोगिन्दर पाल सहदेव पिता महिन्दर पाल सहदेव के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक-3 शक्ति भवन रोड रामपुर, नगर निगम जबलपुर में प्रमाण एवं दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-03 रामपुर
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार / इण्डियन बैंक, शाखा- सिविल लाइन्स जिला जबलपुर, के समक्ष वित्तीय सहायता / लोन बावत जो कि आवेदक श्री शुभाशीष सान्याल आ. श्री अनिल कुमार सान्याल नि. कृष्णा हाइट्स टावर न. 1, फ्लैट न. 160, नर्मदा रोड जबलपुर, द्वारा अंचल सम्पत्ति मौजा- पोंडी, न.ब. 259, प.ह.नं. 55/57, रा.नि.म. व तहसील - शहपुरा, जिला जबलपुर, के खसरा नं. 102/1, 102/2, रकवा 0.46 0.04 हे., कुल = 0.50 हेक्टेयर, उक्त सम्पत्ति को श्री शुभाशीष सान्याल आ. श्री अनिल कुमार सान्याल द्वारा विक्रेता श्री मंगल सिंह पटेल आ. प्यारे लाल, से रजि.विक्रय-पत्र दिनांक 31/03/2016, ई- पंजीयन न. MP 182552016A1201211, के द्वारा खरीद किया था, एवं विक्रेता श्री मंगल सिंह पटेल आ. प्यारे लाल, द्वारा उक्त सम्पत्ति को शांति बाई पति जिया लाल पटेल, से रजि. विक्रय पत्र दिनांक 04/09/1998, दस्तावेज क्र. 2480 के द्वारा खरीद किया था, उक्त मूल लिंक विक्रय-पत्र दिनांक 04/09/1998, दस्तावेज क्र. 2480/ख, गुम हो गई है, जिस बावत शुभाशीष सान्याल द्वारा सम्बन्धित पुलिस थानान्तर्गत रिपोर्ट भी दर्ज कराई गयी है, उक्त को बंधक कर वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु बैंक में प्रकरण लम्बित है, उपरोक्त सम्पत्ति पर जिस किसी भी व्यक्ति, शासकीय / अर्धशासकीय वित्तीय संस्था/ बैंक, को किसी भी तरह की कोई भी आपत्ति हो या कोई हक़ रखता हो, तो वह मेरे पक्षकार / इण्डियन बैंक, शाखा- सिविल लाइन्स जिला जबलपुर, के समक्ष 07 दिवस के अंदर आपत्ति / दावा मयदस्तावेजो के प्रस्तुत करे अन्यथा अवधि के पश्चात किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य न होवेगी और आवेदक की उक्त सम्पति को इण्डियन बैंक, शाखा - सिविल लाइन्स जिला जबलपुर,/ बैंक के पक्ष में बंधककर वित्तीय सहायता उपलब्ध करा दी जावेगी अत: समस्त ख़ास व आम जनता को सूचित हो।

जबलपुर, दिनांक -07/10/2023

संदीप सिंह चौहान (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय
एफ-2, त्रिवेणी काम्पलेक्स गुलाटी पेट्रोल पम्प के पास मदन महल, नागपुर रोड जबलपुर (म.प्र.),
मो.नं.-9827069630, 9425386483
अधिवक्ता वास्ते : इंडियन बैंक शाखा सिविल लाईन्स जिला जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 83
2023-2024 दिनांक 06/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **1. श्री हरनाथ ओझा, पिता- स्व. श्री मातादीन ओझा, 2. श्रीमती अंजू ओझा, पति- स्व. श्री शिवनाथ ओझा,** ने भवन क्रंमाक-2411, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000433818 जलकर पिन नं............., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्रीमती कांति देवी ओझा, पति- स्व. श्री मातादीन ओझा, **वार्ड निर्मलचंद जैन वार्ड** , निर्मित भूतल 1344 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 306 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिहोरा जिला जबलपुर (म.प्र.)
क्र./2804/ राज. शा/ सिहोरा,
दिनांक 05.10.2023

इश्तहार सूचना-पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका स्वामित्व की न्यू बस स्टेण्ड सिहोरा स्थित दुकान / प्लाट न. 12 जो श्री सुनील कुमार जायसवाल पिता स्व. श्री जमुना प्रसाद जायसवाल के नाम पर किराये दार के रूप में दर्ज है। उक्त दुकान/प्लाट न. 12 पर आवेदक - श्री कुलदीप कुमार तनेजा पिता घनश्याम तनेजा का नाम नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज करवाने हेतु दुकान नामांतरण किया जाना है। जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन दिनांक की तिथि से 15 दिवस के अंदर कार्यालय में सहप्रमाण सहित आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

राजस्व निरीक्षक
नगर पालिका सिहोरा

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 79
2023-2024 दिनांक 05/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती शाईस्ता बानो, पति- अब्दुल रफीक ,** ने खसरा नं. 132/4/1 का भाग, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000365230 जलकर पिन नं............., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - हाजी अणुल खेर अंसारी, पिता- स्व .श्री हाजी गौहर अली **वार्ड शहीद अ.हमीद वार्ड** , निर्मित क्षेत्रफल 600 व.फु., विक्रय प्लाट रकवा 300 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 80
2023-2024 दिनांक 05/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री आनंद कुमार साहू, पिता- श्री रामगोपाल साहू,** ने खसरा नं. 171/4 का भाग, संपत्ति कर/ पिन नं. 1004405057 जलकर पिन नं............., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री पूरन लाल रजक, पिता- श्री देवी प्रसाद रजक, **वार्ड शहीद अ.हमीद वार्ड** , निर्मित क्षेत्रफल 2681 व.फु., विक्रय प्लाट रकवा 1018.5 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 81
2023-2024 दिनांक 25/9/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री साकेत केशरवानी, पिता- श्री सुनील कुमार केशरवानी** ने भवन क्रंमाक-1369/1 अ , संपत्ति कर/ पिन नं. 1000427124 जलकर पिन नं............., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री द्वारका प्रसाद केशरवानी, पिता- बद्री प्रसाद केशरवानी, **वार्ड दीवान आधार सिंह वार्ड** , निर्मित भूतल 253 व.फु. व्या. स्वयं, **विक्रयपत्र, वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.
क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 77
2023-2024 दिनांक 04/10/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **1. श्री रवि प्रकाश मौर्य, पिता- विनोद कुमार मौर्य, 2. श्रीमती रिंकी सिंह, पति- श्री रवि प्रकाश मौर्य,** ने भवन क्रंमाक-पी- 286 , संपत्ति कर/ पिन नं. 1000432906 जलकर पिन नं............., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री राजेश कुमार मिश्रा, पिता- श्री चख्द्रमणी मिश्रा, **वार्ड निर्मलचंद जैन वार्ड** , विक्रय प्लाट रकवा 1143 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Jabalpur (M.P.) College of Horticulture, Rehli, Distt. Sagar (M.P
Walk In Interview

Eligible candidate may appear in Walk In Interview along with application in prescribed proforma in the office of Professor & Head and Dean of Faculty Horticulture, College of Agriculture, JNKVV, Jabalpur on 20th October 2023 at 10.30 AM for the post of Guest Faculty for teaching
For details please visit http:// www.jnkvv.org
IPRO/COH/rehei/2023/51

आम सूचना

मैं निहारिका दीक्षित पिता रमा दीक्षित / कमल दीक्षित निवासी सदर जबलपुर शक्तिनगर से घर आते वक्त मेरा पर्स गिर गया था जिसमें मेरी बी कॉम फाइनल की अंकसूची थी। जिसका रोल नंबर 17/41300204538 था, ढूढने पर मिली नहीं, थाने में सूचना दे दी है जिसको मिले कृपया पहुंचाने का कष्ट करें।

प्रार्थी
शिव चरण दीक्षित
दिनांक-07/10/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार अमरेन्द्र पाण्डेय पिता श्री अनूप पाण्डेय निवासी- ब्यौहारबाग जबलपुर वालों ने विक्रेता निरंजन सिंह पिता अतर सिंह, निवासी - 256 पूर्वी बेलबाग जबलपुर वालों से मौजा सिलुवा प.ह.नं. 50/71, नं.बं. 444 खम्हरिया वृत्त, रा.नि.मं. बरेला तहसील व जिला जबलपुर स्थित खसरा नंबर. 123 रकवा 0.4400 हे. एवं खसरा नंबर. 127 रकवा 0.4200 हे. कुल रकवा 0.8600 हे तथा विक्रेता जीतेन्द्र कुमार पिता अतर सिंह निवासी - 256 पूर्वी बेलबाग जबलपुर वालों से मौजा सिलुवा प.ह.नं. 50/71, नं.बं. 444 खम्हरिया वृत्त, रा.नि.मं. बरेला तहसील व जिला जबलपुर स्थित खसरा नंबर. 128 रकवा 0.7700 हे. भूमि को क्रय करने का अनुबंध किया है, तथा उक्त संपत्तियों का आने वाले समय में रजिस्टर्ड बैनामा किया जाना तय किया गया है। उक्त संपत्तियों के संबंध में किसी भी व्यक्ति पारिवारिक व्यक्ति, संस्थान, वित्तीय संस्थान, बैंक व अन्य किसी को कोई भी आपत्ति या उजर दावा हो तो वह इस आम सूचना के प्रकाशन के बाद मय दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय में लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा मेरा पक्षकार अपने पक्ष में उक्त दस्तावेजों का पंजीयन करा लेगा ।

जबलपुर, दिनांक -09/10/2023

आनंद कुमार गोल्हानी (एडवोकेट)
ऑफिस- रामलला चौक, ग्वारीघाट, जबलपुर (म.प्र.),
मो.नं.-9009975402, 9406753347

साहित्य

जीवन से विदा लेती ध्वनि

कहानी

- उमाकांत मालवीय

शायद होती हो, शायद नहीं भी ! पर अब तक उसने जो देखा समझा था, उससे तो यही लगा था उसे कि एडजेस्टमेंट की कोई सुन्दर जगह नहीं होती। आदमी अनिच्छा से, लालच से या मजबूरी में एडजेस्टमेंट करता रहता है । जीवन भर। उसकी तरह। नौकरी की खातिर। नौकरी बचाने के लिए।

'बाबू जी धीरे चलना... प्यार में ज़रा संभलना....!' वह जिस शख़्स के पीछे सड़क पर चल रहा था उसके सेल फोन में उस वक्त यह फिल्मी गीत बज रहा था । यूं तो इस धुन को उसने पहले भी सुन रखा था पर इसे उस शख़्स के पीछे चलते हुए उस वक्त सुनना न जाने क्यों आज उसे अच्छा लगने लगा । उसे हमेशा लगता कि हर चीज की एक नियत जगह होती है दुनियां में, और उस नियत जगह पर उस चीज की खूबसूरती अपने आप बढ़ जाती है । सुबह का यह समय रायगढ़ की गज़मार पहाड़ी के नीचे घूमती हुई चिकनी सडकों पर चलते हुए यूं भी कितना खूबसूरत हो जाया करता है। इस समय में इस धुन को सुनते हुए लगा उसे कि कुछ चीजें अपनी जगह अपने आप ढूँढ लेती हैं ! अगर हम उन्हें उनकी सही जगहों पर पा सकें तो कितना सुकून मिलता है । इस फ़िल्मी धुन को सुनने की खातिर ही उसने आगे जा रहे उस शख्स के कदमों की रफ़्तार के साथ अपने कदमों की रफ़्तार को संयोजित करने का भरपूर प्रयास किया । कदमों को संयोजित करने की कोशिश में उसे बहुत सी बातें याद आने लगीं।

'एडजेस्टमेंट करना तो कोई तुमसे सीखे सियो !' निया ने एक बार उससे सीरियस होकर कहा था । उसका एडजेस्टमेंट शब्द पर इतना जोर था कि वह समझ नहीं पा रहा था कि आखिर वह कहना क्या चाहती है ? उसने निया से जिरह करना मुनासिब नहीं समझा कि आखिर उसे इस शब्द से आपत्ति क्यों है। इस तरह जिरह न करना भी उसकी परिस्थिति के मुताबिक एक किस्म का एडजेस्टमेंट ही था।

एक बार सामान्य सी बातचीत के दौरान उसने उससे पूछा था - मुक्ति का रास्ता कठिन क्यों होता है निया ? इतना कठिन कि हम हर जगह एडजेस्टमेंट करने को मजबूर हो जाते हैं । एक ही रास्ता बचता है हमारे पास, दुनियां में अपने कदमों को गतिशील रखना है तो खुद को भीतर से बदल डालो ।

उसकी बातें सुनकर अचानक निया का चेहरा एक किताब की शक्ल का होने लगा था । एक ऐसी किताब जिसमें जीवन में मिले कठोर अनुभवों की कहानियां पढ़ी जा सकें ।

'मैं ऐसा नहीं मानती सियो ! हर जगह एडजेस्टमेंट करना सबके लिए संभव नहीं ।मेरे लिए तो बिल्कुल भी नहीं ।

इस तरह तो मुझे कभी मुक्ति नहीं चाहिए । चलो मान लिया कि बदलाव जीवन जीने की एक कला है ।सत्ता और दुनियावी रिश्तों से एडजेस्टमेंट का एक हुनर ! यह सोचकर हम दूसरों के अनुरूप अपने को भीतर से हर वक़्त संपादित करते रहते हैं , पर यह तो अपने आपसे धोखा हुआ सियो ! आखिर कब तक हम सेल्फ एडिटिंग का शिकार होते रहें ? कब तक अपने को धोखे में रखें? दुनियां को खुश रखने के लिए सेल्फ एडिटिंग का बोझ आखिर कोई क्यों ढोए सियो ?

और इस एडजेस्टमेंट शब्द को लेकर उनमें अक्सर मतभेद हो जाया करते थे।

वह उस वक्त सोचता रहा .... क्या एडजेस्टमेंट की भी अपनी कोई खूबसूरत और रचनात्मक जगह होती है ?

शायद होती हो, शायद नहीं भी ! पर अब तक उसने जो देखा समझा था, उससे तो यही लगा था उसे कि एडजेस्टमेंट की कोई सुन्दर जगह नहीं होती। आदमी अनिच्छा से, लालच से या मजबूरी में एडजेस्टमेंट करता रहता है । जीवन भर । उसकी तरह। नौकरी की खातिर । नौकरी बचाने के लिए ।

उसे लगता है प्राइवेट संस्थान में काम करते हुए अगर वह एडजेस्टमेंट न करे तो उसकी नौकरी कभी भी चली जाए। सत्ता के सुर में सुर न मिलाने की वजह से कई मीडिया कर्मियों को उनके मालिक नौकरी से निकाल चुके थे। यह सब आज भी वह अपनी नंगी आँखों से देख रहा है । यह सोचकर ही उसके भीतर डर की एक चिड़िया आकर बैठ गयी थी।

सामने चल रहा शख़्स अपने ही धुन में चला जा रहा था । सर्दियों का मौसम था । पुमा के स्पोर्ट्स शू उस शख़्स के पांवों के फिटनेस को जहां चुस्त दुरुस्त किये हुए थे वहीं उसने अपनी देह पर एक पश्मीने का शाल ओढ़ रखा था । चीजें उसके ऊपर कितना तो फब रही थीं ।

उसे फिर से महसूस हुआ कि हर चीज का अपनी सही जगहों पर होना भी कितना जरूरी है । दुधिया कलर का शाल ओढ़े उस ब्यक्ति के पीछे पीछे चलना आज उसे दोहरा सुकून दे गया था ।

'सुकून भी कितना दुर्लभ हो गया है जीवन में ।' - सुकून मिलने के इस दुर्लभ अनुभव ने चलते चलते उसके मन को इस एहसास से भी भर दिया था ।

बड़े शहर जेब कतरों की तरह होते हैं । वे हमें लुभाते हैं , चकित करते हैं और चुपके से हमारी जेब काट लेते हैं।

बाजू में चल रहे एक कस्बाई आदमी को एक दूसरे कस्बाई आदमी से यह कहते हुए उसने जब सुना तो उसके शब्दों से वह थोड़ा अचम्भित सा हुआ । चलते चलते वह सोचने लगा .... लोगों के पास न जाने किस-किस तरह के अनुभव होते हैं जिसे वे कितनी खूबसूरती से व्यक्त कर साझा भी कर लेते हैं ।

साझा करने की बात को लेकर उसके भीतर बहुत सी बातें फिर से आने जाने लगीं । वह सोचने लगा .... बातों का साझापन भी जीवन की कई छोटी छोटी कहानियों को अपने साथ लेकर चलता है।

वह अपने भीतर भी कुछ टटोलने लगा । शायद कोई कहानी हो जिसे वह किसी से सुना सके । जीवन की सारी कहानियाँ समझौतों में लिथड़ी हुई मिलीं उसे ।

उसके मैनेजर का आदेश उसे याद आने लगा -यह बात गाँठ बांधकर रख लो कि सत्ता के विरूद्ध कोई टिप्पणी कहीं भी नहीं करनी किसी को । सत्ता कुमार्गी हो जाए तब भी उसकी हाँ में हाँ मिलाना , उसका सपोर्ट करना निहायत जरूरी है हमारे लिए । सबने कितनी बेशर्मी से उस दिन हाँ में हाँ मिलाया था ।

उसके बाद किस तरह उसके साथी और वह खुद भी सोशल मीडिया में सत्ता के पक्ष में माहौल बनाने के लिए ट्रोल आर्मी की भूमिका में आ गए थे ।

यह सब कहानी वह किसे सुनाए? किस तरह साझा करे किसी से ?सुनते ही लोग थू करने लगेंगे उस पर । अचानक उसे लगा कि उसका ज़मीर मर चुका है । एक गालीबाज़ को, एक बलात्कारी को भी वह अब सही ठहराने लगा है। उनके पक्ष में तर्क देने लगा है । सोचकर अचानक लगा उसे, जैसे उसने अपने वजूद को ही किसी गलत जगह पर लाकर टिका दिया है । कुछ समय के लिए उसे अपने आप से घिन्न सी आने लगी ।

आसमान में सूरज निकल चुका था । सड़कों पर चहल पहल बढ़ गयी थी । उसके आगे-आगे चलने वाला शख़्स अब अपने गन्तव्य को जा चुका था । उसके जाने के साथ साथ 'बाबू जी धीरे चलना, प्यार में ज़रा संभलना.....' वाले गीत की ध्वनि भी उससे विदा ले चुकी थी । उस वक्त उसके मन में कुछ इस तरह के भाव आ-जा रहे थे कि उसे लगने लगा जैसे अचानक उसके जीवन में किसी ध्वनि का इंतकाल हो चुका है।

ग़ज़ल

- इब्न-ए-इंशा

दिल हिज्र के दर्द से बोझल है अब आन मिलो तो बेहतर हो

इस बात से हम को क्या मतलब ये कैसे हो ये क्यूंकर हो

इक भीक के दोनों कासे हैं इक प्यास के दोनो प्यासे हैं

हम खेती हैं तुम बादल हो हम नदियाँ हैं तुम सागर हो

ये दिल है कि जलते सीने में इक दर्द का फोड़ा अल्हड़ सा

ना गुप्त रहे ना फूट बहे कोई मरहम हो कोई निश्तर हो

हम साँझ समय की छाया हैं तुम चढ़ती रात के चन्द्रमाँ

हम जाते हैं तुम आते हो फिर मेल की सूरत क्यूँकर हो

अब हुस्न का रुत्बा 'आली है अब हुस्न से सहरा ख़ाली है

चल बस्ती में बंजारा बन चल नगरी में सौदागर हो

जिस चीज़ से तुझ को निस्बत है जिस चीज़ की तुझ को चाहत है

वो सोना है वो हीरा है वो माटी हो या कंकर हो

अब 'इंशा'-जी को बुलाना क्या अब प्यार के दीप जलाना क्या

जब धूप और छाया एक से हों जब दिन और रात बराबर हो

वो रातें चाँद के साथ गईं वो बातें चाँद के साथ गईं

अब सुख के सपने क्या देखें जब दुख का सूरज सर पर हो

पुस्तक समीक्षा

रोचक किस्सों का दस्तावेज

- रोहित कौशिक

ज़िंदगी के किस्से यदि सपाट रूप से लिखे जाएं तो वे सिर्फ किस्से बन कर रह जाते हैं। जाहिर है सपाटबयानी में वह रचनात्मकता नहीं होती जिससे माध्यम से कोई भी कथा हमारी स्मृति का हिस्सा बन पाती है। प्रतिष्ठित युवा लेखक विपिन शर्मा ने हाल ही में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'तुम जिन्दगी का नमक हो'में जिंदगी की छोटी-छोटी कहानियां रोचक अंदाज में लिखी हैं। विपिन शर्मा के गद्य का लालित्य इन कथाओं को और भी प्रभावी बनाता है। ये किस्से छोटे जरूर हैं लेकिन इन छोटे-छोटे किस्सों में बड़ा दर्शन छिपा हुआ है। इन कथाओं का मूल स्वर प्रेम है। अक्सर हम बहुत ही सीमित और परम्परगत दायरे में प्रेम का अर्थ ग्रहण करते हैं। इन कथाओं में प्रेम के विभिन्न स्वरूप महसूस किए जा सकते हैं। जिंदगी से प्रेम किए बिना हम प्रेमिका से भी प्रेम नहीं कर सकते। इसलिए यहां एक तरफ जिंदगी से भरपूर प्रेम है तो दूसरी तरफ प्रेमी और प्रेमिका के बीच इश्क की कशिश भी है। जाहिर है कि जब जिंदगी से भरपूर प्रेम होगा तो जिंदगी से जुड़ी विभिन्न विसंगतियां भी किसी न किसी रूप से हमारे ऊपर अपना प्रभाव डालेंगी। इसलिए इन कथाओं में कहीं न कहीं जिंदगी की विसंगतियां भी मौजूद हैं।

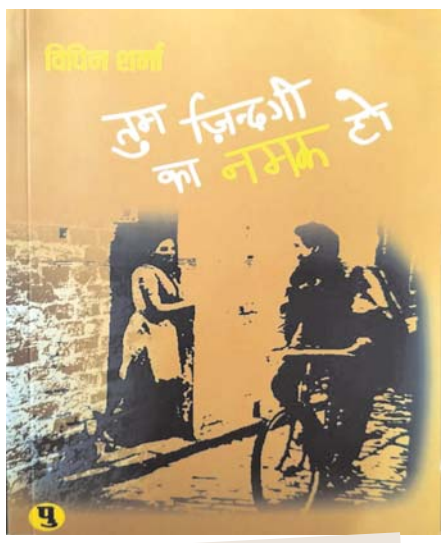

पुस्तक : तुम जिन्दगी का नमक हो
लेखक : विपिन शर्मा
प्रकाशक : पुस्तकनामा, गाजियाबाद
मूल्य : 120 रुपये

इन कथाओं को पढ़ते हुए महसूस होता है कि इनमें सिर्फ कोरी कल्पना नहीं हैं बल्कि परोक्ष रूप से लेखक की रोजमर्रा की जिंदगी के अनुभव भी मौजूद हैं। जीवनानुभव से निकले किस्से जिंदगी के ज्यादा करीब तो होते ही हैं, विश्वसनीय भी होते हैं। निश्चित रूप से किसी भी कथा में कल्पनाशीलता का अपना महत्व होता है लेकिन यदि कल्पनाशीलता जीवनानुभव पर आधारित हो तो वह ज्यादा तार्किक होती है। यही कारण है कि इन किस्सों को पढ़ते हुए एक आत्मीय जुड़ाव महसूस होता है। ज्यों-ज्यों हम इस किताब को पढ़ते हुए आगे बढ़ते है, त्यों-त्यों इन किस्सों से हमारी रागात्मकता बढ़ती चली जाती है। इस दौर में जबकि बौद्धिक वर्ग कई तरह के वादों में उलझा अतिवाद का शिकार हो रहा है, ये कथाएं एक बनी बनाई लीक तोड़ती हुई अंधरे में लैम्प पोस्ट की तरह हमें प्रकाशित करती हैं। यहां कई शहर हैं, शहर की गलियां हैं, गांव हैं, चांद-तारे हैं, पहाड़ हैं, प्रकृति के विभिन्न रूप हैं तथा कई लेखक और शायर हैं। यानी एक मुकम्मल जिंदगी की कई बिखरी हुई तस्वीरें हैं। इन बिखरी हुई तस्वीरों से ही जिंदगी की एक बड़ी तस्वीर जुड़ती और पूर्ण होती है। दरअसल जिंदगी हमेशा गुलाबी नहीं होती। किसी एक रंग से रंगी जिंदगी वास्तविकता से बहुत दूर होती है। इसलिए कन कथाओं में परेशानियों और संघर्षों का रंग भी है। यह संघर्ष कई स्तरों पर दिखाई देता है। प्रेम के रास्ते पर चलते हुए संघर्ष न हों तो फिर ऐसे प्रेम का क्या औचित्य ? कभी यह संघर्ष हमारे प्रेम को और मजबूती प्रदान करता है तो कभी हालात की कठपुतली बनकर हमारे प्रेम को कमजोर भी कर देता है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि संघर्ष के समय हमारा दृष्टिकोण क्या है ? ये कथाएं विभिन्न परिस्थितियों में कहीं न कहीं हमारे दृष्टिकोण को भी परिलक्षित करती हैं।

इन किस्सों में स्थानीय जीवन की हलचल है तो अन्तरराष्ट्रीय विमर्श भी है। यह सही है कि रोजमर्रा की स्थानीय गतिविधियां हमारे जिंदगी का आधार हैं, तो अन्तरराष्ट्रीय गतिविधियां भी किसी न किसी रूप में स्थानीय गतिविधियों पर अपना प्रभाव डालती हैं। निश्चित रूप से इस प्रभाव को एक संवेदनशील लेखक ही अपनी रचनाओं में दर्ज कर सकता है। इस बदलाव और प्रभाव को विभिन्न लेखक अलग-अलग तरीकों से दर्ज करते हैं।

असली सवाल यह है कि क्या लेखक इन बदलावों को सहज तरीके से अपनी रचनाओं में दर्ज कर पाता है ? बड़ी बात यह है कि विपिन शर्मा इन बदलावों को बहुत ही सलीके से इन किस्सों में दर्ज करते हैं। एक ऐसा भी अजीब समय हम सबने देखा है कि जब 'पॉजिटिव'शब्द हमारे लिए खतरे की घंटी बन गया था। यदि पिछले कुछ समय के किस्से लिखे जाएं और उन किस्सों में हमारी जिंदगी को बदरंग करने वाली महामारी का जिक्र न हो जो निश्चित रूप से यह स्वाभाविक नहीं होगा। महामारी के किस्से भी इस किताब को प्रासंगिक बनाते हैं। जीवंतता और रोचकता से ओत-प्रोत इन किस्सों को निश्चित रूप से पढ़ा जाना चाहिए। इन अद्भुत किस्सों को लिखने के लिए विपिन शर्मा बधाई के पात्र हैं।

फ़िल्म

'कलयुग'

- अजय चंद्रवंशी

महाभारत की कथा विघटित होते गण समाजों और विकसित होते राजसत्ता के दौर की कहानी है। यह अपने यथार्थवादी दृष्टिकोण के लिए भी चर्चित रहा है। इसमे जिस तरह से सत्ता की केन्द्रीयता है और 'नैतिकता' को द्वितीयक दर्जा दिया गया है वह बाद के सामंती समाजों में कम से कम सैद्धांतिक स्तर पर दुर्लभ रहा है। महाभारत में यह प्रकट रूप से है।वहां सत्ता प्राप्ति के लिए नैतिकता-अनैतिकता का मापदंड खत्म सा हो गया है; खून के रिश्ते और पारिवारिक सम्बन्ध बेमानी हो गये हैं। एक तरह से वहां आधुनिक पूंजीवादी समाजों की सामाजिक सम्बन्धों की पूर्व पीठिका सा है। यह अकारण नहीं पौराणिक काल निर्धारण में महाभारत(द्वापर) के बाद ही 'कलयुग' का आगमन होता है।

कलयुग(कलियुग) शब्द से ही एक नकारात्मकता का बोध प्रकट किया जाता रहा है ।यानी यह युग नहीं मूल्यबोध हो गया है ।बहुधा इसे 'सतयुग' के विपरीत देखा जाता है। सतयुग में जहां सब कुछ 'अच्छा' था वहीं कलयुग में अधिकतर बुरा ।यों कल(कलि)युग का शाब्दिक अर्थ 'मशीनी युग' भी होता है। खासकर पन्द्रहवी-सोलहवीं शताब्दी के व्यापारिक पूंजीवाद के दौर में सामंती मूल्यों के एक हद तक विघटन ने कलयुग की अवधारणा को बल दिया, क्योंकि लंबे समय से चले आ रहे सामंती मूल्यों का बिखराव एक झटके के समान था जिसकी एक प्रतिक्रिया कलयुग के रूप प्रकट हुई।

'महाभारत' और 'कलयुग' के इस सम्मिलन ने भारतीय समाज को गहरे रूप से प्रभावित किया है। आज भी पारिवारिक कलह की तुलना महाभारत से की जाती है और सामाजिक मूल्यों से विचलन को कलयुग का प्रभाव भी कहा जाता है।

फ़िल्म 'कलयुग' में इसी तरह की पारिवारिक 'महाभारत' की कहानी है ।फ़िल्म में एक ही परिवार के दो पीढ़ी के बाद के दो हिस्सों में व्यापारिक परिस्पर्धा और प्रतिष्ठा की लड़ाई है। यह लड़ाई प्रच्छन्न से क्रमशः प्रकट होती जाती है ।कहाँ तो खून के रिश्ते और प्रेम! और कहाँ हर पल दूसरे को नीचा दिखाने की चाह! इसकी चरम बदला और हत्या तक चली जाती है। परिणाम वही होता है सर्वनाश; किसी को कुछ हासिल नही!

फ़िल्म में भीष्मचन्द और रामचन्द नामक दो कारोबारी भाइयों की कहानी है। भीष्मचन्द अविवाहित है और उसने रामचन्द के निधन के बाद उसके दोनो बेटों खूबचन्द और पूरनचंद को पाल-पोसकर बड़ा किया ।खूबचन्द के बेटों धनराज और सन्दीपराज की पूरनचंद के बेटों धरमराज, बलराज और भरतराज के बीच अदावत चलती रहती है।

फ़िल्म में महाभारत की तरह एक निरापद पात्र 'करन' भी है,जो अनाथ है और जिसकी भीष्मचन्द ने परवरिश की है। वह धनराज को कारोबार में सहयोग करता है और वहां उसका उचित सम्मान है, मगर फिर भी आख़िरकार वह पारिवारिक सदस्य नहीं हैं इसलिए काबिल होकर भी उसकी सीमाएं है। भरतराज और उसके भाई

कलयुग(कलियुग) शब्द से ही एक नकारात्मकता का बोध प्रकट किया जाता रहा है ।यानी यह युग नहीं मूल्यबोध हो गया है ।बहुधा इसे 'सतयुग' के विपरीत देखा जाता है। सतयुग में जहां सब कुछ 'अच्छा' था वहीं कलयुग में अधिकतर बुरा ।यों कल(कलि) युग का शाब्दिक अर्थ 'मशीनी युग' भी होता है।

करन क पास जाकर उस भाइ हान का दुहाइ देकर इस बर्बादी को रोकने का प्रयास करती है,और करन द्वंद्व से मुक्त होकर सहयोग करने का प्रयास भी करता है मगर हालात हाथ से फिसलते चले जाते हैं।'सुप्रिया' का चरित्र द्रोपदी सा है,परिवार में निर्णयों में एक हद तक हस्तक्षेप है ।पति से एक समय के बाद अनौपचारिक दूरी सी है।आखिर में भरतराज से निकटता बढ़ाने का संकेत है। वह परिवार में अपनी स्थिति मजबूत रखने के लिए प्रयत्नरत दिखाई पड़ती है। कुल मिलाकर फ़िल्म आधुनिक अभिजातवर्गीय परिवार का महाभारत है ।सामंती-पूंजीवादी मूल्यों से संस्कारित इस परिवार में झूठी प्रतिष्ठा और संदेह के आगे मानवता दम तोड़ देती है। ये जितने एक दूसरे के करीब दिखते हैं उतने ही दूर हैं। इनका मिलना-जुलना, इकट्ठा होना सब यांत्रिक है,अंदर कहीं नफ़रत और प्रतिस्पर्धा है। यहां भाई-भाई, पति-पत्नी सब जैसे किसी औपचारिकता का निर्वहन कर रहे हैं। रिश्तों में गर्माहट कहीं नहीं है। फ़िल्म का निर्देशन, चुस्त कथानक और सांकेतिकता, अभिनय सभी महत्वपूर्ण हैं ।पात्रों के द्वंद्व, परिस्थितियों की विडम्बना और बेबसी को बेहतर ढंग से उभारा गया है। धनराज का आत्महत्या से पहले अपनी छोटी बच्ची से पोयम सुनने का सुखद वातावरण एक झटके में मातम में बदल जाना हतप्रभ करता है। इस तरह और भी छोटी-छोटी घटनाएं हैं जो सार्थक निर्देशन को प्रकट करते हैं। पात्रों की संख्या अधिक होने के कारण भूमिकाएं सीमित मगर महत्वपूर्ण हैं। महाभारत अपने विराटता और यथार्थवादी चित्रण के कारण हर दौर के कलाकारों को प्रभावित करता रहा है और आगे भी करता रहेगा।

कवर्धा

दो दिन बाद जबलपुर से विदा होगा मानसून

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश का मौसम का मिजाज बदल गया हे। जहां दिन में धूप का एहसास हो रहा है, वहीं शाम ढलते मौसम में ठंडक घुलने लगती है।

एमपी के 24 जिलों से मानसून की विदाई

जबलपुर सहित कुछ जिलों में भारी बारिश के बाद मानसून की विदा हो गया है. मौसम विभाग ने 24 जिलों से मानसून की विदाई की घोषणा कर दी है। दो दिनों के भीतर रीवा, शहडोल व जबलपुर संभाग से भी मानसून विदा हो जाएगा।

मौसम विशेषज्ञों की माने तो प्रदेश के कुछ जिलों में रात का तापमान बढ़ सकता है तो जिलों में तापमान में कमी भी देखने को मिल रही है। प्रदेश के 24 जिलों से मानसून विदा ले चुका है, वहीं दो दिन के अंदर जबलपुर, रीवा व शहडोल संभाग के जिलों से भी मानसून विदा ले लेगा। यदि प्रदेश के सभी जिलों की बात की जाए तो 43 जिलों से मानसून की पहले ही विदाई हो चुकी थी लेकिन 19 जिलों में फिर से लौट आया था। यदि मानसून की बात की जाए तो एमपी में अच्छी बारिश हुई है, रक्षाबंधन के समय मौसम ने करवट बदली थी और भीषण गर्मी का दौर आ गया था।

करीब दस दिन तक मौसम बदला रहा, लेकिन उसके बाद फिर मानसून ने दस्तक दी और जमकर बारिश हुई है. सर्वाधिक बारिश नरसिंहपुर, भोपाल व इंदौर में हुई है. जबलपुर में भी औसत से कुछ ज्यादा बारिश हुई है।

मैहर से आकर भोपाल रवाना हुये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

जबलपुर, देशबन्धु। नये जिले के दौरे के बाद सीएम नगर पहुंचे।

मुख्यमंत्री शिवराज का शनिवार की रात करीब 11.35 बजे मैहर से कार द्वारा डुमना एयरपोर्ट आगमन हुआ ।

मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह भी थीं । डुमना विमानतल पर श्री चौहान का राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीक, विधायक सुशील कुमार तिवारी इंदु, आशीष दुबे, अखिलेश जैन, अभिलाष पांडे, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, पूर्व मंत्री हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू, रूपा राव, अभय सिंह ठाकुर, रंजीत पटेल, डॉ शुभम अवस्थी, पुलिस उप महानिरीक्षक आर आर एस परिहार, कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन एवं पुलिस अधीक्षक तुषारकांत विद्यार्थी भी विमानतल पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री डुमना विमानतल से रात करीब 11.50 वायुयान द्वारा भोपाल रवाना हुये।

यू.टी.डी ने कबड्डी का जीता खिताब

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीजानकीरमण महाविद्यालय द्वारा आज दूसरे दिन अन्तर महाविद्यालयीन कबड्डी पुरूष प्रतियोगिता के सेमी.फाइनल एवं फाइनल मुकाबले खेले गये। प्रथम सेमीफाइनल मुकाबला यू.टी.डी ने 23-10 से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेष किया। दूसरे सेमी.फाइनल मुकाबला संत अलायसियस एवं षा. महाविद्यालय सिहोरा के मध्य खेला गया जिसमें एक तरफा मुकाबले में संत अलायसियस ने 30-05 से जीत कर फाइनल में प्रवेष किया।

फाइनल मुकाबला यू.टी.डी एवं संत अलायसियस के मध्य खेला गया जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में यू.टी.डी ने 54-44 से जीत दर्ज कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। फाइनल मैच के उपरांत पुरूष्कार विवरण कार्यकम के मुख्य अतिथि कुल सचिव रा.दु.वि.वि जबलपुर डॉ दीपेश मिश्र एवं सेवानिवृत्त संचालक षा.षि डॉ. आर-के यादव विषिष्ट अतिथि विषिष्ट अतिथि संतोष दुबे पार्षद कस्तुरबा गॉधी वार्ड श्रीजानकीरमण मेनेजमेंट के अध्यक्ष शरद भाई पालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी डॉ. षक्ति सिंह मंडलोई, डॉ. आनंद सिंह राणा, डॉ. कौषल दुबे की गरिमामयी उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता दल को ट्राफी एवं साटिफिकेट वितरित किये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. गंगाधर त्रिपाठी, डॉ. मनोज, डॉ कौशल, डॉ सुनील दत्त लखेरा, डॉ रमेष षुक्ला, डॉ रचना षुक्ला, डॉ रचना विष्वकर्मा, सुश्री रोहिला पिल्ले एवं डॉ कौशल दुबे, अभिमन्यु जैन,यू.एस. दुबे, सुरेश मिश्र विचित्र, डॉ. अनामिका सिंह, राधा झारिया, श्रीमति राखी बाजपेयी, नीना चौबे, सुश्री. मीनाक्षी लोधी. मुकेश श्रीवास्तव, मनोज चौरसिया अनिकेत नामदेव, संजय पांडे, गोपाल प्रसाद रैकवार, भूपेन्द्र रैकवार, कार्तिक झारिया आदि के साथ छात्र-छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद सिंह द्वारा किया गया।

फ्लाई ओवर चेम्बर निर्माण के दौरान दुर्घटना में घायल श्रमिकों से मिले सांसद

दुर्घटना में श्रमिक की मृत्यु पर किया शोक व्यक्त

जबलपुर, देशबन्धु। मदनमहल - दमोहनाका फ्लाई ओवर के चेम्बर निर्माण के दौरान मिट्टी धसकने की घटना में श्रमिक की मृत्यु पर साँसद राकेश सिंह ने शोक व्यक्त किया है। साँसद श्री सिंह दुर्घटना में घायल श्रमिको को देखने नेशनल अस्पताल पहुंचे और घायलों के कुशलक्षेम की जानकारी ली।

सांसद सिंह ने दुर्घटना के दौरान मृतक श्रमिक के परिवार जनों को भरणपोषण हेतु सहायता देने संबंधित अधिकारियों से चर्चा की साथ ही अस्पताल में चिकित्सकों से घायलों के इलाज की जानकारी ली।

श्री सिंह ने कहा दुर्घटना से मन अत्यंत द्रवित है, ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिजनों को इस गहन दु:खद के समय मे सम्बल शक्ति देने की प्रार्थना करता हूँ तथा घायलों की कुशलता हेतु कामना करता हूँ।

नाविकों व गाइड की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम, जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद तथा बायपास संस्थान द्वारा नगर परिषद भेड़ाघाट के ऑडिटोरियम में गाइड एवं नाविकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि इस परियोजना के अंतर्गत भेड़ाघाट में महिला गाईडों को प्रशिक्षित किया गया है जो वर्तमान में गाइड का काम कर रही हैं। कार्यशाला में महिला पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर भेड़ाघाट पर्यटन स्थल पर क्या-क्या कदम उठाए जाने चाहिए।

आशीश राव ने शासकीय महाकोशल कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष का पद संभाला

जबलपुर, देशबन्धु। शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर में जनभागीदारी अध्यक्ष पद पर उच्च शिक्षा म.प्र. शासन द्वारा आशीष राव को नियुक्त किया गया। आज उन्होंने विधायक अशोक रोहाणी जी की उपस्थिति में अपना कार्यभार महाविद्यालय में जाकर ग्रहण किया। श्री रोहाणी ने उनकी नियुक्ति पर बोलते हुये कहा कि यह एक ऐतिहासिक अग्रणी महाविद्यालय है जिसमें महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिससे महाविद्यालय में शैक्षाणिक गुणवत्ता के साथ अन्य क्षेत्रों में भी अपना नाम रोशन करेगा।

इस अवसर पर जनभागीदारी अध्यक्ष श्री आशीष राव ने कहा कि पूर्ण निष्ठा से महाविद्यालय विकास में अपना योगदान दूँगा। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.ए.सी.तिवारी द्वारा माननीय विधायक एवं जनभागीदारी अध्यक्ष श्री आशीष राव का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. अरुण शुक्ल, डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. राजेश श्यामकुवंर, डॉ. नरेन्द्र कोष्ठी, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. जय रोहाणी, दामोदर सोनी, ज्योति रेडडी, श्याम कनौजिया, नीलेंद्र चटर्जी, उर्मिला विश्वकर्मा, अंकित फ्रांसिस, स्वपनिल पांडेय, भूपेंद्र गौतम, चमन रजक, शेखर पिल्ले, विकास बावरिया, सुरेश रजक, रत्नेश दुबे, अदिति राजपूत, आकाश के साथ महाविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने निर्वाचन संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करायें : कलेक्टर

जबलपुर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने आज शाम निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों की बैठक लेकर विधानसभा चुनाव की चल रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। श्री सुमन ने अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी सौंपे गये दायित्वों का गंभीरता से निर्वाह करने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को न केवल निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना होगा बल्कि निर्वाचन नियमों का कड़ाई से पालन भी कराना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्टर कार्यालय के वीसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में विधानसभा चुनाव से जुड़े एक-एक बिंदु पर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने चुनाव की घोषणा होते ही आदर्श आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराने तथा संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत शासकीय, सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों पर लगे बैनर एवं पोस्टर तथा दीवार लेखन को निर्वाचन आयोग द्वारा तय की गई समय सीमा के भीतर हटाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने बैठक में जिले की आठों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों से नाम निर्देशन प्राप्त करने की व्यवस्था से लेकर मतदान दलों का गठन, प्रशिक्षण, मतदान सामग्री का वितरण एवं वापसी, परिवहन व्यवस्था, ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों का रेण्डमाइजेशन, डाकमत पत्र की व्यवस्था, एफएसटी एवं एसएसटी और निर्वाचन व्यय निगरानी प्रकोष्ठ का गठन, कंट्रोल रूम, कम्यूनिकेशन प्लान, अनुमतियों के लिए एकल खिड़की व्यवस्था जैसे प्रत्येक बिंदु पर गहराई से समीक्षा की। श्री सुमन ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी हो जायें इस ओर उन्हें विशेष ध्यान देना होगा। उन्होने निर्वाचन संबंधी दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी। कलेक्टर ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही सभी शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माने जायेंगे।

35 वीं स्टेट बॉक्सिंग स्पर्धा का समापन आजः ग्रेट खली आएंगे

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश अमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन संस्कारधानी में 6 से 8 अक्टूबर तक मेंस/विमेंस सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि 35वीं मध्यप्रदेश स्टेट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप का समापन मैच 8 अक्टूबर महाकौशल कॉलेज शाम 5 बजे होगा इस अवसर पर विश्व विख्यात डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर ग्रेट खली व राज्यसभा सांसद विवेक तंखा, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट अजय सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास उपस्थित रहेंगे इस अवसर पर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी सत्येन्द्र सोनकर, राजेन्द्र पांडे, ट्रेजरार आशीष चौधरी, जॉइंट सेक्रेटरी संदीप राय नए उपस्थिति की अपील की है।

खुद कचरा गाड़ी चलाकर बरगी वासियों को विधायक ने दी सौगात

जबलपुर, देशबन्धु। बरगी की बहुप्रतीक्षित मांग को बरगी विधायक ने पूरा करते हुए बरगी पंचायत को 10 लाख रुपए की एक कचरा गाड़ी सौंपी काफी लंबे समय से बरगी के लिए कचरा गाड़ी की आवश्यकता थी चूंकि बरगी पंचायत एक बड़ी पंचायत है जिसके चलते यहां सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए कचरा गाड़ी की मांग लंबे समय से चली आ रही थी जिसको बरगी सरपंच मंजू चौकसे द्वारा बरगी विधायक संजय यादव के समक्ष इस मांग को रखा जिसको बरगी विधायक ने पूरा करते हुए बरगी पंचायत को कचरा गाड़ी सौंपी गई बरगी विधायक संजय यादव ने खुद कचरा गाड़ी चलाकर एक जुलूस के साथ पूरे बरगी का भ्रमण किया जहां लोगों ने बरगी विधायक का जगह जगह मिठाई खिला कर मुंह मीठा किया गया एवं बरगी विधायक एवं बरगी सरपंच का सभी लोगों ने धन्यवाद किया वहीं इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे जिसमे महंत दयानंद गिरी संतोष चौकसे द्रोपदी नारायण केवट विकास खन्ना बमबम तिवारी बबलू राजपूत आराधना शर्मा कमला पटेल पंकज परस्ते शानू यादव आकाश सैनी छोटेलाल केवट निर्मल विश्वकर्मा रामकिशन चक्रवर्ती बबुआ शुक्ला आदी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व वित्त मंत्री ने 75 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम विधानसभा से विधायक व प्रदेश सरकार में पूर्व वित्त मंत्री श्री तरुण भनोत के कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पिछले तीन दिनों में पूर्व मंत्री श्री भनोत के द्वारा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के इंदिरा गांधी, वीर सावरकर, शहीद गुलाब सिंह एवं ग्वारीघाट वार्ड में लगभग 75 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिसमे गार्डन के उन्नयन, सड़क डामरीकारण, शेड जैसे जनहित के विकास कार्य शामिल है। इसके अलावा ग्वारीघाट वार्ड अंतर्गत अवधपुरी कॉलोनी के सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्रीय जनता की मांग पर मेरे स्वयं के व्यय पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, आज उसका भी इन्स्टलैशन का कार्य पूरा हो चुका हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम कॉंग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ ही क्षेत्रीय समस्त गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रेलवे बोर्ड महिला लोको पायलट व ट्रैक मेंटेनर्स को नौकरी की श्रेणी बदलने के लिए देगा मौका, रेल जोनों से मांगी जानकारी

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे महिला चालकों और ट्रैक मेंटेनरों और के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, रेलवे बोर्ड इन लोगों को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने के लिए एक बार का विकल्प देने की मांग पर विचार कर रहा है। इसलिए, उसने जोनों से ऐसे कर्मचारियों और लंबित आवेदनों की संख्या साझा करने को कहा है।

बोर्ड ने गत 4 अक्टूबर को सभी रेलवे जोन को भेजे पत्र में कहा कि श्रमिक संगठनों ने महिला ट्रैक मेंटेनर्स और रनिंग स्टाफ को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने के लिए एक बार का विकल्प देने का अनुरोध किया था।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मामला बोर्ड के कार्यालय में जांच के अधीन है। इस संबंध में सभी जोनल रेलवे से महिला ट्रैक मेंटेनर्स, एएलपी की संख्या और अन्य श्रेणियों में काम करने वाली महिला रनिंग स्टाफ या महिला कर्मचारियों से उनकी निर्धारित श्रेणियों में

बदलाव के लिए लंबित अनुरोधों की संख्या प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। बता दें, सहायक ट्रेन चालकों को सहायक लोको पायलट (एएलपी) के रूप में भी जाना जाता है.

इससे जुड़े संगठनों का कहना है कि महिला ट्रैक मेंटेनर और एएलपी फील्ड में काम करना बहुत कठिन और असुरक्षित है। ऐसे हालातों के कारण महिलाओं अपनी नौकरी की श्रेणी को बदलना चाहते हैं। इससे संबंधित अनुरोध कई सालों से रेलवे जोन के पास लंबित है। उसने बताया कि मालगाडियों की कुछ महिला सहायक लोको पायलट और लोको पायलटों को आधिकारिक तौर पर अपनी नौकरी की श्रेणियों में बदलाव किए बिना कार्यालयों में काम करने की अनुमति दी गई है।

हालांकि, इंडियन रेलवे लोको रनिंगमैन ऑर्गनाइजेशन (आईआरएलआरओ) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने इस कदम का विरोध किया। साथ ही कहा कि इस मामले को हल करने के लिए यह सही कदम नहीं है। उन्होंने कहा, समस्या यह है कि जब महिलाएं रेलवे में रनिंग या फील्ड पोस्ट से जुड़ती हैं, तभी उन्हें पता चलता है कि काम कितना कठिन है. सुविधाओं के अभाव के कारण महिला कामगारों के लिए काम करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, नौकरी की श्रेणी में बदलाव पर विचार करने के बजाय मैं रेलवे को सुविधाएं देने की सलाह देता हूं, ताकि महिलाओं को फील्ड में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

नाट्य कृति का लोकार्पण आज

जबलपुर,देशबन्धु। विविध कला संस्कृति अकादमी द्वारा डॉ. अनामिका तिवारी की नाट्य कृति लोकार्पण एवं हरि शंकर परसाई एवं रंग कर्मी संजय खन्ना स्मृति का आयोजन 8 अक्टूबर सांय पांच बजे से रानी दुर्गावती संग्रहालय कला विथिका में किया गया है।

अमरकंटक एवं ओवरनाइट एक्सप्रेस के ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर ठहराव की मिली सुविधा

जबलपुर, देशबन्धु। रेल मंत्रालय द्वारा गाड़ी संख्या 12854/12853 भोपाल-दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस का दिनांक 07.10.2023 और गाड़ी संख्या 22191/22192 इंदौर-जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस का 08.10.2023 से ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में ठहराव प्रदान किया गया है।

07.10.2023 को गाड़ी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस के ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर 16: 35 बजे पहुँचने पर माननीय विधायक भोजपुर सुरेंद्र पटवा ने ओबेदुल्लागंज स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर गन्तव्य के लिए रवाना

कर गाडियों के ठहराव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर के अन्य गणमान्य व्यक्ति, जनसामान्य, मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे। रेल प्रशासन की ओर से सहायक वाणिज्य प्रबन्धक सहित अन्य रेल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इन गाडियों के ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर रुकने से स्थानीय नागरिकों को भोपाल, दुर्ग, जबलपुर, इंदौर जाने-आने हेतु सीधी सुविधा उपलब्ध हो गई है. साथ ही अप/डाउनर्स को भोपाल आने-जाने की सुविधा भी उपलब्ध हो जाएगी।

गाड़ी की समय-सारणी

- गाड़ी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर 16.35 बजे पहुँच कर, 16.37 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी. इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12853 दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस औबेदुल्लागंज स्टेशन पर 09.32 बजे पहुंचकर, 09.34 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

- गाड़ी संख्या 22191 इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस ओबेदुल्लागंज स्टेशन पर मध्य रात्रि 00.10 बजे पहुँचकर, 00.12 बजे गन्तव्य के लिए प्रस्थान करेगी. इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22192 जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस औबेदुल्लागंज स्टेशन पर तड़के 04.27 बजे पहुँचकर, 04.29 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान करेगी।

नागपुर-शहडोल-नागपुर व्हाया जबलपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा डेली नई ट्रेन शुरू

जबलपुर, देशबन्धु। रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए 8 अक्टूबर 2023 से नागपुर स्टेशन से गाड़ी संख्या 11201 नागपुर से शहडोल और 09 अक्टूबर 2023 से शहडोल स्टेशन से गाड़ी संख्या 11202 शहडोल से नागपुर प्रतिदिन दोनों दिशाओं में नई ट्रेन की नियमित सेवा की समय सारिणी जारी कर दिया है। गाड़ी संख्या 11201 नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस प्रतिदिन अपने प्रारंभिक स्टेशन नागपुर स्टेशन से प्रात: 08.00 बजे प्रस्थान कर सौसर 09.08 बजे, छिंदवाड़ा 10.45 बजे, सिवनी 11.56 बजे, नैनपुर 13.30 बजे, जबलपुर 17.05 बजे, कटनी साऊथ 18.50 बजे, उमरिया 20.18 बजे और रात 22.00 बजे शहडोल स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस प्रतिदिन अपने प्रारंभिक स्टेशन शहडोल स्टेशन से प्रात: 05.00 बजे प्रस्थान कर उमरिया 05.53 बजे, कटनी साउथ 07.25 बजे, जबलपुर 08.40 बजे, नैनपुर 11.30 बजे, सिवनी 12.53 बजे, छिंदवाड़ा 14.00 बजे, सौसर 15.38 बजे और 18.00 बजे नागपुर स्टेशन पहुँचेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 03 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 7 शयनयान श्रेणी, 05 सामान्य श्रेणी, 02 एसएलआरडी सहित कुल 18 कोच रहेंगे।

खालसा स्कूल रांझी एवं पनागर में आयोजित की गई मतदान विषय पर विभिन्न गतिविधियां

जबलपुर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन कार्यालय के स्वीप सेल द्वारा मतदान जागरूकता एवं शत-प्रतिशत मतदान को लेकर आज शनिवार को खालसा स्कूल रांझी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फ्यूचर वोटर्स एवं उनके पालकों के साथ कई रोचक गतिविधियां की गई। इस दौरान पालकों से मतदान विषयक छोटे-छोटे प्रश्न पूछे जाकर सही उत्तर देने वाले पालकों को पुरस्कृत भी किया गया। पालकों ने इस दौरान मतदान की बारीकियों को समझा।

स्वीप कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को पनागर में पंचशक्ति महिला आजीविका संगठन की वार्षिक आमसभा के दौरान मतदान विषय पर रंगोली, मेहंदी एवं लोकगीत गायन की प्रतियोगितायें करवाई गईं तथा उपस्थित महिलाओं को जिला स्वीप समन्वयक प्रमोद श्रीवास्तव ने शत-प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई । रंगोली, मेहंदी एवं लोकगीत की प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की । इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

कलयुग में होगा श्री राम का सजीव चित्रण

जबलपुर, देशबंधु। देश की नामचीन रामलीलाओं में शुमार संस्कारधानी की श्री गोविंद गंज रामलीला समिति अपने स्वर्णिम इतिहास के 158 वर्ष पूर्ण कर चुकी है । जहां श्री गोविंद गंज राम जिला समिति का मंचन में आज मुकुट पूजन आरंभ हो रहा है। इस समारोह में संत महात्मा, विप्र ब्राह्मण, विधायक विनय सक्सेना सहित अनेक श्रद्धालु सम्मलित होगें।

रामलीला समिति इस वर्ष की लीला को और भी नयनाभिराम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। रामलीला को आम जन से जोड़ने और प्रभु चरित्र को नैना अभिराम बनाने समिति के सदस्य लगन से कार्य करने में जुटे हुए हैं। समिति सदस्य रामलीला जुलूस की भव्यता, सांस्कृतिक संयोजना और परंपरा तथा आधुनिकता में तारतम्य स्थापित करते हुए श्रद्धा भाव के साथ श्री राम की सेवा करेंगे।

रामलीला में यह मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंग-समिति के अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी ने रामलीला के संदर्भ में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया की हर दिन प्रभु की लीला के प्रसंग मन को वाले होते हैं। 12 अक्टूबर को धनुष यज्ञ, 18 अक्टूबर को सीता हरण, 20 अक्टूबर को लंका

दहन, 22 अक्टूबर को लक्ष्मण शक्ति, 25 अक्टूबर को भारत मिलाप और 26 अक्टूबर को श्री राम राज्याभिषेक की लीला में खास प्रस्तुति होगी। संपर्क लीलाओं के साथ आर हर दिन कुछ ना कुछ अलग विशेषता रखी गई है।

मंच पर पुष्प वाटिका, अशोक वाटिका, वादासुर द्वारा शिवपूजन, खास करती डरावनी ताड़का, मेघनाथ के तीरों की अग्नि वर्षा, रावण की शक्ति की पूजा, कामदेव का मायावी चित्र आदि की विशेष प्रस्तुति की जाएगी।

जुलूस मार्ग में आंशिक बदलाव - तिवारी ने बताया कि जुलूस मार्ग में फ्लावर के चलते आंशिक बदलाव किया गया है। चल समारोह गुड़हाई, कोतवाली कमानिया फुहारा, दीक्षित पूरा गोपाल बाग दमोह का होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगा। 13 अक्टूबर को भगवान श्री राम की बारात सुभाष टॉकीज कोतवाली कमानिया बलदेव बाग परिजात बिल्डिंग दमोह नाका होते हुए मंदिर पहुंचेगी। 24 अक्टूबर को विजयदशमी चल समारोह मंदिर से प्रारंभ होकर दमोह नाका बलदेव बाग रानी लाल स्टेडियम एमएलबी स्कूल होते हुए मुख्य समारोह में शामिल होगा।

फुहारे में होगा भारत मिलाप- श्रद्धालुओं के हृदय से जुड़ी लीला भारत मिलाप का मंचन फुहारा पर होगा। श्री ठाकुर बिहारी जी मंदिर कोचिंग ट्रस्ट के सहयोग से यहां लंबे समय से लीला मानचित्र की जा रही है, यादव संजय गोस्वामी सहित अन्य के निर्देशन पर पारंपरिक रूप से,,,,,, मेवाड़ गंज स्थित पंचकोसी मंदिर में भगवान का जलवासा होगा ।

वर्ष भर होंगे विविध धार्मिक आयोजन -समिति के विकास पंडित वासुदेव शास्त्री, संरक्षक रवि गुप्ता, राकेश पाठक, महामंत्री मनीष पाठक सहित अन्य ने बताया कि इस वर्ष समिति के अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी का 25 वा वर्ष है, इसलिए साल भर विविध धार्मिक का आयोजन किए जाएंगे।

रामलीला के विश्राम 28 अक्टूबर को रात्रि 8:00 बजे कलाकार मोती शिवहरे की प्रस्तुति में रामलीला से इन आयोजनों की शुरुआत होगी। इस 21 दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ आज से होगा। पत्रकार वार्ता के दौरान अध्यक्ष अनिल तिवारी, व्यास पंडित वासुदेव शास्त्री, पंडित मोहन चौबे, रवि गुप्ता, आरएस शर्मा, पंडित रवि तिवारी, पंडित रमाकांत दुबे, पंडित रविंद्र घमरिया, विजय सरावगी, राकेश पाठक पीआरओ, शंभू दयाल बड़ेरिया, अरुण दुबे, राकेश पाठक, कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष कमल किशोर तिवारी, उमाशंकर रैकवार, मनीष पाठक, कोषाध्यक्ष मांगू गोयल, हीर तिवारी, दीपक अग्रवाल, महेश असाटी, अनूप तिवारी, मुकेश पाठक, पप्पू अग्रवाल, पीयूष विश्वकर्मा, कृष्ण अग्रवाल, चप्पू गुप्ता, अतुल पांडे, मुन्ना सोनी, दीपक पांडे सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्वारीघाट के घाटों में सफाई करने उतरे जनप्रतिनिधि

जबलपुर, देशबन्धु। श्रम मंत्रालय भारत सरकार राष्ट्रीय दिव्यांगजन केरियर केंद्र द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत गौरी घाट में आयोजित किये गये कार्यक्रम में आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश श्री संदीप रजक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये तथा स्वच्छता के लिये श्रमदान किया।

इस अवसर पर नि:शक्तजन आयुक्त संदीप रजक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि गांव से लेकर शहर तक स्वच्छता के लिए सभी को व्यक्तिगत प्रयास करने चाहिए । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हमें सब स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत के सपने को साकार करना होगा। इस अवसर पर श्रम

श्रद्धालुओं और पर्यटकों से नर्मदा के किनारे गंदगी न फैलाने का दिया संदेश

मंत्रालय के अंतर्गत व्यावसायिक पुनर्वास केंद्र के अधिकारियों एवं अन्य शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी नर्मदा के तट की स्वच्छता में भागीदारी की । इस अवसर पर अन्य कार्यों के अतिरिक्त दिव्यांग जनों के साथ राज्य शासन एवं केंद्र शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने आगामी चुनाव में किस तरह से दिव्यांग जनों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके इस पर भी प्रकाश डाला। सहायक संचालक रोजगार डॉ एस के कुशवाहा, शिवशंकर कपूर, नेशनल करियर सर्विस सेंटर से कांति कुमार देशमुख, मनोज पाल पांडे, कुमारी संध्या राणा श्रीमती आराधना तिवारी, राम सुजान पटेल एवं सुधीर गर्ग रेड क्रॉस समिति से उपस्थित रहे।

मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन के जन जागरण पदयात्रा में ग्राम वासियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवा दल के महासचिव डॉक्टर सत्येंद्र यादव के द्वारा चलाए जा रहे हैं मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन के जन समर्थन हेतु पूरे विधानसभा क्षेत्र में घूम-घूम कर जन समर्थन पाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि 10 अक्टूबर को पनागर बस स्टैंड में दोपहर 12:00 बजे से होने जा रहे एकदिवसीय धरना प्रदर्शन में जन नागरिकों की भागीदारी हो सके यह धरना प्रदर्शन पनागर क्षेत्र के सभी मतदाता बंधु की आवाज बन सके इसीलिए पनागर विधानसभा क्षेत्र के सभी नागरिक वंधुओ को 10 अक्टूबर को पनागर बस स्टैंड पहुंचने का निमंत्रण दिया जा रहा है यह जन जागरण अभियान लोगों को जागरूक करने के लिए छेड़ा गया है।

जन जागरण पदयात्रा से लोगों का भारी समर्थन प्राप्त हो रहा है पनागर क्षेत्र के नागरिक बंधु इस आंदोलन में सम्मिलित होने का आश्वासन भी दे रहे हैं और साथ ही जो भी सदस्य एवं नागरिक इस जन जागरण अभियान में सम्मिलित है उन सभी सदस्यों को भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं जिससे कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बढ़ा हुआ है

शनिवार 7 अक्टूबर को प्रात: 9:00 बजे डॉ सत्येंद्र यादव के नेतृत्व में ग्राम इमलई से पूजन अर्चन करने के पश्चात मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन की जन जागरण पदयात्रा आरंभ हुआ जो ब्रह्मनोदा , बिजोरी , बिजोरा, बहर ,फूटा ताल, ,गांव से होते हुए किवलारी गांव में आज की जन जागरण पद यात्रा को विश्राम दिया गया।

मंदिर बचाओ जमीन बचाओ आंदोलन के जन जागरण पदयात्रा में लखन पटेल विनोद पटेल जबलपुर सेवादल प्रवक्ता जितेंद्र यादव जुनैद अंसारी ताहिर खोखर रमेश पटेल ओम नाथ चौधरी अनारी कोरी विपिन चौधरी हरिप्रसाद पटेल बंटू चौधरी अनुज चौधरी विकास रजक मनोज पटेल यूनुस मंसूरी भैया लाल यादव रीना सिंह रीता यादव लीला चौधरी भानुप्रिया सिंह सुधा बृ झा लिया।

धनंजय चौधरी महावीर कोरी सोनू कोरी अनिल पटेल बेडी लाल पटेल बंटी त्यागी सौरभ पटेल हेमराज चौधरी मिथुन यादव राजेश यादव सहित अनेक कार्यकर्ता क्षेत्रीय नागरिक महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

नरसिंह वार्ड में विगत 1 वर्ष में लगभग 8 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत

जबलपुर, देशबन्धु। नरसिंह वार्ड मे लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपए के निर्माण कार्य जिसमें सरस्वती स्कूल के पीछे नाली पर सीमेंटीकरण एवं सड़क चौड़ीकरण, समन्वय सेवा केंद्र के सामने पुलिया निर्माण, गंगासागर बरसाना मोहल्ला से कालीमठ चंद्रिका अपार्टमेंट तक नाला निर्माण के कार्यों का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किए ।

नरसिंह वार्ड के पूर्व पार्षद जगत बहादुर सिंह अन्नू जी के महापौर बनने एवं डिम्पल रिंकू टांक के पार्षद बाद विगत 1 वर्ष में वार्ड में लगभग 8 करोड़ रुपए के विकास कार्य स्वीकृत कराए गए, जिसमें कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं कुछ कार्य प्रगति पर हैं, जिसमें वार्ड की विभिन्न सड़कों का डामलीकरण, मदन महल से गंगासागर सड़क का निर्माण एवं नए विद्युत पोल लगाना , वार्ड में नालियों का निर्माण कार्य , पुलियों का निर्माण कार्य शामिल है। उपरोक्त विकास कार्य वार्ड में कराये जाने पर वार्ड के नागरिकों ने माननीय महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती डिंपल रिंकू टांक जी को धन्यवाद प्रेषित किया है। भूमि पूजन में परम पूज्य स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी जी महाराज वार्ड की पार्षद डिंपल रिंकू टांक, नितेश टांक, राजेंद्र रजक कल्लू देवेंद्र काछी, रम्मू सिंह ठाकुर, शेखर सिंह, गुरु कुशवाहा, संदीप सैनी, शरद मालवीय, अंकित रैकवार, सुमित्रा गोंटिया, मीना रजक, रीता चौरसिया, संदीप ठाकुर, सुनील शर्मा, वर्षा झरिया, बेबी, दिनेश भाई, नंदू रैदास सहित अन्य क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

जगद्गुरु शंकराचार्य द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वामी सदानंद सरस्वती का नगर आगमन आज

जबलपुर, देशबन्धु। जगद्गुरु शंकराचार्य द्वारका शारदा पीठाधीश्वर स्वामी सदानंद सरस्वती का नगर आगमन आज शाम 6 बजे हो रहा है पूज्य महाराज श्री रामनगरा स्थित नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर शंकराचार्य मठ में विराज मान होंगे 9 अक्टूबर को स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिनांक 10/10/2023को सोमनाथ एक्सप्रेस से भोपाल के लिए रवाना होंगे। दर्शन धर्मलाभ हेतु उपस्थिति की अपील ब्रम्हचारी चैतन्यानंद,ब्रम्हचारी शश्वतानंद, ब्रजेश दुबे, मनोज सेन ने की।

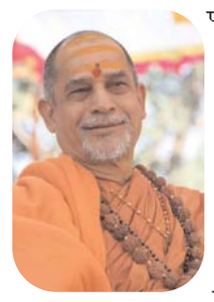

दैनिक राशिफल

रविवार 08 अक्टूबर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080,शक संवत 1945 हिजरी 1444। आश्विन कृष्ण पक्ष की नवमी, नक्षत्र-पुष्य।

मेष

आज आप अत्यधिक इमोशनल रहेंगे। किसी व्यक्ति का कठोर व्यवहार आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है।

वृषभ -

शारीरिक तथा मानसिक रूप से अच्छा अनुभव करेंगे। आनंद का अनुभव होगा। रिश्तेदारों तथा पारिवारिक काम में आपको लाभ होगा। मित्रों के साथ घूमने जाएंगे।

मिथुन

-आपके निर्धारित काम पूरे होने में विलंब होगा। वित्तीय योजनाएं अच्छी तरह पूरी कर सकेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे।

क.

तुला

आपके परिवार में खुशी और उत्साह का वातावरण रहेगा। नौकरी और ऑफिस में पदोन्नति होने तथा आय में वृद्धि होने की संभावना बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज आप नकारात्मक विचारों में रह सकते हैं। भय का अनुभव होगा, थकान लगेगी, स्फूर्ति का अभाव महसूस होगा। नौकरी या व्यवसाय में कठिनाई हो सकती है।

धनु

आप वाणी पर नियंत्रण नहीं रखेंगे, तो किसी के साथ झगड़ा हो सकता है। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आज मन किसी चिंता में रहेगा। खर्च होने की संभावना है।

कर्क

आज आप बहुत इमोशनल रहने वाले हैं। मित्रों, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ किसी गहरी चर्चा में उतर सकते हैं। घूमने- फिरने और स्वादिष्ट भोजन करने का अवसर मिलेगा।

सिंह

मन में अस्थिरता और भावना की दुर्बलता के कारण आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। गलत वाद-विवाद या चर्चाओं में न पड़ें।

कन्या

आज आप अनेक तरह के लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपके व्यापार और आय में वृद्धि होगी। नौकरी में भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मित्रों के साथ रमणीय स्थल पर घूमने जाने की संभावना है।

मा.

मकर

आपको काम की चिंता रहेगी। सगे- सम्बंधियों के साथ दिन मौज-मस्ती में दिन व्यतीत होगा। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने-फिरने का आनंद ले पाएंगे।

कुंभ

आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-जोल बना रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ अनुभव करेंगे।

मीन

-आज काल्पनिक दुनिया में विहार करना आपको पसंद आएगा। लेखन और साहित्य के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता प्रदर्शन कर सकेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

पदोन्नति एवं चौथा वेतनमान को लेकर विद्युत कर्मचारी नाखुश

जबलपुर, देशबन्धु। पूरे प्रदेश का विद्युत कर्मचारी इस बात को लेकर कम्पनी प्रबंधन एवं प्रदेश सरकार से बेहद नाराज एवं नाखुश है कि कर्मचारियों को उनकी पूरे सेवाकाल लगभग 37-38 वर्ष पर्ण होनें पर भी उन्हे एक भी पदोन्नति नहीं मिल पाई है। वहीं विद्युत विभाग के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को दो-तीन ग्रेड ऊपर के पदों पर बैठा दिया गया है। यहाँ तक कि जो कनिष्ठ यंत्री में भर्ती हुये थे उन्हें भी इंजीनियर अधिकारी होनें के कारण वर्तमान में दो-तीन ग्रेड का लाभ दे दिया गया और वे कार्यपालन अभियंता के तात्कालिक प्रभार लेकर बैठे हैं जबकि कार्यालय सहाँयक श्रेणी तीन एवं अन्य समतुल्य पदों पर भर्ती हुये कर्मचारियों को अभी तक एक भी पदोन्नति नहीं मिल पाई है । वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा 01 जुलाई 2023 को 35 वर्ष पूर्ण करनें वाले कर्मचारियों को चौथा वेतनमान की घोषणा करनें के बावजूद भी विद्युत कर्मचारी आज तक आदेश की प्रतीक्षा में हैं जिसके लिए पूर्ण जिम्मेदार प्रदेश सरकार व प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान (मामा) को समझा जा रहा है।

उक्ताशय की प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन के केन्द्रीय प्रवक्ता मोहन अग्रवाल पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कर्मचारी जनता यूनियन के प्रान्तीय अध्यक्ष के0डी0द्विवेदी महाँमंत्री विजय चौकसे प्रान्तीय उपाध्यक्ष पी0एन0नामदेव प्रान्तीय सचिव राजेन्द्र तिवारी ने कहा है कि इंतजार की घड़ियाँ अब समाप्ति की ओर है गिनती के ही दिन बचे जब प्रदेश मेंआचार संहिता लागू हो जायेगी और कम्पनी प्रबंधन में बैठे हुये जिम्मेदार लोग संबंधित आदेश जारी करनें में हीला हवाली कर रहे हैं। और आचार संहिता लगनें के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री की घोषणा भी बेकार साबित हो जायेगी यदि आदेश जारी नहीं किये गये तो। ऐसी स्थिति में आगामी चुनाव में परिणाम मामा को भुगतना पड़ सकता है। जनता यूनियन की विग्यप्ति में कहा गया है कि विद्युत कम्पनियों के अधिकारियों का वर्तमान में रवैया सरकार विरोधी है । यह भी कहा गया है कि प्रबंधन में नीचे से ऊपर तक जिम्मेदार पदों में बैठे हुये अधिकारियों के निर्णय सरकार विरोधी साबित हो रहे हैं और विद्युत कर्मचारी बेहद नाखुश हैं। कर्मचारी नेताओं का सीधा कहना ये है कि विद्युत कम्पनी का प्रबंधन सरकार विरोधी है जिसका खामियाजा आगामी चुनाव में प्रदेश के मुखिया मामा एवं सत्तापक्ष को भुगतना पड़ सकता है। विग्यप्ति में कहा गया है कि विद्युत कम्पनियों के अधिकारी शासन एवं कम्पनी के ही नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

खामियाजा भुगतना पड़ेगा मामा को

छतरपुर जा रहे कार्यालय को रोकने मुख्यमंत्री से गुहार

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक 1145074 दिनांक भोपाल दिनांक 22 सितंबर के तहत अधीक्षण यंत्री के सर्वे एवं अनुसंधान मंडल जबलपुर 47 अस्थाई को कार्यरत अमला सहित केन बेतवा लिंक परियोजना जल संसाधन मंडल छतरपुर स्थानांतरित कर दिया गया है ।

समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों को जबलपुर से छतरपुर आने जाने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला संरक्षक योगेन्द्र दुबे ने बताया है कि पूर्व में पूर्व में जबलपुर मंडल कार्यालय द्वारा ही संभाग के समस्त कार्यालय का कार्य संपादित किया जाता था, आज भी मंडल कार्यालय जबलपुर द्वारा कार्य संपादित किया जा सकता हैं।

मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, संतोष मिश्रा के साथ के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम का एक मांग पत्र संभागीय आयुक्त जबलपुर के माध्यम से प्रेषित किया गया जिसमें मांग की गई है कि जबलपुर से स्थानांतरित किया जा रहे कार्यालय को जबलपुर में ही रखा जाए यदि कार्यालय छतरपुर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक होता है तो भी समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को जबलपुर शहर के कार्यालय में ही समाहित किया जाए इन छोटे कर्मचारियों को अनावश्यक स्थानांतरित कर परेशान ना किया जाए। मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, संतोष मिश्रा, नितिन सेलेट ,नरेश शुक्ला , विश्वदीप पटेरिया ,इंद्र प्रताप यादव, प्रसांत सोंधिया, देव दोनेरिया, रविकांत दहायत, योगेस चौघरी, संध्या पाठक, अजय दुबे ,योगेन्द्र मिश्रा, धीरेंद्र सिंह ,मुकेश मरकाम,आसुतोष तिवारी, नरेंद्र सेन, रजनीश पांडेय, संदीप नेमा, गोविंद विल्थरे ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी सेजबलपुर से स्थानांतरित किया जा रहे कार्यालय को छतरपुर ना भेजे जाने की मांग की है।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

हीरा लाल चड्ढा- एलआईसी कॉलोनी मदनमहल निवासी श्री हीरा लाल चड्ढा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी देवी झा- कांचघर चौक साईं मंदिर के पास निवासी श्री उत्तम झा की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी देवी झा (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बाल मुकुंद नामदेव- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री बाल मुकुंद नामदेव (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम चरण चौधरी- झिन्ना मोहल्ला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री राम चरण चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सीमा श्रीवास्तव- गोविंद भवन कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री राजेश श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा श्रीवास्तव (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष चौरसिया- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री संतोष चौरसिया (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती श्याम प्यारी- हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री चंद्रमणी की धर्मपत्नी श्रीमती श्याम प्यारी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री बिशन सिंह ठाकुर- कंजड़ मोहल्ला घमापुर निवासी श्री बिशन सिंह ठाकुर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश कुमार राम- सुभाष कॉलोनी सिविल लाइन निवासी श्री रामधारी राम के पुत्र श्री मुकेश कुमार राम (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रूपा राजपूत- सुहागी अधारताल निवासी श्री पवन राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा राजपूत (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम शंकर पाठक- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री राम शंकर पाठक (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश राजपूत- झिरिया कुआं करियापाथर निवासी श्री मुकेश राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

प्लेटफार्म नंबर-6 के बाहर तेज रफ्तार कार ने आरक्षक को रौंदा

जबलपुर, देशबन्धु। सिविल लाईन थाना अंतर्गत प्लेटफार्म नंबर-6 के बाहर देर रात एक तेज रफ्तार एसयूवी कार अनियंत्रित हो गई, जो आरपीएफ आरक्षक को दबाती हुई सीधे पेड़ से जा टकराई। हादसे में आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रेलवे अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना के बाद ड्राइवर जो कि नशे में था ने भागने की कोशिश की, जिसे स्टैंड वालों ने पकड़ लिया एवं उसे कमरे में बंदकर जमकर पीटा। जिससे वह भी घायल हो गया। ईतना ही नहीं स्टैंड वालों ने पुलिस को बुलाने की जरूरत नहीं समझी।

घटना की सूचना लगने पर मीडिया वहां पहुंची एवं उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इसके कुछ समय बाद सिविल लाइन पुलिस के केवल दो जवान पहुंचे। जिन्होंने घायल ड्राइवर को जो की जंजीरों में बंधा हुआ था, को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गए। वहीं घटना के बाद अपने साथी के घायल होने की सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने अपने साथी को तुरंत रेलवे अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया। जहां वह खतरे से बाहर बताया जा रहा। घटना के लगभग 45 मिनट बाद पहुंचे आरपीएफ थाना प्रभारी ने घटना की जानकारी ली। इस संबंध में प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार जिस समय यह घटना हुई उस समय भीड़ नहीं थी, वहां केवल स्टैंड वाले ही बैठे थे, जो बाल-बाल बच गये। यदि किसी ट्रेन का समय होता या कोई गाड़ी आई होती तो घटना कितनी भयावह होती इसका अंदाजा लगाना शायद मुश्किल है।

कार चालक को कमरे में बांधकर पीटा-घटना के बाद ड्राइवर को स्टैंड वालों ने पकड़ लिया। जिसे जनता के सामने ही बुरी तरह मारा जिससे वह घायल हो गया। इतना ही नहीं बंद करके उसके हाथ पैरों को जंजीरों से बांध दिया गया। यदि ड्राइवर को पकड़ कर तुरंत पुलिस को सूचना देते तो शीघ्र कार्रवाई हो सकती थी। परंतु स्वयं कानून में हाथ लेकर जंजीरों से बांधना और फिर तालिबानी रूप से पीटना कहां तक उचित है।

बहू व मासूम को ससुराल वालों ने बंधक बनाकर पीटा

जबलपुर, देशबन्धु। लार्डगंज थाना में ससुराल वालों की कूरता का एक मामला सामने आया है। यहां पर ससुराल वालों ने अपनी फिजियोथैरेपिस्ट बहू व पांच वर्षीय बच्चे को बंधक बनाकर शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित किया। यहां तक कि कई दिनों भूखा रखा।

इस तरह के आरोप लगाते हुए मायके पक्ष के लोगों ने लिखित शिकायत एसपी टीके विद्यार्थी को सौंपी है। एसपी श्री विद्यार्थी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन दिया है। एसपी श्री विद्यार्थी को लिखित शिकायत देते हुए मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया है कि नीति का विवाह लार्डगंड निवासी कारोबारी विवाह विपुल जैन से 10 दिसम्बर 2017 को हुआ था। विवाह के बाद से ही पति विपुल, ससुर शीलचंद, सास कमला, ननद संध्या, सरिता व शालिनी द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। नीति ने मांग पूरी करने से मना किया तो शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित किया जाने लगा। यहां तक कि कई दिनों तक खाना नहीं दिया जाता था। बेटा श्रेयांस उम्र 5 वर्ष के साथ भी मारपीट की जाने लगी, उसे भी भूखा रखा जाता है। आए दिन होने वाली मानसिक प्रताडना को देखते हुए सामाजिक लोगों ने हस्तक्षेप किया, लेकिन पति व ससुराल वालों की प्रताडना कम न हुई। पिछले दिनों भी नीति को पति ने बुरी तरह पीटा और गला दबाकर माने की कोशिश की। जिससे नीति के शरीर पर चोटें आई। जिसका निजी अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक टीके विद्यार्थी ने कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित थाना को दिए हैं। फिलहाल महिला इलाजरत है।

बिजली कर्मियों को आंदोलन का अधिकार लेकिन बिजली प्रदाय बंद करने का नहीं

जबलपुर, देशबन्धु। बिजली कर्मियों को अपनी मांगों की पूर्ति के लिये आंदोलन करने का अधिकार है। लेकिन उन्हें बिजली सप्लाई में अड़चने पैदा करना, बिजली बंद करना आदियों को अधिकार नहीं है। क्योंकि बिजली जीवन का आवश्यक घटक है, तथा बिजली प्रदाय यह आवश्यक सेवाओं के अंतर्गत आती है। हाईकोर्ट ने भी इसे आवश्यक सेवा मानते हुए अनेकों निर्देश जारी किये हैं। अत: यदि बिजली प्रदाय में अड़चने पैदा करने से हाईकोर्ट के निदेशों का उल्लघंन होगा यह बताते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पीजी नाजपांडे तथा रतज भार्गव ने आज ऊर्जा सचिव संजय दुबे को तत्काल हस्तपेक्ष करने ई-मेल भेजा है।

मंच के अनुसार कर्मचारी हड़ताल के कारण बिजली कार्यालय बंद पड़े थे। उपभोक्ता भटकते रहे, यहां तक की हड़ताल बताकर उपभोक्ताओं को एटीसी मशीन में भी बिल जमा नहीं करने दिया गया। इस तरह उपभोक्ताओं को परेशानियों में डाला गया। डॉ.पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने ऊर्जा सचिव से निवेदन किया कि बिजली कर्मियों के मांगों के मामले में उच्च स्तरीय समिति बनाकर तत्काल कार्यवाही करें जिससे बिजली उपभोक्ताओं को परेशानियों से बचाया जा सके, तथा बिजली कर्मियों का हड़ताल रुक जाये। यदि तत्काल कार्यवाही नहीं हुई तो माननीय हाईकार्ट की शरण ली जायेगी।

दुकान किराये से लेकर हुक्का बार संचालित करते युवते गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में रेस्टोरेंट के नाम पर अभी भी हुक्का बार संचालित किये जा रहे हैं। जहां युवा वर्ग जाने का शौकीन हो गया है। यहां तक की यहां युवतियां भी जा रही हैं। यह वह लोग हैं जो कॉलेज में पढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में मदन महल थाना क्षेत्र के यादव कॉलोनी में पुलिस ने छापामार कर एक हुक्का बार पर्दा फाश किया है।

इस संबंध में मदन महल थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि हैप्पी अवर्श कैफे यादव कॉलोनी में आकाश यादव अवैध रूप से हुक्का बार चला रहा है, पुलिस ने सूचना पर तत्काल कैफे में दबिश दी। जहां एक युवक सामने लगे टेबलों पर हुक्का बार के उत्पाद रख कर ग्राहकों को पिलाते दिखा। पुलिस को आता देख हुक्का पीने वाले भाग गये। पुलिस ने हुक्का पिला रहे युवक को पकड़ा। जिसने अपना नाम आकाश यादव उम्र 23 वर्ष निवासी एमएलबी स्कूल के पास राईट टाउन मदन महल बताया। हुक्का बार पर कोई चेतावनी नहीं लिखी हुयी थी। आकाश यादव ने पूछताछ पर स्वयं द्वारा किराये से लेकर दुकान चलाना बताया। पुलिस ने आरोपी आकाश यादव से 2 हुक्का पॉट, 2 हुक्का पाईप, फ्लेवर जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

तस्करी युवक व युवती पकड़े गये, 3 किलो अधिक गांजा बरामद

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में महिलाओं का मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त होना शर्म की बात है। जो समाज में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी कड़ी में तिलवारा पुलिस ने एक युवती को गांजा की तस्करी व सिहोरा की टीम ने एक युवक को गांजा बेचते पकड़ा है। जिनसे कुल 3 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है।

इस संबंध में तिलवारा थाना प्रभारी सरिता बर्मन ने बताया कि शनिवार को क्राईम ब्रांच को सूचना मिली एक काले रंग की एक्सिस लिये एक युवती बरगी हिल्स सरस्वती स्कूल के पास सीमेंटेड रोड पर मादक पदार्थ गांजा रखे हुये खड़ी है। सूचना पर तत्काल क्राईम ब्रांच एवं थाना तिलवारा की टीम ने सरस्वती स्कूल के पास दबिश दी। जहां एक काले रंग की एक्सिस लिये एक युवती खड़ी दिखी। जिस थाने की महिला पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में जिसने अपना नाम अंजली ठाकुर पिता राममिलन ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी करोंदी रांझी बताया। जिसकी तलाशी लेने पर वह अपनी एक्सिस की डिक्की के अंदर पैकिट में गांजा रखे मिली। जो तौल करने पर 3 किलो 500 ग्राम गांजा होना पाया गया। पुलिस ने युवती से गांजा एवं एक्सिस वाहन जप्त करते हुये। आरोपिया के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। और पूछताछ शुरू कर दी है।

सिहोरा में गांजे के साथ युवक धराया-इसी प्रकार सिहोरा थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि धर्मेन्द्र काछी निवासी मन्नू खम्हरिया का सफेद शर्ट एवं नीले रंग की पेंट पहने गांव के बाहर आम के पेड़ के नीचे गांजा रखे बेचने के लिये खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल गांव के बाहर आम के पेड़ के नीचे दबिश दी। जहां एक युवक हाथ में प्लास्टिक की पन्नी लिये खड़ा मिला, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में जिसने अपना नाम धर्मेन्द्र काछी पिता जगन्नाथ काछी उम्र 24 वर्ष निवासी मन्नू खम्हरिया बताया। पुलिस ने जिसकी तलाशी ली तो सफेद रंग की पन्नी में गांजा रखे मिला। जो तौल करने पर 300 ग्राम पाया गया। जिसे जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

रात के अंधेरे में जेल फांदकर भागा बंदी

सर्चिंग के दौरान पकड़ा गया

कटनी, देशबन्धु। जेल की चहारदीवारी फांदकर भागने वाले विचाराधीन बंदी 35 वर्षीय ललन कोल निवासी गुड़गुडौहा धकैया मोहल्ला कैमोर को जेल लाइन के किनारे नाली से 6 एवं 7 अक्टूबर की दरमियानी रात 2.30 बजे गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जाता है कि दीवार से कूदने के बाद बंदी ललन कोल की हड्डी टूट गई थी और यह भाग पाने में असफल रहा तो दीवार के पास ही दुबक गया और खुद को छिपाने का प्रयास करने लगा। इस बीच जब बंदी के भागने की खबर लगी तो उसकी तलाशी प्रारंभ कर दी गई।

बंदी के फरार होने के मामले में एक प्रहरी को शाबासी मिली है तो दूसरे प्रहरी को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है। जेल और जिला पुलिस के सहयोग से जब जांच शुरू की गई तो बंदी जेल की दीवार के पास ही नाले के पास पड़ा मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी के मुताबिक बंदी ललन कोल को जेल प्रहरी योगेन्द्र पटेल के द्वारा पकड़ा गया है। दूसरी तरफ लापरवाही बरतने वाले प्रहरी रामकंद श्रीवास निलंबित कर दिया गया है। दीवार कूदकर फरार हुए बंदी की हड्डी न टूटती तो वह मुसीबत बन जाता। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री प्रसाद द्वारा बंदी के जिला जेल की दीवार फांदकर की घटना की मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दे दिये हैं।

पुलिस वाला बन सोने की चेन एवं अंगूठी लेकर जालसाज फरार

जबलपुर, देशबन्धु। अधारताल थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग को फर्जी पुलिसवाले ने ठग लिया व उसके सोने की चेन व अंगूठी लेकर भाग निकला। जानकारी के अनुसार अधारताल थाना में बीती रात अजय कुमार उम्र 57 वर्ष निवासी आस्था परिसर न्यू रामनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रेल्वे से रिटायर्ड है। बीती रात अपनी स्कूटी से सब्जी लेने गोहलपुर सब्जी मंडी गया था। घर वापस आ रहा था। सुबह लगभग 9-45 बजे आंनद नगर के पास इलाहाबाद बैंक के बाजू से एक व्यक्ति मिला बोला कि मैं पुलिसवाला हूं यहां चैकिंग चल रही है।

तुम अपने सोने-चांदी का सामान उतार कर डिग्गी में रख लो, तो उसने सोने की चेन एवं अंगूठी उतारकर हाथ में ली तो उक्त व्यक्ति ने उसे कागज दिया बोला इसमें रख लो, उसने उस कागज में लपेट कर रख लिया। एक और व्यक्ति जो उक्त व्यक्ति का साथी था। उससे भी यही बात बोली जो उससे बोला की आप अपनी चैन अंगूठी डिग्गी में रख लो। उसने डिग्गी खोली तो उस व्यक्ति ने पुड़िया उसकी डिग्गी में रख दी तथा अपने साथी से कहा कि तुम साथ चौकी चलो तो वह अपनी स्कूटी

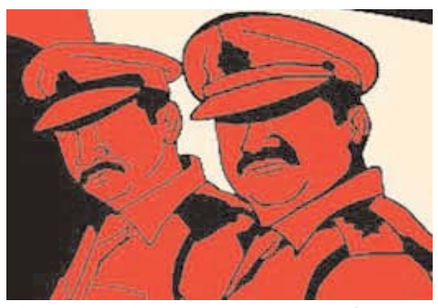

लेकर कुछ आगे बढ़ा एवं स्कूटी खड़ी करके डिग्गी खोलकर पुड़िया देखा तो चार कंकड़, गिट्टी के मिले उसने इधर उधर देखा तो उक्त दोनों व्यक्ति नजर नहीं आये दोनों व्यक्तियों द्वारा उससे छल कपट करते हुये उसकी सोने की चेन एवं अंगूठी ठगी कर ले गये। पीड़ित बुजुर्ग की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जिससे आरोपियों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द पकड़ लिया जायेगा।

जुए के फड़ पर छापा, 5 जुआरी गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। हनुमानताल थाना में बीती रात पेट्रोलिंग दौरान श्याम सिंह के धड़े में रोड किनारे स्ट्रीट लाईट की रोशनी में कुछ जुआरी ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते दिखे जो पुलिस को आता देख भागने लगे। कुछ जुआरी भागने मे सफल हो गये, कुछ जुआरियों को घेराबंदी कर पकड़ा, गया।

पकड़े गये जुआरियों ने नाम पता पूछने पर अपने नाम क्रमश: रहीस अंसारी निवासी गाजीनगर गोहलपुर, साकिर अंसारी निवासी मोतीनाला हनुमानताल, ताज मोहम्मद निवासी चारखम्बा गोहलपुर, मोह. अशरफ निवासी चारखम्बा पानी वाली तलैया गोहलपुर, घस्सू अंसारी निवासी छोटी मदार टेकरी हनुमानताल बताये। जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश एवं 2 हजार 660 रूपये जप्त करते हुये जुआरियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

कॉलेज से घर लौट रही स्कूटी सवार छात्राओं को मोटर सायकिल चालक ने मारी टक्कर

जबलपुर, देशबन्धु। हनुमानताल थाना में देर शाम कॉलेज से घर जा रही दो स्कूटी सवार छात्राओं को मोटर सायकिल चालक ने ओवर टेक करने के चक्कर में टक्कर मार दी और भाग निकला। थाने में निकिता सेन उम्र 20 वर्ष निवासी सिंधी केम्प ने बताया कि वह कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। गत दिवस अपने कॉलेज से स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसबी 2575 से घर से सिंधी केम्प जा रही थी। उसकी स्कूटी में पीछे उसकी बहन शालिनी सेन बैठी थी। शाम लगभग 5 बजे जैसे ही आशीष मंगोड़े वाले की दुकान के सामने सिंधी केम्प पहुंची, तभी पीछे से आ रही मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 केएम 8938 का चालक तेज गति से चलाते हुये उसे ओवरटेक करते हुये उसकी स्कूटी में टक्कर मार दिया। जिससे वह एवं शालिनी दोनों स्कूटी सहित गिर गये। जिससे दोनों को हाथ, पैर, सिर एवं शरीर में चोटें आयीं हैं। चालक अपनी मोटर सायकिल वहीं छोड़कर भाग गया। छात्राओं की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

पैदल जा रही महिला को बाइक सवार ने टक्कर मारी

इसी प्रकार पनागर थाना में शनिवार दोपहर में नितिन ठाकुर उम्र 34 वर्ष निवासी जयप्रकाश वार्ड मेन रोड पनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी भाभी पूनम ठाकुर घर के सामने से दोपहर लगभग 12-30 बजे पैदल जा रही थी। तभी कमानिया तरफ से मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 20 एम एक्स 5560 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसकी भाभी को टक्कर मार दिया। जिससे भाभी रोड पर गिर गयी। भाभी को हाथ, सिर चेहरे में चोट आयी है। नितिन की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मोटर सायकिल को टक्कर मारकर भागा एक्टिवा सवार

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थाना में भूपेन्द्र पटले उम्र 27 वर्ष निवासी कमानिया गेट के अंदर यूको बैंक के पास बरेला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह निरमा साबुन फैक्ट्री महगवां रोड में काम करता है उसका भाई दुर्गा प्रसाद राहंगडाले अपने दोस्त संतोष भोयर के साथ उसके घर आया था। फिर हम लोग उनके साथ मित्र के घर मनेरी गये।

मनेरी से शाम को वापस आते समय लगभग 5 बजे जैसे धनपुरी चौराहा के पास पहुंचे उसी समय पहाड़ी खेड़ा तरफ से एक्टिवा क्रमांक एमपी 20 एस ए 5215 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये आया और दुर्गाप्रसाद एवं संतोष भोयर जो उसकी मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 22 एम जे 9265 को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे मोटर सायकिल सहित गिर गये। गिरने से संतोष भोयर को हाथ, पैर एवं उसके भाई दुर्गा प्रसाद को बायें पैर एवं माथे में चोट आयी। स्कूटी का चालक एक्सीडेण्ट कर भाग गया। उसने दोनों घायलों को उपचार के लिये निजि अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

भ्रष्ट प्रक्रिया का विरोध किया तो कार्य परिषद से हटाया

आवेदक का दावा, हाईकोर्ट ने अनावेदकों से मांगा जवाब

जबलपुर, देशबन्धु। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी की कार्य परिषद के सदस्य पद से हटाये जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दायर मामले में दावा किया गया कि कार्य परिषद में नियम विरुद्ध निर्णयों का विरोध करने के कारण उन्हें हटाया गया है। जस्टिस जीएस आहलूवालिया की एकलपीठ ने मामले में राज्यपाल के उप सचिव, प्रमुख सचिव मेडिकल एजुकेशन तथा मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

हाईकोर्ट में यह मामला ग्वालियर निवासी डॉ. सुनील कुमार सिंह राठौर ने दायर किया है। जिसमें कहा गया है कि उन्हें 20 सितम्बर 2022 को मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में कार्य परिषद सदस्य सितम्बर 2025 तक नियुक्त किया गया था। कार्य परिषद के निर्णय तथा मिनिट्स की रिपोर्ट बेबसाइट में अपलोड नहीं करने के संबंध में उन्होंने कुलपति को पत्र लिखा था। इसके अलावा नियम विरुद्ध चल रहे नर्सिंग कॉलेज को मान्यता देने का विरोध भी किया था। राज्यपाल के उप सचिव ने 22 सितम्बर 2023 को आदेश जारी कर उन्हें कार्य परिषद सदस्य के पद से हटा दिया।

आदेश में पद से हटाने का कारण यह बताया गया कि कार्य परिषद के सदस्य तथा विश्व विद्यालय के अधिकारियों से कार्य, व्यवहार तथा आचरण की शिकायत कुलपति ने की थी। याचिका में कहा गया कि उन्हें पद से हटाये जाने के पूर्व किसी प्रकार का नोटिस भी नहीं दिया गया। पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। नियम अनुसार कार्याकाल पूर्ण होने तक उन्हें पद से नहीं हटाया जा सकता था। याचिका की सुनवाई के बाद एकलपीठ ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जबलपुर, देशबन्धु। पाक्सो की अदालत ने एक नाबालिगा को शादी का झांसा देकर उसका दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी विलियम नार्बट को 20 साल के कठोर कारावास व दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़िता को दो लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के आदेश दिये है।

अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि गोरखपुर थाने में पीड़िता ने शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें उसने बताया था कि आरोपी विलियम नार्बट उसके मोहल्ले में रहता है। जिससे वर्ष 2019 में उसकी दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई और विलियम उससे शादी करने की बात करने लगा। 1 अक्टूबर 2021 को विलियम उसे अपने साथ बाईक से मंदिर ले गया, जहां उसकी मांग में सिंदूर भर कहा आज से वह उसकी पत्नी है। इसके बाद आरोपी उसे अपने घर ले गया, जहां उसके साथ कई मर्तबा शरीरिक संबंध बनाये। इसके बाद उसने विलियम की हरकतों की जानकारी अपने परिजनों को दी। शिकायत पर पुलिस ने अपहरण, दुराचार व पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई पश्चात् अदालत ने आरोपी विलियम नार्बट को उक्त सजा से दंडित किया। मामले में शासन की ओर से एडीपीओं मनीषा दुबे ने पक्ष रखा।

पुरानी से नई जिला न्यायालय बिल्डिंग में स्थापित होगी हनुमान जी की प्रतिमा

जबलपुर, देशबन्धु। जिला न्यायालय के पुराने भवन की जगह अब हाईकोर्ट की एनेक्सी बिल्डिंग बनेगी। जिसकों लेकर वर्षो से विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा को नई जिला न्यायालय बिल्डिंग में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय जिला सत्र न्यायधीश आलोक अवस्थी के साथ संघ अध्यक्ष आरके सिंह सैनी व अन्य पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में लिया गया है। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के वाईस चेयरमेन व जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आरके सिंह सैनी ने बताया कि पुराने जिला न्यायालय परिसर में लगभग 50 वर्ष पूर्व संघ के सदस्य अधिवक्ता संतोष पाठक के पिता ने हनुमानत जी की प्रतिमा स्थापित करायी थी। अब वहां हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग का निर्माण होना है। जिसकों लेकर पांच अक्टूबर को उन्होने संघ के सदस्य जय भावसार एवं कीर्ति पटेल के साथ हाईकोर्ट रजिस्ट्रार रामकुमार चौबे से चर्चा की थी।

डीजे के साथ बैठक में लिया गया निर्णय- जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष आरके सिंह सैनी ने बताया कि इस संबंध में प्रधान सत्र न्यायधीश आलोक अवस्थी ने मीटिंग बुलाई थी। जिसमें उनके साथ संघ सचिव राजेश तिवारी, सीजेएम आलोक प्रताप सिंह, डिप्टी रजिस्ट्रार अंबुल श्रीवास्तव उपस्थित थे। जिसमें तय किया गया कि हनुमान की प्रतिमा को नई जिला न्यायालय बिल्डिंग में विधि विधान से स्थापित किया जायेगा।

जय श्रीराम के लगे नारे- बैठक उपरांत शनिवार शाम संघ अध्यक्ष आरके सिंह सैनी, शैलेन्द्र ठाकुर, महेन्द्र चक्रवर्ती, जय भावसार, कीर्ति पटेल, तरूण रोहितास, हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के सचिव परितोष त्रिवेदी, मनोज सिंह, उपेन्द्र सिंह, समरजीत सहित अन्य ने पुराने जिला न्यायालय में जाकर मुआयना किया। इसके साथ ही ठेकेदार को प्रतिमा पर किसी प्रकार की क्षति न हो इस संबंध में निर्देशित किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने जमकर जय श्रीराम के नारे लगाये।

विज्ञान विषय के शिक्षकों के साथ हो रहा पक्षपात

सहायक एवं प्राथमिक शिक्षक उच्च पद प्रभार से वंचित

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया प्रदेश के सभी जिलों में जारी है। जिसमें विज्ञान विषय के सहायक एवं प्राथमिक शिक्षकों के साथ पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। जहां एक तरफ अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, हिन्दी विषय के शिक्षकों को उच्च पद प्रभार देने के लिए प्राथमिकता दी जा रही है वहीं विज्ञान के शिक्षकों को उच्च पद प्रभार नहीं दिया गया। ये उनके साथ अन्याय है। क्योंकि विज्ञान के शिक्षकों की उपेक्षा हुई है, उन्हें योग्यता रखने के बावजूद विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जिससे विज्ञान शिक्षकों में रोष व्याप्त है।

संघ के जिलाध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, एनोस विक्टर, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, अशोक राय, क्रिस्टोफर नरोन्हा, धनराज पिल्ले, उमेष सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, ओम प्रकाश झारिया, गोपी शाह, रामकुमार कतिया, सुधीर अवधिया, आशा राम झारिया, मनीष मिश्रा, राज कुमार यादव, फिलिप अन्थोनी, सुधीर पावेल, विनोद सिंह, राजेन्द्र सिंह, संतोष चौरसिया, रामदयाल उईके, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, मनीष झारिया, रवि जैन, नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, सुनील स्टीफन, विनय रामजे, सरीफ अहमद अंसारी, आशीष कोरी, मनीष मिश्रा, एस.बी.रजक, सुखराम विश्वकर्मा आदि ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से मांग की है, कि विज्ञान विषय के सहायक शिक्षक और प्राथमिक शिक्षकों को भी उच्च पद प्रभार दिया जाए।

दिनारी खम्हरिया में तेंदुए की दहशत

सिहोरा, देशबन्धु। इन दिनों सिहोरा क्षेत्र अंतर्गत कई गांव में तेंदुए के देखे जाने से लोगों में दहशत व्याप्त है वहीं वन विभाग के अधिकारी भी तेंदुए की निगरानी कर रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिहोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दिनारी खमरिया एवं आसपास के क्षेत्र में इन दिनों तेंदुए के वन क्षेत्र में होने की जानकारी वन विभाग को है वही इन जंगलों से लगे गांव में लगातार तेंदुए की दस्तक से ग्रामीण जन दहशत में है वहीं इन गांव के सरपंचों के द्वारा तेंदुओं के गांव में होने की सूचना वन विभाग को दे दी गई है वन विभाग भी इन तेंदुए की निगरानी कर रहा है लेकिन स्थाई ठिकाना होने की वजह से वन विभाग भी इन जानवरों पर तरीके से देखरेख कर पाने में असमर्थ होता दिखाई दे रहा है हालांकि अब तक तेंदुए के द्वारा किसी तरह की कोई घटना को अंजाम नहीं दिया गया लेकिन इस खूंखार जानवर की वजह से ग्रामीण जन दहशत में हैं।

इनका कहना है

गांव में तेंदुए के आने से लोगों में दहशत है वन विभाग को सूचित कर दिया गया है एवं गांव में मुनादी भी कर दी गई है, जिससे ग्रामीणजन तेंदुए को देखकर सतर्कता से रहें।

वीरू शुक्ला, सरपंच दिनारी खम्हरिया

तेंदुए के गांव में होने की जानकारी के बाद विभाग द्वारा इसकी निगरानी की जा रही है।

अबरार खान, डिप्टी रेंजर वन क्षेत्र सिहोरा

हाईस्कूल खुककम में विधायक नंदनी मरावी ने किया अतिरिक्त कक्ष का भूमिपूजन

कुंडम, देशबन्धु। 3 करोड़ 38 लाख से हाई स्कूल का बनेगा भवन वहीं पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम संपन्न हुआ। सिहोरा विधायक प्रदेश मंत्री नंदनी मरावी ने खूककम स्कूल का भवन 3 करोड़ 38 लाख से बनने जा रहा जिसमें क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पढ़ने लिखने के लिए सुविधा मिल सके बच्चों को दूर जाना ना पड़े पढ़ने के लिए छात्र छात्रों की सुविधा को देखते हुए भूमि पूजन किया गया वहीं पर सिहोरा विधायक नंदनी मरावी ने कहा की मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 450 ? उज्जवल गैस देने की घोषणाकी गई थी उसका शुभआरंभ किया 450 रुपए में गैस सिलेंडर उज्जवल गैस माताएं बहनों लाडली बहनों को प्राप्त होगा इसी शुभ अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कमलेश साहू सांसद प्रतिनिधि सतीश अवस्थी जिला अध्यक्ष संतोष सिंह बड़कड़े जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह धुर्वे मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी एल यादव मंडल अध्यक्ष राजेश साहू कुंडम गैस एजेंसी के महेंद्र सिंह बघेला मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह बरकड़े रमेश विश्वकर्मा जनपद सदस्य सुमन मरावी रामचंद्र मरावी उपसरपंच शांति बाई भवेदी सरपंच नारायण प्रसाद डोंगरे अनूप पति राम भवेदी इसी शुभ अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवक अमरलाल झरिया मेरा माटी मेरा देश का कार्यक्रम भी वहां पर संपन्न किया गया है ग्राम के पंच एवं सरपंच और सचिव सहायक सचिव एवं छात्र-छात्राएं माताएं बहने समस्त कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

बालसभा में छात्र-छात्राओं को सुनाई शिक्षाप्रद, प्रेरक कहानियां

सिहोरा, देशबन्धु। शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार बच्चों के पठन-पाठन की प्रक्रिया में रोचकता पैदा हो। कक्षा रोचक बनें और बच्चों रुचिपूर्ण ढंग से सीखें। बच्चे अपने क्षेत्र की लोक संस्कृति, लोक साहित्य, परंपराओं व सभ्यताओं से परिचित हो सकें। इस हेतु प्रत्येक शनिवार को बालसभा आयोजित करने के निर्देश है इसी तारतम्य में मे शनिवार को शासकीय प्राथमिक शाला लखराम में बाल सभा में प्रधानाध्यापक अशोक तिवारी एवं योगेंद्र मिश्रा द्वारा बच्चों को धानी के तीन दोस्त, जंगल में खुशबू, नदी में नाव नाव में गांव ,कहानी सुनाई गई , कहानियों के पश्चात बच्चों को बीच-बीच में कहानी से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछे गए जिसका बच्चों में रोचक ढंग से उत्तर दिया।

सार-समाचार

ताबड़तोड़, लोकार्पण और शिलान्यास से पाटन क्षेत्र का मतदाता हुआ अचंभित

पाटन, देशबन्धु। जैसे जैसे विस चुनाव की घड़ी नजदीक आ रही है और किसी भी दिन प्रदेश में चुनाव आयोग के द्वारा आचार संहिता लागू की जा सकती है वही सत्ता में काबिज भाजपा के मौजूदा विधायक अपनी पाटन विधान सभा क्षेत्र में ताबड़तोड़, लोकार्पण और शिलान्यास करके सभी जाति धर्म के लोगों को साधने में जुटे है। उसी कड़ी में विधान सभा क्षेत्र पाटन में सरकारी खर्चे पर अनेक कार्यक्रम आयोजित करके एक ही दिन में कई लोकार्पण और शिलान्यास करके साहब ने इतिहास रच दिया वही विधायक के कार्यक्रम में उनका नाम और तस्वीर प्रकाशित नहीं होने पर संस्था के मालिकों से पाटन के पत्रकारों की शिकायत करी जा रही है। हालाकि एक ही दिन में साहब के द्वारा पाटन में निषादराज भवन की सौगात, वार्ड नंबर 13 में वीरांगना रानी दुर्गावती जी भव्य प्रतिमा का अनावरण एवं वीरांगना रानी अवंती बाई जी की मूर्ति स्थापना हेतु भूमि पूजन किया गया, वार्ड क्रमांक 11 में स्थित ईदगाह के पास पेवर ब्लॉक कार्य का भूमिपूजन, पाटन विस के अंतर्गत लुहारी लड़ोई में सामुदायिक भवन बड़ादेव का भूमिपूजन तथा रंगमंच निर्माण बड़ादेव का लोकार्पण, कबीर भवन खामोद, रानी दुर्गावती भवन, पाटन एसडीएम कार्यालय का लोकार्पण, दीदी भवन स्वासह्यत समूह की बहनों के लिए सौगात,कटंगी में फुटपाथ विक्रेताओं का सम्मेलन, मझौली में बड़ा देव सभागृह का भूमिपूजन और विधायक निधि से बने मंच का लोकार्पण करके विस क्षेत्र में विकास की एक ही दिन में गंगा बहा दी जिससे पाटन विधान सभा क्षेत्र का मतदाता बेहद अचंभित है।

शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल महाविद्यालय में स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर आयोजित 500 विद्यार्थियों को मिला लाभ

सिहोरा, देशबन्धु। स्थानीय शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में जनभागीदारी समिति के सहयोग से, यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी तथा महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्तित प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण करने हेतु मुख्य चिकित्सालय, सिहोरा से चिकित्सकों की टीम सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक महाविद्यालय में उपस्थित रही। शिविर का शुभारंभ जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष राजा मोर, डॉ श्रीमती संतोष जाटव क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम.के. श्रीवास्तव, आइक्यूएसी समन्वयक डॉ सुनु,आर के मैथ्यू तथा यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रभारी श्री पवन कुमार नामदेव की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर किया गया । स्वास्थ्य जांच में विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण, सामान्य खून जांच तथा अन्य सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की निराकरण की जानकारी प्रदान की गई। चिकित्सालय की टीम में डॉ आरपी त्रिपाठी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ पूजा रैकवार, चिकित्सा अधिकारी, डॉ शैली पटेल, दंत चिकित्सक, श्री मनोज गुप्ता,वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक,श्री अनूप गुप्ता, श्री आशीष श्रीवास्तव, श्री राजेंद्र गुप्ता, श्री देवेंद्र राजपूत, श्री संतोष चक्रवर्ती ने शिविर के सफल आयोजन में विशेष योगदान दिया। स्वास्थ्य शिविर से महाविद्यालय के लगभग 500 विद्यार्थी तथा समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ ने स्वास्थ्य जाँच कराकर लाभ प्राप्त किया।शिविर को सफल बनाने में महाविद्यालय परिवार के डॉ डीके बघेल, डॉ नीता तिवारी डॉ गीता पांडे, डॉ अंजलि मांडवे, डॉ संदीप कुर्मी, श्री ऋषिकेश चंद्रवंशी, डॉ स्वाती महोबिया, श्री जागेश्वर प्रजापति, डॉ राहुल कुमार शर्मा, श्री अखिलेश कुमार कुर्मी तथा महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक तथा सहयोगी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ग्राम पंचायत बलहवारा में सार्वजनिक सभागार का लोकार्पण

बरेला, देशबन्धु। शनिवार को भव्य और दिव्य सार्वजनिक सभाग्रह का लोकार्पण समारोह विधायक सुशील इंदु तिवारी के करकमलों द्वारा विधायक निधि से 15 लाख की राशि से बने ऐतिहासिक सभागृह का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर देवतुल्य ग्रामवासियों के साथ समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सरपंच श्वेता-भानू नवेरिया, उपसरपंच कीर्ति,-राजेंद्र लोधी के साथ सभी पंचों एवं सचिव अंबिका पटेल, सहायक सचिव मुकेश पटेल ने सभी अतिथियों का स्वागत कर सभी का आभार व्यक्त किया।

सीएम हेल्प लाइन में उत्कृष्ट कार्य करने पाटन सीएमओ सम्मानित

पाटन, देशबन्धु। सीएम हेल्प लाइन में उत्कृष्ट कार्य करने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत सीएमओ नीलम गोवर्धन सिंह चौहान नगर परिषद पाटन को सीएम.हेल्पलाइन (181) में दर्ज शिकायतों पर व्यक्तिगत रुचि लेते हुए समय सीमा के अंदर लंबित शिकायतों का निराकरण कराया गया था। वही 20 शिकायतें प्राप्त करने वाले नगर परिषदों की श्रेणी में पाटन निकाय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए। सितम्बर माह में 97.39 प्रतिशत वेटेज स्कोर प्राप्त कर ग्रेड के साथ प्रदेश स्तर पर नगर परिषद्व पाटन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

कुड़ारी उमरिया संकुल प्राचार्य का विदाई समारोह आयोजित

बरेला, देशबन्धु। उमरिया कुड़ारी संकुल केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुडारी उमरिया में पदस्थ प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी पवैया का सहायक संचालक पद पर राज्य विज्ञान संस्थान केंद्र जबलपुर में उच्च पद पर प्रभार मिला है जिसका आज विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में श्री रमेश प्रसाद मरावी श्री आर लखेरा श्री दालचंद पासी श्री मुकेश मेहरा श्री संजय केशरवानी श्री नरेश पटेल मोहन पटेल, जया बोरिया,प्रियंका कटरा श्रीमती रचना शुक्ला, लक्ष्मी सिंह, शुभ संदेश सिंगोर, डीके विश्वकर्मा, महेंद्र रहेंगडाल, प्रफुल्ल बनाफर, सुरेंद्र चौबे, प्रमोद विश्वकर्मा, आरएल कोल हरबंस सिंह मार्को, दिनेश पासी, प्रसोद सिंह धुर्वे, नितेश नामदेव, मनोज झरिया, कमलेश कोल उपस्थित रहे।

छतरपुर जा रहे कार्यालय को रोकने मुख्यमंत्री से गुहार

गोसलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक 1145074 दिनांक भोपाल दिनांक 22 सितंबर के तहत अधीक्षण यंत्री के सर्वे एवं अनुसंधान मंडल जबलपुर 47 अस्थाई को कार्यरत अमला सहित केन बेतवा लिंक परियोजना जल संसाधन मंडल छतरपुर स्थानांतरित कर दिया गया है। समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों को जबलपुर से छतरपुर आने जाने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला संरक्षक योगेन्द्र दुबे ने बताया है कि पूर्व में पूर्व में जबलपुर मंडल कार्यालय द्वारा ही संभाग के समस्त कार्यालय का कार्य संपादित किया जाता था। आज भी मंडल कार्यालय जबलपुर द्वारा कार्य संपादित किया जा सकता हैं।

मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, संतोष मिश्रा के साथ के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम का एक मांग पत्र संभागीय आयुक्त जबलपुर के माध्यम से प्रेषित किया गया जिसमें मांग की गई है कि जबलपुर से स्थानांतरित किया जा रहे कार्यालय को जबलपुर में ही रखा जाए यदि कार्यालय छतरपुर स्थानांतरित किया जाना आवश्यक होता है तो भी समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को जबलपुर शहर के कार्यालय में ही समाहित किया जाए इन छोटे कर्मचारियों को अनावश्यक स्थानांतरित कर परेशान ना किया जाए।

मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, संतोष मिश्रा, नितिन सेलेट ,नरेश शुक्ला , विश्वदीप पटेरिया ,इंद्र प्रताप यादव, प्रसांत सोंधिया, देव दोनेरिया, रविकांत दहायत, योगेस चौघरी, संध्या पाठक, अजय दुबे , योगेन्द्र मिश्रा, धीरेंद्र सिंह, मुकेश मरकाम, आसुतोष तिवारी, नरेंद्र सेन, रजनीश पांडेय, संदीप नेमा, गोविंद विल्थरे ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से जबलपुर से स्थानांतरित किया जा रहे कार्यालय को छतरपुर ना भेजे जाने की मांग की है।

प्राणघातक हमले में घायल किसान की इलाज के दौरान मौत

परिजनों ने पुलिस एवं सिविल अस्पताल पर लगाए थे लापरवाही के गंभीर आरोप

पाटन, देशबन्धु। विगत दिनों पाटन थानांतर्गत पुरानी रंजिश के चलते रमपुरा गांव के किसान पर गांव के ही युवक के द्वारा ट्यूबवेल में पंप डालने के दौरान प्राण घातक हमला किया गया था। 8 वे दिन आखिरकार किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। ये हैं मामला-30 सितंबर को डाल सिंह राजपूत पिता स्वर्गीय मुल्लू सिंह राजपूत उम्र 56 वर्ष निवासी रमपुरा तह.पाटन जिला जबलपुर अपने खेत में 4ः30 बजे के आस पास ट्यूबवेल में मोटर डाल रहे थे तभी गांव का धर्मेंद्र गौड़ उम्र 32 वर्ष निवासी रमपुरा तह.पाटन जिला जबलपुर अपने अन्य साथियों के साथ खेत पर आकर बिना वजह किसान को गंदी-गंदी गालियां देने लगा उसने गलियां देने से मना किया तो धर्मेंद्र ने डंडे से हमला कर दिया बताया जा रहा है कि आरोपी के साथ 3-4 लोग और थे। अचानक हुए हमले से किसान अपने आपको संभाल पाता इसके पहले ही आरोपी ने सिर एवं कान के पास डंडे से जानलेवा हमला करके किसान को गंभीर चोट पहुंचा कर घायल कर दिया जिसकी वजह से वह बोर के पास ही आचेत होकर गिर गया था। आरोपी ने बोला यदि पुलिस में शिकायत करोगे तो तुमको और तुम्हारे परिवार को जान से खत्म कर दूंगा ये कहते हुए सभी आरोपी घटना स्थल से फरार हो गए थे वही घटना की जानकारी लगते है परिजन एवं ग्रामीण खेत पहुंचे जहां घायल डाल सिंह ने परिजनों को घटना के संबंध में बताया था कि धर्मेंद्र गौड़ एवं उसके साथियों ने डंडे से हमला करके उसे लहू लुहान किया है और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए है।

परिजनों ने पुलिस एवं सिविल अस्पताल पर लगाए थे लापरवाही के गंभीर आरोप

देशबन्धु संवाददाता से चर्चा के दौरान 30 सितंबर को परिवार के सदस्यों ने बताया था कि घटना की सूचना परिजनों ने हंड्रेड डायल को दी थी लेकिन घंटो बीत जाने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थीं। घायल वही खेत पर तड़पता रहा उसके बाद परिजनों घायल को सिविल अस्पताल पाटन लेकर आए यहां भी डॉक्टरों ने घायल का इलाज न करके पीड़ित को बिना देखे ही जबलपुर रिफर कर दिया था। इसके बाद भी घायल की परेशानी कम नहीं हुई मरीज को जबलपुर मेडीकल कॉलेज पहुंचाने के लिए एंबुलेंस का भी बहुत देर तक इंतजार करना पड़ा था। वही मामला दर्ज करने पुलिस भी आनाकानी करती दिखी मीडिया के दखल के बाद ही पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था लेकिन पीड़ित की मृत्यु के उपरांत पंचनामा कार्यवाही करते हुए मृतक का पीएम होने के उपरांत शव को परिजनों को सौंपते हुए उक्त प्रकरण में 302 की धारा और बढ़ाई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक घटना का मुख्य आरोपी धर्मेंद्र गौड़ ने 07 अक्टूबर को सुबह 12 से 01 बजे के आस पास थाने पहुंचकर खुद आत्म समर्पण कर दिया था। लेकिन पुलिस का कहना है कि आरोपी को घेराबंदी करके पकड़ा है।

इनका कहना है

जब घटना के संबंध में पाटन थाना प्रभारी नवल आर्य से बात की गई तो उनका कहना था कि इलाज के दौरान किसान की मौत हो गई, इसकी जानकारी हमे मिल चुकी है। हम आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रहे हैं।

मित्रता करो तो श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी

सुदामा चरित्र की कथा का किया वर्णन : पं. शिवम शुक्ल महाराज

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन वृंदावन धाम से पधारे कथा वाचक पं. शिवम शुक्ल जी महाराज ने सुदामा चरित्र, भगवान का निजधाम गमन की कथा का वर्णन किया। उन्होंने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मित्रता करो, तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी करो। सच्चा मित्र वही है, जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे। परंतु आजकल स्वार्थ की मित्रता रह गई है। जब तक स्वार्थ सिद्ध नहीं होता है, तब तक मित्रता रहती है। जब स्वार्थ पूरा हो जाता है, मित्रता खत्म हो जाती है।

उन्होंने कहा कि एक सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर मित्र कृष्ण से मिलने द्वारकापुरी जाते हैं। जब वह महल के द्वार पर पहुंच जाते हैं, तब प्रहरियों से कृष्ण को अपना मित्र बताते है और अंदर जाने की बात कहते हैं। सुदामा की यह बात सुनकर प्रहरी उपहास उड़ाते है और कहते है कि भगवान श्रीकृष्ण का मित्र एक दरिद्र व्यक्ति कैसे हो सकता है। प्रहरियों की बात सुनकर सुदामा अपने मित्र से बिना मिले ही लौटने लगते हैं। तभी एक प्रहरी महल के अंदर जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि महल के द्वार पर एक सुदामा नाम का दरिद्र व्यक्ति खड़ा है और अपने आप को आपका मित्र बता रहा है। द्वारपाल की बात सुनकर भगवान

कृष्ण नंगे पांव ही दौड़े चले आते हैं और अपने मित्र सुदामा को रोककर गले लगा लिया। सुदामा चरित्र के साथ ही हवन के साथ कथा का समापन हुआ। *आज 8 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से भंडारा होगा।* व्यासपीठ का पूजन आयोजन अशोक अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, ज्ञान अग्रवाल, शैलेष अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अखिलेश अग्रवाल, अनुभव अग्रवाल आदि ने किया

सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। शनिवार 7 अक्टूबर को सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों ही माध्यम के सभी विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान और कॉमर्स विषय के अनेक मॉडल बनाएं उनका विधिवत प्रस्तुतीकरण किया जिसका प्रारंभ विद्यालय के वाइस प्रेसिडेंट फादर पी जोशिवा तथा प्राचार्या मिनाती एस. चार्ल्स द्वारा रिबन काटकर किया गया। सभी अभिभावकों ने बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों को ध्यान से देखा उन मॉडलों के बारे में बच्चों ने अच्छे तरीके से प्रस्तुतिकरण दिया।

स्वच्छता पखवाड़ा के समापन अवसर पर स्वच्छता जागरुकता रैली

जबलपुर, देशबन्धु। शनिवार को स्वच्छता पखवाड़ा के समापन अवसर पर यश नर्सरी हायर सेकंडरी स्कूल गोहलपुर, जबलपुर के तत्वाधान में स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, बैंड की सुमधुर धुन बजाते नन्हे मुन्ने स्काउट्स और गाइड के छात्रों की अगुआई में समस्त छात्र छात्राएं हाथो में स्वच्छता स्लोगन में लिए गोहलपुर की विभिन्न बस्तियों से होते हुए लोगो को जागरूक किया।

ब्रिक्स की बदौलत ईरान, यूएई वैश्विक आर्थिक केंद्र बनेगा: गालिबफ

तेहरान, (एजेंसियां)। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ एक बैठक में कहा कि तेहरान और यूएई एक वैश्विक आर्थिक केंद्र बन सकते हैं, यह अवसर उनके द्विपक्षीय सहयोग तथा ब्रिक्स समूह में सदस्यता से सुनिश्चित किया जा सकता है। तस्नीम समाचार एजेंसी ने श्री गालिबफ के हवाले से कहा, 'हम भविष्य में सभी दिशाओं में एक आश्वस्त कदम उठाने और सभी क्षेत्रों में दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को विकसित करने का इरादा रखते हैं। दोनों देशों की भौगोलिक स्थिति के कारण, हम दुनिया में सबसे बड़ा आर्थिक केंद्र बन सकते हैं और यह अवसर द्विपक्षीय संबंधों और ब्रिक्स में सदस्यता के माध्यम से दोनों देशों के बीच मौजूद है।' उन्होंने कहा कि यूएई की उनकी यात्रा का उद्देश्य कई अधिकारियों के साथ ईरान और अबू धाबी के बीच विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों, विशेष रूप से खाड़ी क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा करना था।

'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं: पुतिन

बीजिंग, (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 5 अक्तूबर को दक्षिणी रूसी शहर सोची में कहा कि 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। पुतिन ने सोची में रूसी थिंक टैंक वल्दाई इंटरनेशनल डिबेट क्लब की वार्षिक बैठक में भाग लिया। उन्होंने संवाददाता से कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था ने विकास बनाए रखा है और चीन विश्व अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण इंजनों में से एक बना हुआ है। 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। रूस और चीन यूरेशियन आर्थिक संघ और 'बेल्ट एंड रोड' पहल के बीच सहयोग के

कार्यान्वयन को बढ़ावा दे रहे हैं। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और चीन के बीच सहयोग अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्थिति को स्थिर करने में बहुत महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। रूस और चीन कोई छोटा समूह स्थापित नहीं करेंगे, लेकिन उनके आसपास जो हो रहा है उस पर प्रतिक्रिया करने के लिए मजबूर होंगे। इसके अलावा पुतिन ने यह भी कहा कि रूस और चीन सड़कों और रेलवे के निर्माण में सहयोग कर रहे हैं और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में भी व्यावहारिक सहयोग कर रहे हैं और दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार में पूरक भूमिका निभा रहे हैं।

> चीन की अर्थव्यवस्था ने विकास बनाए रखा है और चीन विश्व अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण इंजनों में से एक बना हुआ है। 'बेल्ट एंड रोड' पहल में व्यापक विकास संभावनाएं हैं। रूस और चीन यूरेशियन आर्थिक संघ और 'बेल्ट एंड रोड' पहल के बीच सहयोग के कार्यान्वयन को बढ़ावा दे रहे:-व्लादिमीर पुतिन, रूसी राष्ट्रपति

पुतिन ने परमाणु शक्ति संपन्न बुरेवेस्तनिक मिसाइल के परीक्षण का दावा किया

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि उनके देश ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल का अंतिम सफल परीक्षण किया है। बीबीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी उनके प्रवक्ता द्वारा न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट को खारिज करने के बाद दी, जिसमें कहा गया था कि बुरेवेस्तनिक नामक हथियार का परीक्षण आसन्न था। प्रायोगिक हथियार, जिसकी घोषणा पहली बार 2018 में की गई थी, को संभावित असीमित रेंज वाला कहा गया है। माना जा रहा है कि यह परमाणु रिएक्टर द्वारा संचालित है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है लेकिन आधिकारिक रूप से इसकी क्षमताओं के बारे में बहुत कम जानकारी है और रिपोर्ट है कि पिछले परीक्षण विफल रहे हैं। श्री पुतिन के बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है और रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, पिछले माह प्रसारित उपग्रह चित्रों से संकेत मिलता है कि रूस ने हाल ही में एक दूरस्थ आर्कटिक द्वीप पर नई सुविधाओं का निर्माण किया है, जहां पहले सोवियत परमाणु परीक्षण किए गए थे।

भारत के दबाव में झुका कनाडा, भारत में रह रहे अपने कई राजनयिकों को मलेशिया और सिंगापुर भेजा

नई दिल्ली, देशबन्धु। खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों के बाद अब दोनों देशों के रिश्ते बिगडते जा रहे है। भारत द्वारा कनाडा सरकार को अपने 41 राजनयिकों को वापस बुलाने के लिए दिए गए निर्देश के बाद अब कनाडा पिछले पांव पर आ गया है।

कनाडा के विदेश मंत्री की निजी बातचीत करने की गुहार भी भारत सरकार द्वारा खारिज कर दी गई। इसके बाद अब कनाडा के राजनयिकों की वापसी शुरू हो गई है। कनाडा सरकार ने कई राजनयिकों को भारत से हटाकर मलेशिया और सिंगापुर भेज दिया है;

- दोनों देशों के रिश्ते बिगडते जा रहे
- कनाडा के राजनयिकों की वापसी शुरू हो गई

गौरतलब है कि कनाडा यह कदम उठाने के लिए तब मजबूर हुआ है,जब भारत ने उसके उपर अनुपातिक रूप से राजनयिक संतुलन बनाने का दबाव बना दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची एक दिन पहले ही कह चुके हैं कि भारत में कनाडा के राजनयिकों की संख्या ज्यादा है,इसे घटाकर कनाडा में तैनात भारतीय राजनयिकों की संख्या के बराबर किया जाना चाहिए। उन्होंने कनाडा के राजनयिकों पर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करन`का भी आरोप लगाया था।

इससे पूर्व कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने बिना किसी ठो सबूत के आरोप लगाया था कि भारत के खुफिया एजेंटों ने खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या करवाई थी। इसी के साथ दोनों देशों के बीच विवाद शुरू हो गया था। भारत ने इस मामले में कनाडा से सबूत मांगा था, जो वही नहीं दे सका।

आज का इतिहास

1931–भारतीय राजनीतिज्ञ पद्मनाभ बालकृष्ण आचार्य का जन्म।

1932–भारतीय वायुसेना का गठन।

1936–प्रसिद्ध हिन्दी कहानीकार और उपन्यासकार प्रेमचंद का निधन।

1965–डाकघर टॉवर लंदन में खोला गया।

1973–ब्रिटेन का पहला स?वतंत्र रेडियो स?टेशन एलबीसी शुरू हुआ।

1996–ओटावा में आयोजित सम्मेलन में लगभग 50 देश बारूदी सुरंगों पर विश्वव्यापी प्रतिबंध लगाने पर सहमत।

1998–भारत %फ्लाइट सेफ्टी फ़ाउंडेशन% का सदस्य बना।

2000–वोजोस्लाव कोस्तुनिका यूगोस्लाविया के राष्टपति बने।

2001–इटली के मिलान हवाई अड्डे पर दो विमानों के आपस में टकरा जाने के बाद एक में आग लग गयी, जिससे 114 लोगों की मौत हो गई।

2002–पाकिस्तान ने शाहीन मिसाइल का पुन¬ परीक्षण किया।

2003–टोक्यो में आयोजित मिस इंटरनेशनल प्रतियोगिता में मिस वेनेजुएला गोजेदोर एजुआ ने ख़िताब पर कब्ज़ा जमाया।

2004–भारतीय गेहूँ पर मौनसेंटो का पेटेन्ट रद्द। शांति का नोबेल पुरस्कार केन्याई पर्यावरणविद वांगरी मथाई को।

सुडोकू 6340

6		9						8
	4		2		9	1		
				7			9	
5				2	7			
3								6
			6	1				7
	9			8				
		1	5		6		3	
4						7		9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

रूसी लड़ाकू विमान ने नॉर्वेजियन सागर के ऊपर अमेरिकी गश्ती विमान को रोका

मॉस्को, (आईएएनएस)। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक रूसी मिग-31 विमान ने नॉर्वेजियन सागर के ऊपर एक अमेरिकी गश्ती विमान को रोका। रूसी हवाई क्षेत्र नियंत्रण प्रणालियों ने नॉर्वेजियन सागर के ऊपर राज्य की सीमा की ओर आने वाले एक हवाई जहाज का पता लगाया। इसके बाद उसे रोकने के लिए एमआईजी -31 लड़ाकू विमान को तैनात किया गया। विदेशी विमान की पहचान यूएस पी-8ए पोसीडॉन टोही विमान के रूप में की गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी लड़ाकू विमान को देख अमेरिकी विमान सीमा से दूर चला गया।

सुनक ने भारत-कनाडा के बीच जारी तनाव कम होने की जताई उम्मीद

लंदन, (आईएएनएस)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत-कनाडा के बीच राजनयिक तनाव में कमी आएगी। बिगड़ते संबंधों के बीच नई दिल्ली ने ओटावा से 10 अक्टूबर तक अपने 41 राजनयिकों को वापस बुलाने को कहा है। शुक्रवार शाम को अपने कनाडाई समकक्ष जस्टिन ट्रूडो के साथ एक कॉल में, सनक ने यूके की स्थिति की पुष्टि की कि सभी देशों को संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। एक सरकारी बयान में कहा गया,प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन की स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि सभी देशों को राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के सिद्धांतों सहित संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए। ट्रूडो ने भारत में कनाडाई राजनयिकों से संबंधित स्थिति पर सुनक को अपडेट किया और दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए। ट्रूडो द्वारा पिछले महीने संसद में भारतीय खुफिया एजेंटों द्वारा खालिस्तान समर्थक सिख कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप के बाद कनाडा और भारत के बीच संबंधों में खटास आ गई। ट्रूडो के आरोपों के बाद, दोनों देशों ने एक-एक राजनयिक को निष्कासित कर दिया और भारत ने कनाडा के आरोपों को राजनीति से प्रेरित और बेतुका बताया। हाल ही में, नई दिल्ली ने ओटावा को भारत में अपने 62 राजनयिकों में से 41 को वापस बुलाने के लिए कहा। सीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा ने अपने अधिकांश राजनयिक कर्मचारियों को भारत से निकाल लिया है और उन्हें कुआलालंपुर (मलेशिया) या सिंगापुर में स्थानांतरित कर दिया है।

लेबनान की नौसेना ने समुद्र से 125 अप्रवासियों को बचाया

बेरूत, (आईएएनएस)। लेबनानी नौसेना ने पाम द्वीप समूह के पास उत्तरी शहर त्रिपोली में अल-मीना के तट से एक अवैध आव्रजन नाव पर सवार 124 सीरियाई और एक लेबनानी को बचाया। नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नाव अल-अब्दा बीच से रवाना हुई थी और शुक्रवार दोपहर को इसका इंजन खराब हो गया।

कनाडा में विमान दुर्घटना, 2 भारतीय ट्रेनी पायलटों की मौत

कनाडा से एक दर्दनाक खबर सामने आ रही है। एक विमान दुर्घटना में दो भारतीय ट्रेनी पायलटों की मौत हो गई है। पायलट अभय गडरू और यश विजय रामुगड़े मुंबई के रहने वाले थे। कनाडा के पुलिस अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। इस दुर्घटना में कुल तीन लोगों की जान गई है। उन्होंने कहा कि दो इंजन वाला हल्का विमान पाइपर पीए-34 सेनेका चिलिवैक शहर में एक मोटल के पीछे पेड़ों और झाड़ियों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में भारतीय नागरिकों के अलावा एक अन्य पायलट की भी मौत हो गई।

कनाडा को लेकर अमेरिका की स्टैंड अभी तक साफ नहीं हो सका है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के द्वारा सिख अलगाववादी नेता और आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप पर बार-बार बयान बदल रहा है। ग्लोबल एंगेजमेंट सेंटर में अमेरिका के विशेष दूत और समन्वयक जेम्स रुबिन ने कहा कि यह पेचीदा विषय है।

बीके 5 अक्टूबर को एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अमेरिकी विशेष दूत ने कहा, यह एक पेचीदा विषय है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हम कनाडा की जांच का समर्थन करते हैं। हम चाहते हैं कि हर कोई मदद करे। भारत सरकार भी जांच में मदद करे। हम सभी से सहयोग करने का आग्रह करेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, मैंने कनाडा-भारत के मुद्दे का कोई विशेष सबूत नहीं देखा है, लेकिन मुझे पता है कि चीन ने कनाडा के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने का एक बड़ा प्रयास किया है। यह विडंबनापूर्ण है। आपको याद होगा दशकों से चीन कह रहा था कि कोई भी उसके घरेलू मामलों में हस्तक्षेप न करे। जब सूचना हेरफेर की बात आती है तो कनाडा की राजनीति में हस्तक्षेप की बात आती है। जब दक्षिण चीन सागर की बात आती है तो अचानक चीनी सरकार के लिए संप्रभुता इतनी महत्वपूर्ण नहीं रह जाती है। विदेश विभाग के प्रवक्ता एक रिपोर्ट पेश कर रहे थे जिसमें दिखाया

गया था कि चीन कैसे वैश्विक सूचनाओं को विकृत करने की कोशिश कर रहा है। विवाद के बीच भारत ने कनाडा के लिए वीजा देने की प्रक्रिया को निलंबित कर दिया है। साथ ही आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का हवाला देते हुए भारत में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति में कमी की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, यहां राजनयिकों की बहुत अधिक उपस्थिति या हमारे आंतरिक मामलों में उनके निरंतर हस्तक्षेप को देखते हुए हमने अपनी संबंधित राजनयिक उपस्थिति में समानता की मांग की है।

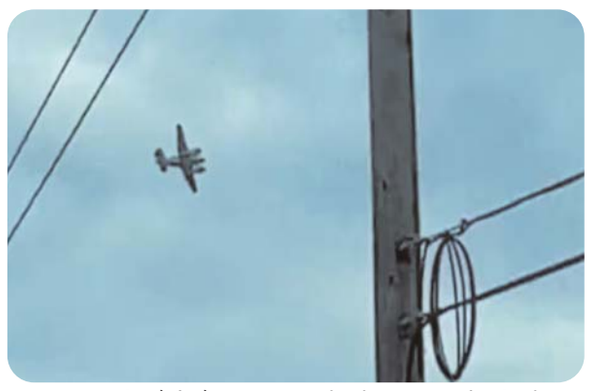

उन्होंने कहा, यह देखते हुए कि कनाडाई राजनयिक उपस्थिति अधिक है, हम मानेंगे कि इसमें कमी होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कनाडाई राजनयिकों की संख्या में कमी के परिणामस्वरूप भारत में कनाडाई उच्चायोग द्वारा जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या में कमी आ सकती है, बागची ने कहा, यह कनाडाई पक्ष पर निर्भर है कि वे उच्चायोग में किसे नियुक्त करना चाहते हैं। हमारी चिंताएं राजनयिक उपस्थिति में समानता सुनिश्चित करने से संबंधित हैं।

खालिस्तानी निज्जर की हत्या पर ट्रूडो के बेतुके आरोप, क्यों अमेरिका को इससे दूर रहने की जरूरत?

नई दिल्ली। भारत के सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्री रहने का खिताब कांग्रेस नेता एके एंटनी के पास है। उन्हें कांग्रेस पार्टी का आज्ञाकारी सेवक माना जाता रहा है। एंटनी अमेरिका के साथ डील करने में हमेशा झिझकते रहे। वह अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके चीन समर्थक राज्य सचिव हेनरी किसिंजर की ओर से स्स एंटरप्राइज (टास्क फोर्स 74) भेजने का हवाला देते थे। यूएस ने यह टास्क फोर्स बांग्लादेश की मुक्ति के लिए 1971 के युद्ध के दौरान बंगाल की खाड़ी में भेजा था। वह इसे सिग्नल मानते रहे कि अमेरिका पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। इस हफ्ते वाशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट में सवाल-जवाब के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दशकों के समझौते के बाद आखिरकार वैश्विक मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ काम करने लगे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर के बयान से संकेत मिला कि आखिरकार भारत ने यूएसएस एंटरप्राइज के भूत को दफना दिया है। माना गया कि अमेरिका ने किसिंजर चीन नीति को छोड़ दिया है और म्यूचुअल लाभकारी शर्तों पर भारत के साथ काम करने का फैसला लिया है। जयशंकर का यह बयान ऐसे समय आया जब अमेरिका का सबसे करीबी एंग्लो-सैक्सन सहयोगी कनाडा भारत और स के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है। कनाडा का यह प्रयास 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर किया गया। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने निज्जर की हत्या का आदेश दिया था। उन्होंने संकेत भी दिया कि फाइव आइज गठबंधन के हिस्से के रूप में अमेरिका ने ही यह खुफिया जानकारी दी। 18 सितंबर को संसद में ट्रूडो के बयान के बाद कहा गया कि इस आरोप को साबित करने के लिए कोई सबूत उपलब्ध नहीं है।

वर्ग पहेली 6340

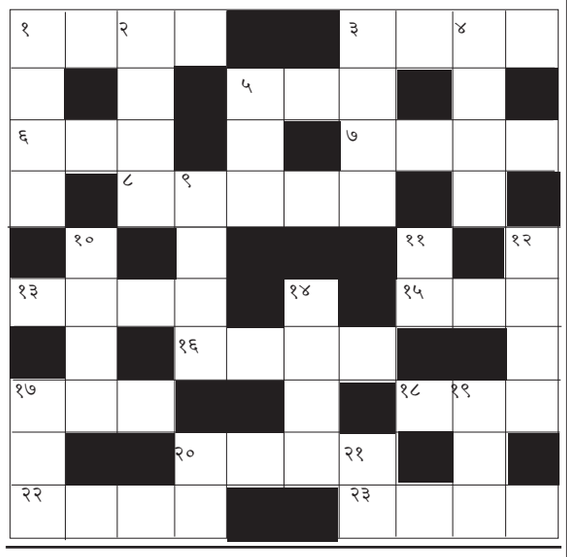

बायें से दायें:-

१. मंगलमय प्रारंभ
३. हृष्ट-पुष्ट
५. नमन
६. मूर्ति
७. शासन, केंद्र
८. किसी की मृत्यु के तेरहवें दिन पर होने वाला कार्यक्रम, तेरहवीं
१२. बंदीगृह
१५. धारण कर्ता
१६. चिढ़, घृणा (उर्दू)
१७. कुप्रथा
१८. फूल, पुष्प
२०. सेवा करने या किसी पद पर बने रहने का समय
२२. मुग्ध होना (मुहावरा)
२३. पहाड़ों के नीचे की जमीन

ऊपर से नीचे:-

१. मंगलदायक
२. थोड़ा भी, किंचित मात्र
३. साथ चलने वाला (उर्दू)
४. कराधान
५. उन्माद
९. योगनिर्दिष्ट बैठने की विधि
१०. कुल, वंश, भाईचारा, गोत्र (उर्दू)
११. अमृत
१२. रुकावट, बाधा
१४. बांसुरी
१७. दक्ष, निपुण
१९. भोर, प्रभात
२०. फौज
२१. बुरी आदत, व्यसन

वर्ग पहेली-6339

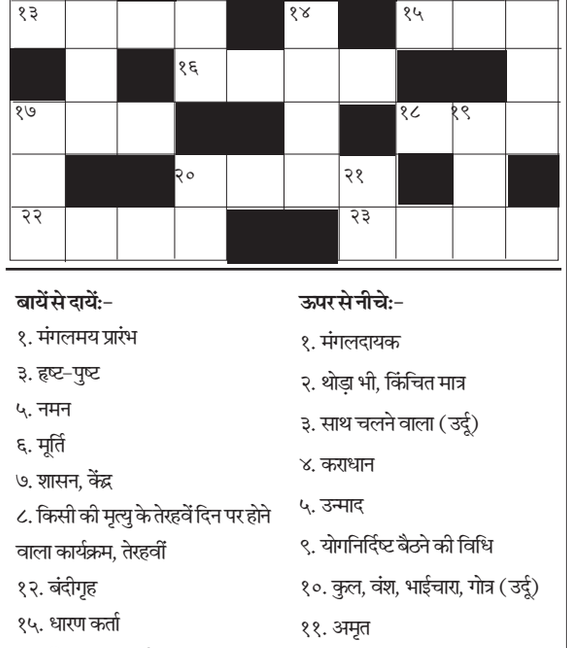

युसूफ कुरेशी, मो. 8109948408

कार्रवाई | पाकिस्तान ने सभी अवैध अप्रवासियों को देश छोड़ने की समय सीमा दी थी

पाकिस्तान ने अवैध अफगानियों को बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू की

इस्लामाबाद, (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने देश से अवैध अफगान नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने हाल ही में एक घोषणा की थी, जिसे उसने लागू करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान ने सभी अवैध अप्रवासियों को देश छोड़ने या गिरफ्तारी और निर्वासन का सामना करने के लिए 1 नवंबर 2023 तक की समय सीमा दी थी। पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न अफगान शरणार्थी शिविरों और अफगान नागरिकों के रहने वाले अन्य क्षेत्रों पर छापेमारी शुरू कर दी है, और ऐसे सैकड़ों परिवारों को हिरासत में ले लिया है, जिनके पास पाकिस्तान में रहने की स्थिति साबित करने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं था।

अधिकारियों ने इस्लामाबाद और अन्य प्रमुख शहरों में अस्थायी अफगान शरणार्थी शिविरों को हटाना भी शुरू कर दिया है। जिससे अफगानों के पास अपना सामान इकट्ठा करने और अफगानिस्तान में प्रवेश करने के लिए तोरखम सीमा की ओर जाने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। कम से कम 20 परिवारों को लेकर कम से कम 16 ट्रक गुरुवार को तोरखम सीमा पर पहुंचे थे, जबकि लगभग 40 और परिवार शुक्रवार को वहां पहुंचे।

एक अधिकारी ने कहा, 'कानूनी आवश्यकताएं पूरी होने के बाद इन परिवारों को, जिनमें लगभग 1,000 लोग शामिल हैं, अफगानिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।' अधिकारी ने कहा, 'ये निवासी इस्लामाबाद के मार्गल्ला टाउन के पास एक अफगान शरणार्थी शिविर से हैं, जिसे संघीय सरकार के निर्देश पर राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने ध्वस्त कर दिया था।' अब तक, कम से कम 503 अफगान शरणार्थियों को जेल भेजा जा चुका है क्योंकि वे देश में अपनी पहचान की स्थिति के प्रमाण के रूप में कोई कानूनी दस्तावेज उपलब्ध कराने में

विफल रहे। इस्लामाबाद में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'विभिन्न अभियानों में कम से कम 1,126 लोगों की जांच की गई। उनमें से 623 लोगों को कानूनी पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर रिहा कर दिया गया। हालांकि, उनमें से 503 को आवश्यक दस्तावेज़ नहीं होने के कारण जेल भेज दिया गया।' गिरफ्तार किए गए 503 लोगों को विदेशी अधिनियम की धारा 14 के तहत विभिन्न अदालतों के सामने पेश किया गया। 31 अक्टूबर के बाद सभी अवैध निवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू होगी। अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने का पाकिस्तान का बड़ा फैसला अफगान तालिबान शासन को रास नहीं आया है, जिसने इस फैसले को 'अस्वीकार्य' करार दिया है।

अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान सरकार के व्यवहार पर सवाल उठाया और कम से कम 1.7 मिलियन अपंजीकृत अफगान प्रवासियों को अफगानिस्तान वापस भेजने की योजना पर गंभीर चिंता जताई। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा, 'अफगान शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तान का व्यवहार अस्वीकार्य है। पाकिस्तानी पक्ष को अपनी योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए। अफगान शरणार्थी पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याओं में शामिल नहीं हैं। जब तक वे स्वेच्छा से पाकिस्तान नहीं छोड़ देते हैं, उस देश को उन्हें बर्दाश्त करना चाहिए।' सूत्रों ने कहा कि हालांकि अफगान तालिबान इस्लामाबाद के फैसले से खुश नहीं हैं, लेकिन दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति है कि जिस भी अफगान के पास पाकिस्तान में रहने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं है, उसे उसके गृह देश वापस भेज दिया जाना चाहिए।

खेल जगत

गिल बीमार हैं, लेकिन टीम के बाहर नहीं : रोहित शर्मा

चेन्नई। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां खेले जाने वाले मैच सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अभी बाहर नहीं किया गया है। एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत रविवार को आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मैच में आस्ट्रेलिया से टक्कर लेगा। मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने कहा गिल की तबीयत ठीक नहीं है। हम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं। हम उन्हें ठीक होने का हर मौका देंगे। देखतें है कि मैच से पहले वह कैसा महसूस करते हैं। उन्हे अभी तक बाहर नहीं किया गया है। गिल की खराब सेहत से भारतीय खेमे में चिंता के सवाल पर उन्होने कहा ''नहीं, चिंता की बात नहीं है। मेरा मतलब है कि जाहिर तौर पर वह बीमार हैं। मैं चाहता हूं कि वह ठीक हो जाएं। वह युवा हैं। उनका शरीर फिट है इसलिए वह जल्दी ठीक हो जायेंगे।

भारत ने कबड्डी के दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण

महिलाओं ने चीनी ताइपे को दी मात

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुक़ाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के 72 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने पदकों की सेंचुरी पूरी की है। इसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल है। इस बार एथलेटिक्स में प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है जिसमें अकेले भारत को 29 पदक मिले हैं जबकि शूटिंग में भारत के खाते में 22 पदक आये हैं। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरुआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया, हालांकि रेडिंग विभाग में भारत ने उन्हें पछाड़ दिया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इससे पहले हांगझोउ 2010 और इंचियोन 2014 में गोल्ड मेडल जीता था जबकि जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में टीम को ईरान के ख़िलाफ़ हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पुष्पा राणा और पूजा हाथवाला ने भारत के लिए रेड की शुरुआत की। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी के ग्रुप स्टेज मुक़ाबलों में भारत ने चीनी ताइपे के ख़िलाफ़ पहला मैच ड्रॉ (34-34) खेला, और उसके बाद दक्षिण कोरिया (56-23) और थाईलैंड (54-22) को हराया था।

हांगझोउ। एशियाई खेलों में कबड्डी स्पर्धा आज भारत ने महिला और पुरुष दोनों ही वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। पुरुषों के फाइनल में भारत ने ईरान को करीबी मुकाबले में 33-29 से परास्त कर आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। 2018 में जकार्ता एशियाई खेल में भारत सेमीफाइनल में ईरान से हार गया था। इससे पहले बीजिंग 1990 में एशियन गेम्स में कबड्डी की शुरुआत के बाद से भारत ने सभी सात स्वर्ण पदक जीते थे। कप्तान फज़ल अत्राचली के नेतृत्व में मजबूत ईरानी डिफेंस ने जबरदस्त टैकल से भारत पर शुरुआत में दबाव बनाए रखा, हालांकि भारतीय कबड्डी कप्तान पवन सहरावत और रेडर नवीन कुमार ने लगातार अंक हासिल करिते भारत को मैच में बनाए रखा। उप-कप्तान सुनील कुमार के नेतृत्व में भारतीय डिफेंस ने ईरान को ऑल-आउट करने में मदद की और ब्रेक होने तक 17-13 के स्कोर के साथ चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान असलम इनामदार और नवीन कुमार ने भी महत्वपूर्ण रेडिंग अंक हासिल किए। भारत ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही कुछ अंक हासिल किए, लेकिन ईरान ने भारत को ऑल-आउट कर दिया और फुल टाइम के 10 मिनट पहले स्कोर 25-ऑल से बराबर कर लिया। इसके बाद पवन सहरावत ने भारत को आगे बढ़ाया और कप्तान फज़ल अत्राचली को रेड में आउट कर दिया। इसी के साथ भारत 28-25 से आगे हो गया। ईरान ने लगातार तीन अंकों के साथ वापसी की और सीटी बजने से केवल एक मिनट पहले स्कोर 28 की बराबरी पर था। डू या डाई की रेड में पवन सहरावत ने तीन अंक जीतकर अपनी टीम को फिर से बढ़त दिला दी। हालांकि, मैच को निलंबित कर दिया गया क्योंकि रेफरी और टीमों ने पवन सहरावत की रेड पर हासिल किए अंकों पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद ईरान की ओर से अलीरेज़ा मिज़ेइयन रेड के लिए गए लेकिन भारतीय डिफेंस ने उन्हें आउट कर दिया। अंतिम कुछ सेकेंड में नवीन कुमार अपनी रेड के साथ एक अंक जीतने में सफल रहे और इसी के साथ भारत ने जीत हासिल कर ली। इससे पहले भारत ने ग्रुप चरण में चार मैचों में से चार जीत के साथ अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया।

कुश्ती में पूनिया ने भारत के लिये जीता रजत

राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता दीपक पूनिया को एशियाई खेल में 86 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग के खिताबी मुकाबले में शनिवार को ईरान के हसन यज़दानी से हार कर रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ भारत ने कुश्ती में एक रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया।

रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता ईरान के हसन यज़दानी ने पहले चरण में ही आठ अंक की बढ़त बना ली थी। पूनिया ने दूसरे राउंड में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन ईरानी पहलवान अपने एशियन गेम्स के खिताब का बचाव करने में सफल रहे।

दीपक पूनिया ने इससे पहले राउंड ऑफ 16 में अपने अभियान की शुरुआत तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर इंडोनेशिया के रैंडा रियानडेस्टा पर जीत हासिल करते हुए की थी। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में जापान के शोता शिराई को 7-3 से हराया और फाइनल में जगह बनाने के लिए बहरीन के मैगोमेद शारिपोव को 4-3 से मात दी।

भारत की महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हरा एशियाई खेलों में जीता कांसा

■ भारत के लिए दीपिका व सुशीला चानू ने किया एक-एक गोल

नई दिल्ली। दीपिका और अनुभवी सुशीला चानू के एक-एक गोल की बदौलत पिछली उपविजेता भारत की महिला हॉकी टीम ने पिछले चैंपियन जापान को हंगजू(चीन) में शनिवार को रोमांचक संघर्ष में 2-1 से हरा कर कांसा जीत लिया। पराजित जापान के लिए एकमात्र गोल दूसरा क्वॉर्टर खत्म होने से ठीक पहले यूरी नगई ने पेनल्टी कॉर्नर पर दागा। भारत की महिला हॉकी टीम ने मेजबान चीन से सेमीफाइनल में 0-4 से हार के साथ सीधे 2024 के पेरिस ओलंपिक के क्वॉलिफाई करने का सपना टूटने के बाद शनिवार को एक पायदान नीचे खिसकने के बावजूद कांसा जीत का सम्मान बचा लिया।

भारत की लड़कियों की तारीफ करनी होगी कि चीन के हाथों सेमीफाइनल में हार के सदमे को दरकिनार जापान के खिलाफ कांस्य पदक के लिए खेले मैच में उन्होंने गेंद को कब्जेश में रख आक्रामक हॉकी खेलने पर ध्यान दिया। दीपिका ने मैच के पांचवें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। भारत को इसके साथ ही पहले क्वॉर्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर भी मिले लेकिन वह एक को भी गोल में नहीं पाया। जापान ने बराबरी पाने की कोशिश में अपने हमले तेज कर दिए। भारत ने अपनी रणनीति बदल कर गेंद को कब्जे में रखने और जवाबी हमले बोलने की कोशिश की।कप्तान यूरी नगई ने मैच के 30 वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल जापान को एक-एक की बराबरी दिला दी।

जापान ने हाफ तक एक की बराबरी पाने के बाद तीसरे क्वॉर्टर में हमलों का तांता बांध दिया लेकिन भारत की रक्षापंक्ति ने मुस्तैदी से अपने किले की चौकसी उसकी गोल करने की हर कोशिश को नाकाम कर दिया। भारत ने चौथे और आखिरी क्वॉर्टर में बढ़त लेने के लिए अपने हमले तेज कर दिए । भारत ने चौथे क्वॉर्टर के शुरू में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन इस पर उपकप्तान ड्रैग फ्लिकर दीप ग्रेस एक्का के शॉट को जापान की गोलरक्षक इका नकामुरा ने रोक बेकार कर दिया। भारत को खेल खत्म होने से तीन मिनट पहले एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस दीप ग्रेस एक्का ने सीधा शॉट लेने की बजाय गेंद को सुशीला की ओर बढ़ाई और उन्होंने चतुराई से गेंद को गोल में डाल भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय महिला टीम ने बढ़त लेने के बाद अपने हमले जारी रखे और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन इनका लाभ नहीं उठा सके। जापान ने बराबरी पाने की जुगत में जवाबी हमले बोले लेकिन भारत की रक्षापंक्ति ने उनकी हर कोशिश नाकाम कर दी। भारत ने अपनी 2-1 की बढ़त को आखिर तक बरकरार रख जीत के साथ कांसा अपने नाम किया।

हॉकी इंडिया ने एशियाई खेलों में कांसा जीतने पर वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की हर सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये तथा सपोर्ट स्टाफ की हर सदस्य को डेढ़-डेढ़ लाख रुपये के इनाम की घोषणा की।

तीरंदाजी में भारत ने कंपाउंड स्पर्धा में किया क्लीन स्वीप

हांगझोउ। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत के लिये महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते जबकि अभिषेक वर्मा ने रजत और अदिति गोपीचंद स्वामी महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया।

तीरंदाजी में भारत के खाते में अब तक नौ पदक आये है जिसमें से सात पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत ने इस कैटेगरी को सभी पांच स्वर्ण पदकों के साथ क्लीन स्वीप किया।

ज्योति सुरेखा ने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में दक्षिण कोरिया की चेवोन सो को 149-145 से हराकर तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले वह महिला और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं।

पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में ओजस प्रवीण देवताले ने हमवतन अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिषेक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, वहीं अदिति गोपीचंद स्वामी ने महिलाओं के व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में इंडोनेशिया की रतिह ज़िलीज़ाती फादली को 146-140 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

सात्विक-चिराग ने भारत को दिलाया ऐतिहासिक स्वर्ण

हांगझोउ । चीन के हांगझोउ में खेले जा रहे 19वे एशियाई खेलों में भारत का स्वर्णिम सफर जारी है। भारत ने शनिवार को न सिर्फ पदक तालिका में पहली बार 100 के पार पहुंचने का रिकार्ड बनाया बल्कि एशियाई खेलों में पहली बार बैडमिंटन का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोल्ग्यू और किम वोन्हू को 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों में भारत के लिये पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीता। ज्ञातव्य है कि इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 56 मिनट के खेल में 21-18, 21-16 से हरा कर ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। चोई और किम ने भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी का साहस के साथ मुकाबला किया। इस बीच सात्विक और चिराग ने कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट, स्मैश और बैकहैंड शॉट लगाते हुए पहला गेम 29 मिनट का समय लेकर 21-18 से अपने नाम किया। दूसरा गेम भी बेहद रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने लगातार बेहतरीन प्रयास किए लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने विरोधी जोड़ी के ख़िलाफ़ ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाए रखी। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद लगातार कई शानदार शॉट लगाते हुए विरोधी टीम को ग़लती करने के लिए मज़बूर किया। चोई सोल्ग्यू और किम वोन्हू ने ब्रेक के बाद अपने स्कोर में 8 अंक का इज़ाफ़ा ज़रूर किया लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने के लिए दूसरे गेम को 21-16 से जीत लिया।

सार संक्षेप

विश्वकप जीतना है बांग्लादेश का लक्ष्य : चंडिका

धर्मशाला। आईसीसी पुरुष विश्व कप ट्रॉफी के दावेदार पर लगाये जा रहे पूर्वानुमानो के बीच बांग्लादेश के कोच चंडिका हाथरुसिंघे ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी टीम यहां विश्वकप ट्राफी पर कब्जा करने के लिये आयी है। शनिवार को बांग्लादेश यहां के खूबसूरत मैदान पर अफगानिस्तान को टक्कर देगी। यह मैच कल सुबह 10.30 बजे हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा। बांग्लादेश टीम के कोच चंडिका हाथरुसिंघे ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि धर्मशाला में बांग्लादेश टीम का मैच रोमांच से भरपूर होगा। टीम के कुछ खिलाड़ी धर्मशाला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने धर्मशाला की पिच को बैटिंग पिच बताया और कहा कि यहां आईपीएल में भी अच्छे स्कोर देखने को मिले थे।उन्होंने भविष्यवाणी की कि वनडे वर्ल्ड कप में भी स्कोर अच्छा रह सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार बांग्लादेश की टीम न सिर्फ मैच जीतेगी बल्कि फाइनल में पहुंचने की भी कोशिश करेगी। बांग्लादेश टीम में पुराने और अनुभवी खिलाड़ी हैं जिनको नये खिलाड़ियों के अनुभव का साथ मिलेगा।

गोपीचंद ने कांस्य विजेता प्रणय के प्रदर्शन को सराहा

हांगझोउ। यह एक कांस्य पदक है जो अपने वजन के बराबर है, यह सोने जितना अच्छा है। भारत के राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद का यह आकलन था कि जिस तरह से एचएस प्रणय ने 41 साल के अंतराल के बाद भारत के लिए कांस्य पदक जीतने के लिए गंभीर पीठ दर्द के बावजूद पिछले दो सप्ताह से संघर्ष किया, वह सराहनीय है। इवेंट से कुछ दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान प्रणय को चोट लग गई थी और वह 10 दिनों तक ट्रेनिंग नहीं कर पाए थे।

वह हांगझोउ आए और टीम प्रतियोगिता में मजबूत दक्षिण कोरिया पर सेमीफाइनल की जीत में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण एकल जीत हासिल की। गुरुवार को उन्होंने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लियो ज़ी जिया पर तीन गेम की कठिन जीत दर्ज की।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेपॉक में बेहद रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

नई दिल्ली। पूरे रंग में चल रहे सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का डेंगू की चपेट में आने के कारण दुनिया की नंबर वन टीम मेजबान भारत के लिए इतिहास में सबसे ज्यादा पांच बार खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नै में रविवार को 2023 के आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के पहले मैच में बाहर होना लगभग तय है। भारत के चीफ कोच राहुल द्रविड़ भले ही यह कहे कि शुभमन गिल बेहतर महसूस कर रहे हैं %मेडिकल टीम उनके बाबत फैसला लेगी' बहुत कुछ बयां कर देता है। सच तो यही है कि शुभमन के रविवार को खेलने की संभावना न के ही बराबर है। शुभमन नेइस साल वन डे अंतर्राष्ट्रीय में पांच शतक सहित सबसे ज्यादा 1230 रन बनाए ही हैं पिछले चार मैचों में उनके दो शतक और दो अर्द्धशतक इस बात का सुबूत है कि वह टीम इंडिया के लिए वाकई बेहद अहम हैँ। शुभमन अपने सलामी जोड़ीदार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम में भारत की धुरी हैं और बतौर टीम संतुलन और संयोजन के लिहाज से बेहद अहम हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेपॉक में बेहद रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। भारत को अपने दर्शकों और चेन्नै की पिच से बेहतर वाकिफ होने का लाभ मिलेगा। भारत को अपना ध्यान बदकिस्मती से शुभमन गिल के अस्वस्थ होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार के मैच के लिए उपलब्धता की बजाय मैच के मिजाज के मुताबिक बेहतरीन एकादश चुनने पर लगाना चाहिए।

भारत की क्रिकेट टीम ने बेहतर वरीयता के आधार पर जीता स्वर्ण

■ भारत व अफगानिस्तान में बारिश के चलते फाइनल बेनतीजा अधूरा समाप्त

■ बारिश से खेल रोके जाने पर अफगानिस्तान ने बनाए 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच हंगजू(चीन) में एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट टीम के बीच फाइनल को बारिश के चलते बेनतीजा अधूरा समाप्त कर दिया। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने बारिश के चलते फाइनल के बेनतीजा अधूरा समाप्त होने पर अपनी बेहतर वरीयता के आधार पर स्वर्ण जीत लिया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत की महिला क्रिकेट टीम ने भी एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था,।

अफगानिस्तान को रजत पदक पर सतोष करना पड़ा। बारिश के कारण फाइनल अधूरा खत्म नहीं किया जाता तो जिस तरह भारत जिस तरह रंग में था उससे यदि उसके खिलाफ शनिवार को फाइनल बारिश के कारण 18.2 ओवर में अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 112 रन पर रोका था वह बेशक मैदान पर फाइनल में भी अपने दमदार प्रदर्शन को जीत का हकदार था। भारत की अनुशासित गेंदबाजी के सामने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने पर अफगानिस्तान ने 10.5 ओवर में पांच मात्र 52 रन पर खो दिए । शाहिदुल्लाह (अविजित 49 रन दो छक्के, तीन चौके) और कप्तान गुलाबदीन नायक (आवेजित 27 रन, 24 गेंद, दो छक्के, एक चौके) की छठे विकेट की 60 रन की असमाप्त भागीदारी से 18.2 ओवर में खेल रोके जाने के समय पांच विकेट पर 112 रन बनाए थे। भारत के ऑलराउंडर तेज गेंदबाज शिवम दुबे की तेजी से उछली गेंद को सलामी बल्लेबाज जुबैद अकबरी(5) को उड़ाने के फेर में मिड ऑन पर अर्शदीप को कैच थमाया जबकि मोहम्मद शाहजाद(4) ने अर्शदीप की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला चला विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच थमा दिया। जबकि एक तेज रन चुराने के फेर नूर अली जादरान(1) को रवि बिश्नोई के थ्रो पर विकेटकीपर जीतेश शर्मा ने रनआउट कर दिया और अफगानिस्तान 3.2 ओवर में शुरू के तीन विकेट मात्र 12 रन में खो दिए। शाहिदुल्लाह और अफसर जजई(15 रन, 20 गेंद, 2 चौके) ने चौथे विकेट के लिए 37 रन जोड़ 49 रन पर पहुंचाया था कि तभी जजई लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की गगुली पर चकमा खो बोल्ड हो गए। करीम जन्नत (1) लेफ्ट आर्म स्पिनर शाहबाज अहमद की गेंद को टर्न के लिए खेले लेकिन गेंद सीधी रह उनका ऑफ स्टंप उड़ा ले और अफगानिस्तान ने पांचवां विकेट अपनी पारी के 11 वें ओवर में 52 रन पर खो दिया। भारत के लिए ।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
विजया बैंक VIJAYA BANK | देना बैंक DENA BANK

सिवनी शाखा: बारापत्थर, सिवनी– 480661 (म.प्र.)
फोन: 07629- 225825 / 26
मेल आईडी: seoni@bankofbaroda.com

कब्जा नोटिस (चल एवं अचल संपत्ति के लिये)

(As per Appendix IV read with rule 8(1) of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002

सेक्यूरीटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स एंड एनर्फोसमेंट ऑफ सेक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत् नियम– 8(3) के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता को मांग सूचना में दर्शायी गयी राशि, उक्त मांग सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर अदा करने को जारी किया गया था।

खातेदार (उधारकर्ता) द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जन सामान्य को यहां सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 साथ पठित एक्ट के साथ 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये यहां नीच वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।

विशेष रूप से उधारीकर्ता और जन सामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन–देन न करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा की संबंधित शाखा से निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगी। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान प्रतिभूत आस्ति उपलब्ध समय में छुड़ाने (redeem) करने के संबंध में एक्ट की धारा 13 की उपधारा (8) के तहत आकर्षित किया जाता है।

क्र	ऋणी एवं जमानतदार का नाम व पता	नोटिस के अनुसार बैंक को देय राशि	बंधक रखी अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक
1	ऋणी– मेसर्स सुखलक्ष्मी इंडस्ट्रीज प्रोपराइटर श्री अतुल कुमार कुडापे एवं श्रीमति लक्ष्मीदेवी कुडापे पत्नि स्व. सुखराम कुडापे, जमानतदार– राजीव कुमरे पिता जगत राम कुमरे, पताः 1. 107 के, श्रीराम कॉलोनी, ज्वाला मंदिर के सामने, प्रतापपुर, सिवनी (म.प्र.)– 480661 पताः 2. मकान नं. 186, मिशन स्कूल के पीछे, सी.वी. रमन वार्ड, सिवनी (म.प्र.)– 480661	रू. 21,42,136.43 + ब्याज 03–07–2023 से एवं अन्य खर्चे	सम्पत्ति के सभी भू– भाग बंधक मकान/प्लाट स्थित खसरा नं. 87/19, ग्राम– प्रतापपुर, हल्का नं. 115, बमौरी, आर.आई. सर्किल– सिवनी–1, ज्वाला देवी मंदिर के सामने, श्रीराम कॉलोनी, एरिया– 2550 वर्गफुट, सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति लक्ष्मी कुडापे । चतुर्सीमा– उत्तर– अरविंद डेहरिया का प्लाट, दक्षिण– रोड, पूर्व– रोड, पश्चिम– अतरसिंह अहाके का मकान	03-07-2023 / 03-10-2023

दिनांक: 08/10/2023, स्थान: सिवनी — मुख्य प्रबंधक, प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, सिवनी शाखा

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश को मिली आसान जीत

धर्मशाला। मेहदी हसन मिराज (57 रन और 25 रन पर तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को यहां आईसीसी विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुये 37.2 ओवरों में 156 रन पर सिमट गयी। बांग्लादेश ने जीत का आसान लक्ष्य 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। बांग्लादेश की आसान जीत के नायक मेहदी हसन मिराज बने जिन्होने पहले अफगानिस्तान के कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18),राशिद खान (9) और मुजीब उर रहमान (1) का विकेट लिया और बाद में अर्धशतकीय पारी खेल कर अपनी टीम की जीत को और आसान बना दिया। उन्हे प्लेयर आफ द मैच चुना गया। नजमुल शान्तो 59 रन बना कर नाबाद लौटे। उन्होने मिराज के साथ 97 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी की जब टीम 27 रन पर दो अहम विकेट गंवा कर कुछ मुश्किल में फंस चुकी थी। इससे पहले इब्राहम जरदान (22) और रहमत शाह (18) ने अफगानिस्तान को संतुलित शुरूआत दी थी। जरदान के आउट होने के बाद कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18) ने शाह के साथ मिलकर टीम के स्कोर को एक विकेट पर 83 तक पहुंचा दिया था। मगर शाकिब अल हसन ने जरदान और शाह को नियमित अंतराल में आउट कर अफगान टीम को चोट दी जबकि बाद में मिराज ने शहीदी को विकेट के पीछे आउट कराया।

सुडोकू 6340 का हल

6	7	9	3	5	1	2	4	8
8	4	5	2	6	9	1	7	3
1	3	2	4	7	8	6	9	5
5	6	8	9	2	7	3	1	4
3	1	7	8	4	5	9	2	6
9	2	4	6	1	3	8	5	7
2	9	3	7	8	4	5	6	1
7	8	1	5	9	6	4	3	2
4	5	6	1	3	2	7	8	9

SENSEX	BSE	65995.63 ▲ 364.06	19653. 50 ▲ 107.15	MCX	Gold	56898 ▲ 290	silver	68290 ▲ 1522

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

जुलाई-सितंबर तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश घटकर 79.34 करोड़

नयी दिल्ली। कार्यालय परिसंपत्तियों में रफ्तार धीमी होने के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 21 प्रतिशत घटकर 79.34 करोड़ डॉलर रह गया। कोलियर्स इंडिया ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 100.21 करोड़ डॉलर था। रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने शनिवार को एक रिपोर्ट में आंकड़ा जारी किया। इसके अनुसार, कार्यालय परिसंपत्तियों में जुलाई-सितंबर के दौरान निवेश में 89 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और यह 7.91 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 69.43 करोड़ डॉलर था।

रिलायंस रिटेल में आबू धाबी की कंपनी खरीदेगी हिस्सेदारी, 4966 करोड़ में होगी डील

आबू धाबी। इंवेस्टमेंट अथॉरिटी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 4,966.80 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. आबू धाबी की कंपनी इस डील में रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 0.59 फीसदी की इक्विटी खरीदेगी. यह निवेश आरआरवीएल का प्री-मनी इक्विटी वैल्यू पर किया जाएगा, जिसे 8.381 लाख करोड़ रुपये आंका गया है. गौरतलब है कि देश में इक्विटी वैल्यू के हिसाब से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड, पहली चार कंपनियों में शामिल हो गई है. मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के तहत संचालित रिलायंस रिटेल की कमान ईशा अंबानी के पास है. रिलायंस रिटेल ने पिछले कुछ सालों में तेजी से अपने कारोबार को बढ़ाया है. आरआरवीएल अपनी सहायक कंपनियों और सहयोगियों के माध्यम से सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे लाभदायक खुदरा व्यापार का संचालन करती है. रिलायंस रिटेल कंपनी के 18,500 से अधिक स्टोर हैं. डिजिटल कामर्शियल प्लेटफार्म रजिस्टर्ड नेटवर्क के साथ कंपनी 26.7 करोड़ ग्राहकों को सेवाएं देती है. आरआरवीएल ने अपने न्यू कॉमर्स व्यवसाय के जरिए 30 लाख से अधिक छोटे और असंगठित व्यापारियों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा है, जिससे ये व्यापारी अपने ग्राहकों को अच्छे प्राइस पर प्रोडक्ट प्रोवाइड करा सके।

जीएम सरसों की उपज जांच के दायरे में

नई दिल्ली। सरसों की सर्वश्रेष्ठ किस्म की तुलना में जीएम सरसों की हाईब्रिड डीएमएच-11 की उपज सरकारी चिह्नित परीक्षण स्थलों में स्पष्ट रूप से उजागर नहीं हो पाई है। इस मामले के जानकार सूत्रों ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में किए गए प्रथम विशेष परीक्षण में जीएम सरसों डीएमएच-11 का वजन अपेक्षाकृत कम रहा है।

डेवलपरों के दावे के मुताबिक डीएमएच-11 ने प्रति हेक्टेयर 2.6 टन हेक्टेयर का उत्पादन किया। इसकी पुष्टि बीते सत्र में छह परीक्षण स्थलों पर किए गए परीक्षण स्थलों के सूत्रों ने भी की है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि परीक्षण स्थलों पर अन्य किस्मों की तुलना में कैसा प्रदर्शन किया।

सूत्रों के मुताबिक आईसीएआर की रेपसीड और सरसों की अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना के प्रोटोकाल के मुताबिक सरसों के हाई ब्रिड का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान प्रतिस्पर्धी हाई ब्रिड की तुलना में कम से कम पांच प्रतिशत अधिक उपज देनी चाहिए। इसे परीक्षण के दौरान जांची गई किस्म की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक उपज देनी चाहिए। भारत में विभिन्न स्थानों पर छह अन्य प्रतिस्पर्धी किस्मों के साथ जीएमएच-11 लगाई गई थी और इसकी उपज का जांच किया गया। इससे जीएम सरसों को वाणिज्यिक रूप से जारी करने का मार्ग प्रशस्त होता। सूत्रों के मुताबिक संभावित उपज व वजन के मुकाबले में हाई ब्रिड ने कुछ परीक्षण स्थलों पर आशा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक, 'प्रथम विशेष परीक्षण की जांच को सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होगा कि सभी परीक्षण स्थलों पर उपज के सभी दावे प्रोटोकॉल से मेल खाते हैं।' सूत्रों के मुताबिक प्रोटोकाल के अनुसार सरसों के हाईब्रिड प्रति 1000 बीजों का वजन 4.5 ग्राम होना चाहिए। लेकिन डीएमएच-11 का वजन केवल 3.5 ग्राम रहा। अभी भारत से इस्तेमाल की जा रही सरसों की सर्वश्रेष्ठ किम्म के 1000 बीजों का वजन 5 से 5.5 ग्राम है। पूरे देश में व्यापक रूप से मशीनों से सरसों की कटाई हो रही है। बीज का वजन कम होने की स्थिति में मशीनीकृत कटाई मुश्किल हो जाती है। सूत्रों के अनुसार 'मशीन से कटाई के दौरान सरसों के हल्के बीज उड़ कर छिटक जाते हैं। इसलिए सरसों की बोआई वाले प्रमुख क्षेत्र उत्तरी भारत के किसान ऐसी किस्म को पसंद नहीं करते हैं।'

सूत्रों के मुताबिक डीएमएच-11 की व्यापक तौर पर किए गए प्रथम व्यापक परीक्षण के परिणाम आशानुरूप नहीं हैं। इससे दूसरे चरण में बाधा आ सकती है। दरअसल आगामी परीक्षणों के दौरान आदर्श परिणाम हासिल करने के लिए बीजों को नवंबर के पहले सप्ताह में बोआई करनी होती है। कुछ लोगों ने कहा कि देरी से बोआई करने के कारण प्रतिस्पर्धी किस्म की तुलना में कम उपज प्राप्त हुई। हालांकि सूत्रों के मुताबिक सभी किस्मों की बोआई देरी से हुई थी। (साभार- बिजनेस स्टेन्डर्ड)

रियल एस्टेट कारोबार में उछाल, टॉप 10 में शामिल हुए लखनऊ, कोच्चि, जयपुर और भुवनेश्वर

__नई दिल्ली।__ कोविड के बाद से रियल एस्टेट क्षेत्र में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. यही वजह है कि दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के अलावा कुछ दूसरे शहर भी इसमें उभरकर आ रहे हैं. इस क्षेत्र में वृद्धि के लिहाज से लखनऊ, कोच्चि, जयपुर और भुवनेश्वर देश के 10 उभरते बाजारों में शामिल हो गए हैं. इस बात की पुष्टि रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई और सलाहकार फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड की ओर से जारी एक रिपोर्ट में हुई.रिपोर्ट में भारत के 10 उभरते बाजारों का ब्योरा दिया गया है।

इस सूची में लखनऊ, कोच्चि, जयपुर एवं भुवनेश्वर के अलावा कोयंबटूर, इंदौर, नागपुर, सूरत, तिरुवनंतपुरम और विशाखापट्टनम को भी जगह दी गई है. कुशमैन एंड वेकफील्ड के भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया प्रमुख अंशुल जैन का कहना है कि दूसरी श्रेणी के शहर अब आवासीय, खुदरा रसद और कुछ हद तक कार्यालयों के कारण तेजी से विकसित हो रहे हैं.यह रिपोर्ट 17 शहरों की जनसंख्या, जीवन सुगमता सूचकांक, बुनियादी ढांचे और कौशल व सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि जैसे विभिन्न मापदंडों के मूल्यांकन के आधार पर तैयार की गई है. हालांकि अभी भी दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद देश के अग्रणी रियल एस्टेट बाजार बने हुए हैं.

लगातार चौथे सप्ताह गिरा विदेशी मुद्रा भंडार, 3.79 अरब डॉलर घटकर 586.91 अरब डॉलर पर

__नई दिल्ली।__ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई और यह 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 3.794 अरब डॉलर गिर गया। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 22 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.335 अरब डॉलर कम होकर 590.702 अरब डॉलर पर रहा था।

अक्टूबर 2021 में रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया था भंडार-इससे पहले अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया था। बता दें कि ग्लोबल लेवल पर जारी घटनाक्रम के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रिजर्व बैंक ने डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट थामने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्राभंडार प्रभावित हो रहा है। आरबीआई की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा संपत्ति 3.127 अरब डॉलर घटकर 520.236 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने बताया कि बीते सप्ताह में देश गोल्ड रिजर्व भंडार का मूल्य 57.6 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 43.731 अरब डॉलर रहा।

इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 17.939 अरब डॉलर हो गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ देश की आरक्षित स्थिति भी 1.8 करोड़ डॉलर कम होकर 5.002 अरब डॉलर हो गई।

दशहरा-दिवाली के मौके पर और महंगा होगा हवाई सफर

इंडिगो ने किया किराए में फ्यूल सरचार्ज जोड़ने का फैसला

__नई दिल्ली।__ त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। वहीं देश में हवाई गिराया आसमान छू रहा है। इसी बीच देश की दिग्गज एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने किराए में फ्यूल सर चार्ज जोड़ने का फैसला किया है। यह सर चार्ज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में जोड़ा जाएगा।

इस संबंध में इंडिगो का कहना है कि जेट ईंधन की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। जेट इंजन की कीमत बढ़ने के कारण कंपनी को एक कदम उठाना पड़ रहा है। फ्यूल चार्ज लगने के बाद इंडिगो का टिकट 300 से लेकर हजार रुपए तक महंगा हो जाएगा। इससे पहले वर्ष 2018 में फ्यूल सरचार्ज लगाया गया था। हालांकि कंपनी ने ईंधन के दाम कम होने पर बड़े हुए किराए को कम कर दिया था। इस संबंध में इंडिगो ने जानकारी दी की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एटीएस की कीमत में बढ़ोतरी हो रही है। इस कारण फ्यूल चार्ज 6 अक्टूबर से लगाया गया है। देश में एविएशन टर्बाइन ईंधन की कीमतों में बीते 3 महीना से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। फ्यूल चार्ज बढ़ने से किराया कितना बढ़ेगा यह यात्रा की दूरी पर निर्भर करेगा। यानी यात्रियों को प्रति सेक्टर फ्यूल चार्ज का भुगतान करना होगा। 500 किलोमीटर तक की दूरी पर 300 का फ्यूल चार्ज लगाया जाएगा। वहीं 501 से 1000 किलोमीटर के बीच की दूरी के लिए यात्री को ?400 का अधिक भुगतान करना होगा। 1001 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 550 रुपए का फ्यूल चार्ज अधिक देना होगा। 1501 से 2500 किलोमीटर की दूरी का सफर तय करने वाली यात्रियों को साढे 600 का फ्यूल चार्ज देना पड़ेगा। 2501 से 3500 किलोमीटर की दूरी के लिए 800 देने होंगे। वही 3501 से अधिक किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए हजार रुपए का भुगतान यात्रियों को अतिरिक्त करना पड़ेगा। गौरतलब है कि देश में हवाई यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हवाई किराया पहले भी काफी अधिक बढ़ चुका। जेट फ्यूल की कीमतों में लगातार हो रही इजाफी के कारण भी टिकट की कीमत महंगी हुई है। वही देश में को फर्स्ट एयरलाइन की सेवाएं निलंबित होने के बाद से टिकटों के दाम बढ़ गए हैं। अब दिवाली दशहरा जैसे त्योहार निकट आने पर टिकटों की मांग फिर से बढ़ रही है। ऐसे में किराए में भी भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 16000-17000, एक्स्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7500-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7600-7800, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 8000-9000, फाइन 9000-10000, उड़द धुली 11000-11500, फाइन 11500-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10500-11000,फाइन 11000-11500।

चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3100, बेस्ट 3200-3300, बीपीटी चालू 3400-3500, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5200 फाइन-5200-5500 दुबराज भाटापारा 5000-5100, जेजेएल चालू 5200-5300, फाइन 5800-6000, बासमती कनकी चालू 2800-3000, बासमती कनकी मीडियम 3500-3700, बेस्ट 4000-4500, मोगरा-5000-5200, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 9000-10000, बेस्ट 11000-11500 पोहा-4100-4300, फाइन 4300-4400, मुरमुरा-5500-6000, फाइन- 7000-7500, रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-59400 चांदी टंच-69600 चांदी रिफाइन -70800

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार-

मो. 9425860998,9826307100

सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव-59400 चांदी टंच-69600 चांदी रिफाइन -70800

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल को होगा नुकसान:मूडीज

__नई दिल्ली।__ कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से देश की तीन सरकारी स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का लाभ घटेगा.

मूडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, मई 2024 में लोकसभा चुनावों के कारण कच्चे माल की ऊंची लागत का भार उपभोक्ताओं पर डालने के लिए उनके पास सीमित अवसर है.रिपोर्ट के मुताबिक तीन तेल कंपनियों का बाजार मार्जिन - उनकी शुद्ध वास्तविक कीमतों और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच का अंतर चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के उच्च स्तर से काफी कमजोर हो गया है. अगस्त के बाद से डीजल पर विपणन मार्जिन नकारात्मक हो गया है, जबकि पेट्रोल पर मार्जिन उसी अवधि में काफी कम हो गया है.यदि तेल की कीमतें 85 डॉलर/बैरल (बीबीएल)-90 डॉलर/ बीबीएल के मौजूदा स्तर पर बनी रहती हैं, तो तीन ओएमसी की कमाई, जिनमें से सभी को बीएए3 स्थिर रेटिंग प्राप्त है, वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में कमजोर हो जाएगी. मूडीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि फिर भी, इस मूल्य सीमा पर पूरे साल की कमाई ऐतिहासिक स्तरों के साथ तुलनीय रहेगी.लेकिन, यदि कच्चे तेल की कीमतें लगभग 100 डॉलर/बीबीएल तक बढ़ जाती हैं, तो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में घाटा शुरू हो जाएगा. रिपोर्ट में कहा गया है कि बहरहाल, हमारा मानना है कि वैश्विक विकास कमजोर होने के कारण तेल की ऊंची कीमतें लंबे समय तक कायम रहने की संभावना नहीं है.कच्चे माल की लागत में वृद्धि सितंबर में कच्चे तेल की कीमत लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 90 डॉलर/बीबीएल से अधिक हो जाने के बाद आई है, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में औसतन 78 डॉलर/बीबीएल थी.सकारात्मक पक्ष पर रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएमसी के क्रेडिट मेट्रिक्स वित्त वर्ष 2024 तक अच्छी स्थिति में रहेंगे. मजबूत बैलेंस शीट की मदद से तेल कंपनियां अपनी क्रेडिट गुणवत्ता बनाए रखेंगी।

डीजल पर रूस का बड़ा फैसला, निर्यात से हटाया प्रतिबंध

रूस ने शुक्रवार को डीजल निर्यात पर लगाए प्रतिबंध को हटा दिया है। रूस सरकार ने कहा कि उसने पाइपलाइनों के माध्यम से समुद्री बंदरगाहों तक पहुंचाए जाने वाले डीजल निर्यात पर 21 सितंबर को लगाए प्रतिबंध को वापस ले लिया है। हालांकि गैसोलीन निर्यात पर प्रतिबंध अभी भी लागू है। डीजल रूस का सबसे बड़ा तेल उत्पाद निर्यात है, जो पिछले साल लगभग 35 मिलियन टन था, जिसमें से लगभग तीन-चौथाई पाइपलाइनों के माध्यम से भेजा गया था। रूस ने 2022 में 4.8 मिलियन टन गैसोलीन का निर्यात भी किया। सरकार ने एक बयान में कहा, पाइपलाइन द्वारा बंदरगाहों तक पहुंचाए जाने वाले डीजल ईंधन के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया है, बशर्ते कि निर्माता उत्पादित डीजल ईंधन का कम से कम 50 प्रतिशत घरेलू बाजार में आपूर्ति करे। प्रतिबंध लागू होने के बाद से, स्थानीय एक्सचेंज पर थोक डीजल की कीमतों में 21 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि गैसोलीन की कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है।

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83. 24
एक यूरो	88. 14
एक ब्रिटिश पाउंड	101.90
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	53. 13
एक जापानी येन	00. 55

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 112 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 122 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-132 प्रति कि.
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स- 77 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. कि लो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070

भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 6000, 10 एम एम 5800,12 एम एम, 5]00 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

बंसल पैथोलॉजी ने 20 से ज्यादा संक्रामक रोगों की जांच के लिए आरटी-पीसीआर टेस्टिंग की शुरुआत की

माइलैब के साथ हेल्थटेक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

जबलपुर। जबलपुर में उच्च स्तरीय और किफायती डायग्नोस्टिक्स सेवाओं के एक नए दौर की शुरुआत हुई है। इस शहर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लेबोरेटरी, बंसल पैथोलॉजी ने अधिक सटीक जांच रिपोर्ट के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षणों की एक बड़ी रेंज की पेशकश की है। माइलैब के साथ हेल्थटेक साझेदारी के बाद, बंसल पैथोलॉजी जबलपुर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराने वाली पहली लैब बन गई है, जिसमें एचआईवी, हेपेटाइटिस सी एवं बी, रक्तदाता परीक्षण, ट्यूबरकुलोसिस, चिकनगुनिया, डेंगू, मलेरिया तथा जीवाणुओं से होने वाले कइ तरह के संक्रमण, कैंसर और आनुवंशिक रोग शामिल हैं बंसल पैथोलॉजी में माइलैब की अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक मशीनें लगाई गई हैं तथा बेहद कुशल प्रोफेशनल लोगों की एक टीम को नियुक्त किया गया है, जो एकदम सटीक और सही समय पर जांच के नतीजे प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। इस तरह शहर के लोगों को आवश्यक जांच के नतीजे तुरंत और कुशलता से प्राप्त करने की सुविधा मिलती है, और उन्हें दूर-दराज के केंद्रों में जाने की जरूरत नहीं होती है। इसके अलावा, मरीजों को जांच के नतीजे पाने के लिए बेहद कम इंतजार करना पड़ता है, और इस तरह चिकित्सकों को बीमारी की तुरंत पहचान करना और सही इलाज शुरू करने में मदद मिलती है। बंसल पैथोलॉजी के मालिक डॉ. हरजीत बंसल ने कहा, माइलैब के साथ हेल्थटेक साझेदारी से हम मरीजों को सटीक और उनकी जरूरत के अनुरूप सेवाएँ उपलब्ध कराने में सक्षम हुए हैं, साथ ही एक भरोसेमंद डायग्नोस्टिक सेंटर के रूप में हमारी प्रतिष्ठा और बढ़ गई है। हमने मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक को अपनाया है और अब हम अपने मरीजों और डॉक्टरों की जरूरतों के अनुरूप सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। हम यहां के निवासियों को हमारी सुविधाजनक एवं भरोसेमंद परीक्षण सेवाओं का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हैं। डॉ. डी. एस. बहरानी ने कहा, माइलैब का फीवर पैनल सचमुच बेहद मददगार किट है, क्योंकि इसके ज़रिये मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगू, ज़ीका, लेप्टोस्पायरोसिस और साल्मोनेलोसिस बैक्टीरिया की प्रजातियों तथा लीशमैनियासिस पैरासाइट जैसी कई बीमारियों का एक साथ परीक्षण किया जा सकता है, जिस समय के साथ-साथ संसाधनों की बचत होती है।

मदर्स रेसिपी ने 'एक्सोटिक सॉस रेंज' के अपने छोटे स्पाउट वाले किफायती पैक पेश किए

जबलपुर। ज्यादातर बाहर का खाना खाने के चलते भारतीय लोग दुनिया भर के अलग-अलग स्वाद खूब आजमा रहे हैं और उनका आनंद ले रहे हैं। घर बैठे बड़े आराम से ऐसा भोजन तैयार करने में विदेशी सॉस अहम भूमिका निभाते हैं। समय की मांग को समझते हुए, भारत के अग्रणी फूड ब्रांड मदर्स रेसिपी ने हाल ही में चार रोमांचक स्वादों- लाल मिर्च, हरी मिर्च, लहसुन मिर्च और सोयाबीन में अपने रेसिपी ग्लोबल एग्जॉटिक सॉस रेंज के छोटे आकार वाले स्पाउट पैक को लॉन्च करने की घोषणा की है। 85 ग्राम की स्पाउट पैकिंग न केवल ज्यादा किफायती है, बल्कि रखने और इस्तेमाल करने में भी सुविधाजनक है। रेसिपी के एग्जॉटिक ग्लोबल सॉस आपके भोजन का स्वाद अद्भुत बना देते हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों को घर पर ही पका लेना आसान बनाते हैं। जो चीज रेसिपी को बेमिसाल बनाती है वह यह है कि इन सॉसेज में कोई एमएसजी या कृत्रिम रंग नहीं मिलाए जाते। रेसिपी ब्रांड आपको हमेशा कुछ खास देना चाहता है, तरह-तरह से खाना पकाने की क्षमता, प्रामाणिक और असली स्वाद, तथा किफायती मूल्य पर दुनिया भर के स्वादों का आनंद। फ्राईड राइस, चाउमीन और पनीर चिली जैसे स्वादिष्ट चिनी व्यंजन तैयार करने के लिए ये सॉस एकदम सही विकल्प हैं। लॉन्च पर अपनी राय रखते हुए, मदर्स रेसिपी की कार्यकारी निदेशक, सुश्री संजना देसाई ने कहा, आज की तेजी से भागती दुनिया में, गुणवत्ता से समझौता किए बिना सुविधा और आसानी होने की अहमियत हम समझते हैं। हमारे सॉस मिलावटी रंगों और एमएसजी से मुक्त हैं, तथा हमारे ग्राहकों को एक सुविधाजनक, पोर्टेबल पैकेज में उनके पसंदीदा स्वाद उपलब्ध कराते हुए उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं।

उत्पादों की यह रेंज अब आपके आस-पड़ोस में स्थित स्टोर तथा इंदौर, जबलपुर, भोपाल, नागपुर और बेंगलुरु में मौजूद प्रमुख सुपरमार्केट श्रृंखलाओं में उपलब्ध है, जिसकी कीमत 85 ग्राम के लिए केवल 25 रुपये है।

देशबन्धु ग्राहक सेवा

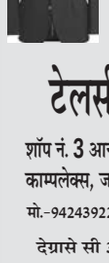

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596

मो.-9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे

मो: 9827042596

देग्रासे-सी-31/7/22

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें। देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अत: विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

फ्लाईओवर निर्माण के दौरान हादसा

मजदूरों पर मलबा गिरा, 1 मौत, 6 घायल

मदन महल थाने के समीप हुआ हादसा

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में मदन महल, रानीताल, एलआईसी, दमोहनाका क्षेत्र को फ्लाई ओवर की सौगात मिली है। इस फ्लाई ओवर का कुछ हिस्सा जनता के लिये शुरू कर दिया गया है। इसके शुरू होते ही हादसे की खबरें भी सामने आने लगी हैं। बीते दिनों मोटर सायकिल सवारों को एक कार चालक टक्कर मारकर भाग निकला। तो वहीं शनिवार की दोपहर मदनमहल थाना के पास फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगे 6 श्रमिकों पर मलबा गिर गया। जिसमें वह दब गए। वहीं बताया जा रहा है कि 15-20 दिन पहले भातखंडे महाविद्यालय के सामने 10 फीट गड्ढे खोदे गये थे।

निर्माण में लगे लोहे की संटिंग में मजदूर गिर गये थे। यह भी आरोप लगाये जा रहे है कि फ्लाई ओवर निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिससे यह हादसा हुआ। जिसमें एक मजदूर को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। वहीं अन्य मजदूर घायल हो गयें हैं। श्रमिकों को किसी तरह मलबे से निकाला गया, उस वक्त तक एक श्रमिक की मौत हो चुकी थी, वहीं शेष श्रमिकों को उपचार के निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर श्रमिकों को भर्ती कर लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मदनमहल थाना से दमोहनाका की ओर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार दोपहर थाना से कुछ दूरी पर चल रहे निर्माण कार्य में श्रमिक काम कर रहे थे। इस दौरान गढ्डे में काम कर रहे श्रमिकों पर मलबा गिर गया। श्रमिकों को मलबे के नीचे दबते देख अन्य साथी श्रमिकों में चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए।

सभी ने मलबा हटाकर श्रमिकों को बाहर निकाला, उस समय एक श्रमिक की मलबे में दबकर मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अन्य तीनों श्रमिकों को गोलबाजार स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर तीनों की हालत देखते हुए भरती कर लिया गया है। हादसे के बाद मौके पर काम रुक गया।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी भी पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। जेसीबी की मदद से मलबे को हटाया गया, इसके बाद श्रमिकों को बाहर निकाला गया है।

हादसे पर कांग्रेस ने जताया विरोध

इधर एमआईसी अमरीश मिश्रा, शिशिर नन्होरिया, प्रवेन्द्र चौहान, मनीष नायक, लवी गुप्ता, शिवम राहुल पांडे, अमित सोनकर आदि ने मौके पर पहुंचकर प्रदेश सरकार व सांसद राकेश सिंह के खिलाफ नारेबाजी की। और आरोप लगाया कि चुनाव में फायदा लेने के लिये फ्लाई ओवर का काम पूरा कराने के लिये जल्दबाजी की जा रही है। जो हादसों का कारण बन रही है। इस मामले को लेकर कांग्रेस, भाजपा नेताओं के पुतला दहन करेगी। वहीं दूसरी ओर मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने भी मृतक के परिजनों को 25 लाख रूपये की मुआवजा राशि देने की मांग की है। संघ के योगेन्द्र दुबे ने आरोप लगाया है कि फ्लाई ओवर कार्य में निमार्ण कंपनी की लापरवाही से एक मजदूर की मौत व अन्य श्रमिक घायल हुये हैं। इनकी मांग है कि फ्लाई ओवर निर्माण कंपनी की इस लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच हो। तथा कंपनी पर अपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाये।

कंपनी करायेगी इलाज, मिलेगी बीमा की राशि

इस मामले में पीडब्ल्यूडी से जुडें विभागीय सूत्रों ने बताया कि फ्लाई ओवर निर्माण कंपनी बिना बीमा कराये मजदूरों को काम पर नहीं रखती। इसलिये नियमानुसार मृतक को बीमा की राशि मिलेगी। तथा कंपनी घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठायेगी।

प्रदेश सरकार ने मण्डी शुल्क घटाकर 1 प्रतिशत किया

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश सरकार ने मण्डी बड़ी राहत देते हुए मण्डी शुल्क 1.50 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया है। इससे मण्डी व्यापारियों में हर्ष का माहौल है। जबलपुर अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ के सचिव रितेश अग्रवाल ने बताया कि सरकार ने मण्डी शुल्क घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया है, जबकि इससे पहले मण्डी शुल्क 1.50 प्रतिशत था।

सरकार के इस कदम से न सिर्फ दूसरे राज्यों से आने वाले अनाज उपलब्धता मण्डी में टैक्स कम होने के कारण बढ़ेगी, बल्कि राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। श्री अग्रवाल का कहना है कि व्यापारियों की यह मांग लम्बे समय से बनी हुई थी, जो अब पूरी होने से व्यापारियों में हर्ष का माहौल है।

हालाकि मण्डी शुल्क की नई दरें कब से लागू होगी, यह अभी तक स्पष्ट नही हो पाया है। दूसरी तरफ मण्डी शुल्क के साथ निराश्रित टैक्स जो 20 पैसे प्रति सैकड़ा लगता है, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सैनिक सोसायटी के अतिक्रमण नहीं हटे, निगमायुक्त तलब

हाई कोर्ट ने चार सप्ताह में कार्रवाई के दिए निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। हाई कोर्ट ने अपने पूर्व आदेश की नाफरमानी के रवैये को आड़े हाथों लेते हुए नगर निगम, जबलपुर के आयुक्त स्वप्निल बानखड़े को तलब कर लिया है। न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

अवमानना याचिकाकर्ता अधिवक्ता संजय सोनकर ने अपना पक्ष स्वयं रखा। उन्होंने दलील दी कि इस मामले में पूर्व में याचिका दायर की गई थी, जिसका इस निर्देश के साथ निराकरण किया गया था कि 90 दिन के भीतर अतिक्रमण हटाकर शिकायत दूर कर दी जाए। जिसका पालन न होने पर अवमानना याचिका दायर की गई, जिसका 30 दिन की मोहलत के साथ पटाक्षेप किया गया। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इसीलिए दूसरी बार अवमानना याचिका दायर की गई है। इस मामले में सबसे बड़ी विसंगति यह है कि 2010 का पुराना सीमांकन होने के बाद बावजूद रेखांकित अतिक्रमणों व अवैध निर्माणों पर नियमानुसार कार्रवाई नदारद है। जिसे लेकर अवमानना याचिकाकर्ता ने 20 सितंबर, 2022 को शिकायत की थी। लेकिन एक वर्ष गुजरने के बावजूद स्थिति वही ढ़ाक के तीन पात बनी हुई है।

अवमानना याचिकाकर्ता अधिवक्ता संजय सोनकर व उनकी पत्नी करिश्मा सोनकर ने सैनिक सोसायटी, शक्ति नगर में मकान नंबर-843/155 खरीदा है। यह मकान सात लोगों की हत्या के जुर्म में जेल में बंद सुनील सेन से क्रय किया गया है। दरअसल, सुनील ने अतिक्रमण व अवैध निर्माण न हटाए जाने से तंग आकर अवसाद व तनाव की हालत में हत्याकांड को अंजाम दे दिया था। उसने पहले तो जिम्मेदार विभागों में अनेक बार शिकायतें कीं। लेकिन

सात हत्याओं के बावजूद नहीं चेता नगर निगम

अतिक्रमण व अवैध निर्माण नहीं हटाए गए। इससे परेशान होकर एक दशक पूर्व पहले तो अपने परिवार के छह सदस्यों को मार दिया और फिर नगर निगम में कार्यरत राजकुमार गौतम की हत्या कर दी। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

समस्या जस की तस -

याचिकाकर्ता अधिवक्ता सोनकर ने दलील दी कि कमोवेश समस्या जस की तस बनी है। जिस वजह से व्यथित होकर सुनील सेन ने सात हत्याएं की थीं, वह कायम है। आलम यह है कि सड़क व नाली में ऊपर अतिक्रमण व अवैध निर्माण काबिज हैं। इससे न तो आवागमन ठीक से हो पा रहा है और न ही निस्तार के गंदे पानी की निकासी। नतीजतन, नारकीय माहौल बना हुआ है। लिहाजा, निगमायुक्त, कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को पुरानी शिकायतों का हवाला देते हुए नई शिकायत सौंपी गई।

यह भी अवगत कराया गया कि सीमांकन आदि की औपचारिकता के बावजूद हालत ढ़ाक के तीन पात है। किंतु कोई ठोस कार्रवाई नदारद रही। नगर निगम के संबंधित अधिकारी दो-टूक कहते हैं कि हाई कोर्ट के आदेश से कुछ नहीं होता। हम नए सिरे से सीमांकन करेंगे। पुराना सीमांकन हम नहीं मानते। इसीलिए अवमानना याचिका के जरिए नए सिरे से हाई कोर्ट आना पड़ा।

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 108
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 108
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128
मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 122
मुर्गा बड़ा - रु. 112
मुर्गा जम्बो - रु. 112
मो.-9039925000, 9425800409

34 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE
Shobhit University
EDUCATION EMPOWERS
National Commission for Indian System of Medicine
KUNWAR SHEKHAR VIJENDRA AYURVED MEDICAL COLLEGE & RESEARCH CENTRE
Admission Notice 2023
BAMS (10th Batch)
MS Shalya Tantra
MS Prasuti Tantra & Stri Roga
MD Kayachikitsa
MD Kriya Sharir
MD Rachna Sharir
MD Ayurveda Samhita & Sidhanta
Admission Criteria:
For BAMS: NEET-2023 score | For MD/MS: AIAPGET-2023 score
RANKED AS INDIA'S TOP 13 AYURVED COLLEGE
For Admission in BAMS / MS / MD please fill your choice at:
www.upayushcounseling.upsdc.gov.in
7830810052 | 9719356005
Babu Vijendra Marg, Gangoh-247341
Saharanpur, Uttar Pradesh
www.sug.ac.in
Approved by NCISM, Ministry of AYUSH, Govt of India

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
JAWAN 02:00 PM 04:00 PM 07:15 PM 10:55 PM
FUKREY-3 10:15 AM 11:10 AM 01:00 PM 05:00 PM 10:30 PM
THANK YOU FOR COMING 11:30 AM 03:45 PM 06:00 PM 10:30 PM
THE EXORCIST: BELIEVER 09:30 AM 01:45 PM 08:15 PM
THE VACCINE WAR 08:00 PM
MISSION RANIGANJ IN HINDI 09:00 AM 10:00 AM 12:30 PM 03:00 PM 05:40 PM 08:20 PM 10:55 PM

महिलाएँ ध्यान दें
महिलाओं की व्यक्तिगत समस्याओं हेतु 44 जड़ी बूटियों का संतुलित मिश्रण
श्वेतनिल सायरप
श्वेत प्रदर (सफेद पानी), अनियमित महावारी
कमर एवं पेट दर्द
मूत्र मार्ग में जलन एवं संक्रमण
योनी मार्ग में चिपचिपाहट एवं दुर्गंध
शारीरिक एवं मानसिक थकावट
भूख न लगना • चक्कर आना
खून की कमी • नींद न आना
बेचैनी एवं घबराहट
उपयोग करते ही असर प्रारंभ
जबलपुर 9826035091 | कटनी 9303092693 | अनूपपुर 9993902291
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध